शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 146 | गुवाहाटी | बुधवार, 25 दिसंबर, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

कांग्रेस की अंबेडकर यात्रा महज नाटक : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पेज 3
अटलजी का जीवन और विचारधारा पूरे देश के लिए प्रेरणास्त्रोत : राजनाथ सिंह पेज 4
आंबेडकर ने कहा था कि कांग्रेस को दलितों की नहीं, मुसलमानों की चिंता है : योगी पेज 5
नगालैंड के मुख्यमंत्री व प्रदेशवासियों को महाकुंभ-2025 का मंत्री दयालु ... पेज 8

मुख्यमंत्री ने सड़क सुरक्षा पर समीक्षा बैठक की, कहा–

कामरूप (एम) में सड़क दुर्घटनाओं में 31.82 प्रतिशत की वृद्धि हुई

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने राज्य भर में सड़क दुर्घटनाओं और मौतों में खतरनाक वृद्धि पर चिंता जताई। मंगलवार को डिब्रूगढ़ में एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए मुख्यमंत्री शर्मा ने दुर्घटनाओं में वृद्धि के लिए कई कारकों को जिम्मेदार ठहराया, जिनमें शराब पीकर वाहन चलाने की बढ़ती प्रवृत्ति, राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण कार्य का जारी होना और कुछ क्षेत्रों में सड़कों की बिगड़ती स्थिति शामिल है। शर्मा ने बताया कि कामरूप (एम) और नगांव जैसे जिलों में मृत्यु दर के आंकड़ों में काफी भिन्नताएं दर्ज की गई हैं, कामरूप (एम) में 31.82 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि नगांव में सराहनीय 73 प्रतिशत की कमी आई है। नवंबर में, कामरूप (एम), ग्वालपाड़ा, डिब्रूगढ़ और शोणितपुर में सबसे अधिक मौतें हुईं, जबकि कार्बी आंग्लांग, नलबाड़ी और नगांव जैसे जिलों में सुधार हुआ। गुवाहाटी में स्थिति गंभीर बनी हुई है, विशेषकर जालुकबारी और खानापाड़ा के बीच व्यस्त मार्ग पर, जहां मृत्यु दर में 21 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। शर्मा ने बताया कि रात 10 बजे के बाद शराब पीकर गाड़ी चलाने की घटनाओं में वृद्धि हुई है, क्योंकि कई ड्राइवर अपने वाहन को सुरक्षित तरीके से चलाने में विफल रहे हैं। उन्होंने कहा कि 60 वर्ष और उससे अधिक आयु के लोग अब -शेष पृष्ठ दो पर

रात 10 बजे से बढ़ेगी पुलिस जांच : सीएम

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने आज समीक्षा बैठक में एक महत्वपूर्ण घोषणा की कि राज्य में सड़क सुरक्षा में सुधार और दुर्घटना दर को कम करने के प्रयास में आज रात 10:00 बजे से सख्त यातायात जांच लागू की जाएगी। विशेष रूप से शाम के समय यातायात दुर्घटनाओं पर चिंता के कारण यह निर्णय लिया गया है। सड़क सुरक्षा की गारंटी के लिए, मुख्यमंत्री ने सख्त नियमों की आवश्यकता पर जोर दिया। शहरी और राजमार्ग सड़कों पर औचक निरीक्षण करने के अलावा, अधिकारियों को प्रमुख स्थानों पर रणनीतिक रूप से कर्मियों को तैनात करने का निर्देश दिया गया है। नशे में वाहन चलाने वालों की निगरानी करना और यह सुनिश्चित करना कि यातायात कानूनों का पालन हो रहा है। यह अनुमान लगाया जा रहा है कि इस पहल से लोगों में जागरूकता बढ़ेगी और राज्य में देर रात होने वाली यातायात दुर्घटनाओं की संख्या में कमी आएगी। जीएस रोड जैसे प्रमुख स्थानों पर शुरू किए गए सक्रिय अभियान के कारण, इस महीने की शुरुआत में कई बाइकर्स और चार पहिया वाहनों को यातायात कानूनों का उल्लंघन करने के लिए दंडित किया गया था, विशेष रूप से नशे में वाहन चलाने से संबंधित कानून। इसके अतिरिक्त, अनुपालन को और -शेष पृष्ठ दो पर

मुख्यमंत्री ने एएमसीएच के लिए आवासीय कॉलोनी परियोजना की घोषणा की

डिब्रूगढ़। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने डिब्रूगढ़ में असम मेडिकल कॉलेज और अस्पताल (एएमसीएच) में चिकित्सा कर्मचारियों के लिए एक आधुनिक आवासीय कॉलोनी बनाने के लिए 300 करोड़ रुपए की परियोजना की घोषणा की है। यह परियोजना पुराने स्टाफ क्वार्टरों की जगह लेगी, जिससे प्रोफेसरों, सहायक प्रोफेसरों, एसोसिएट प्रोफेसरों और अन्य कर्मियों को लाभ होगा। शर्मा ने मंगलवार को एएमसीएच के दौरे के दौरान यह घोषणा की, जहां उन्होंने प्रिंसिपल डॉ. संजीव काकोती सहित कॉलेज के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में विधायक प्रशांत फुकन और सांसद रामेश्वर तेली भी शामिल हुए, जिसमें कॉलेज के लिए चल रहे विकास और भविष्य की योजनाओं पर चर्चा की गई। प्रिंसिपल -शेष पृष्ठ दो पर

एक देश एक चुनाव विधेयक पर जेपीसी की पहली बैठक आठ जनवरी को

नई दिल्ली (हि.स.)। *एक देश एक चुनाव* से संबंधित दो विधेयकों पर विस्तृत विमर्श के लिए बनी संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की पहली बैठक आठ जनवरी को होगी। लोकसभा में पेश होने के बाद 20 दिसंबर को इसे जेपीसी को भेज दिया गया। समिति के 39 सदस्यों में से 27 लोकसभा के तथा 12 राज्यसभा के हैं। समिति को अगले संसद सत्र के आखिरी सप्ताह के पहले दिन तक अपनी रिपोर्ट देनी है। समिति के अध्यक्ष -शेष पृष्ठ दो पर

संविधान के सम्मान का दिखावा करते हैं पीएम : गौरव

गुवाहाटी (हि.स.)। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के उपनेता गौरव गोगोई ने आरोप लगाया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारतीय संविधान के प्रति अपनी श्रद्धा का दिखावा कर रहे हैं। गोगोई ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री दिखावे के तौर पर संविधान का आदर करते हैं, लेकिन जब केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह तथा उनकी सरकार के अन्य सदस्य भारतीय संविधान के निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर का कथित रूप से अपमान करते हैं, तो प्रधानमंत्री चुप रहते हैं। गौरव गोगोई मंगलवार को गुवाहाटी स्थित मानवेंद्र -शेष पृष्ठ दो पर

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

पूर्वाग्रह से ग्रसित दंड देना लोक निंदा का कारण बनता है।
– आचार्य चाणक्य

री भोई प्रशासन ने असम हिंदू संगठन के विरोध प्रदर्शन पर प्रतिबंध लगाया

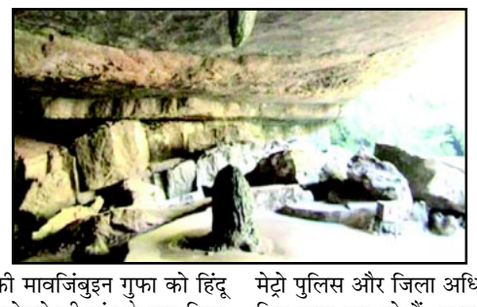

शिलांग। मेघालय के री भोई जिला प्रशासन ने 24 दिसंबर को असम स्थित हिंदू संगठन कुटुंब सुरक्षा परिषद (केएसपी) द्वारा बर्नीहाट और खानापाड़ा में होने वाले विरोध प्रदर्शनों पर प्रतिबंध लगा दिया है। केएसपी ने विरोध प्रदर्शन का यह फैसला मेघालय की मावजिंबुइन गुफा को हिंदू अनुष्ठानों के लिए फिर से खोलने की मांग के बाद लिया है। उन्होंने इसके लिए 10 दिन का अल्टीमेटम भी दिया था। हालांकि, री भोई प्रशासन ने क्रिसमस के त्यौहार से पहले शांति और सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से निर्दिष्ट क्षेत्रों में कुटुंबा सुरक्षा परिषद द्वारा किसी भी विरोध प्रदर्शन पर प्रतिबंध लगा दिया है। इस बीच, असम-मेघालय सीमा पर संभावित घटनाओं की चिंताओं के बीच, कामरूप मेट्रो पुलिस और जिला अधिकारी शांति बनाए रखने के लिए काम कर रहे हैं। प्रस्तावित नाकाबंदी, जो कथित तौर पर कुटुंबा सुरक्षा परिषद द्वारा आयोजित की गई है, वर्तमान में चल रहे मावजिंबुईन -शेष पृष्ठ दो पर

असम, त्रिपुरा और बंगाल को बांग्लादेश में शामिल करने की मांग से चिंता बढ़ी

गुवाहाटी। असम, त्रिपुरा और पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों को बांग्लादेश में शामिल करने की मांग कोई नई बात नहीं है और इन क्षेत्रों में जनसांख्यिकी में व्यवस्थित परिवर्तन को हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए। हाल ही में बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के सलाहकार महफूज आलम ने पश्चिम बंगाल, असम और त्रिपुरा को बांग्लादेश में शामिल करने की मांग करके हलचल मचा दी थी। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि यह मांग कोई नई नहीं है और समय-समय पर बांग्लादेश के नेता इस मांग को उठाते रहते हैं। सूत्रों ने बताया कि ब्रिटिश काल में भी उस क्षेत्र के नेता अक्सर कहते थे कि असम, त्रिपुरा और बांग्लादेश उस क्षेत्र के लोगों के प्राकृतिक आवास हैं। देश के बंटवारे के समय असम को तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान में शामिल करने की कोशिश की गई थी। लेकिन असम के नेताओं ने इसका कड़ा विरोध किया और इस तरह असम बच गया। इसके अलावा, उस समय नागा युवाओं ने भी असम के लोगों के साथ मिलकर राज्य को बांग्लादेश में शामिल होने से बचाने के लिए हाथ मिलाया था। सूत्रों ने बताया कि अप्रैल 1946 में नागा नेशनल काउंसिल ने एक प्रस्ताव पारित किया था कि वह भारत में रहना पसंद करेगी, लेकिन समूह अधिक -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

संविधान के नियमों का नहीं हुआ कोई उल्लंघन : कानून मंत्री

इंफाल। मणिपुर में विधानसभा का शीतकालीन सत्र न बुलाए जाने पर कांग्रेस लगातार राज्य सरकार पर हमला बोल रही है। उसका आरोप है कि राज्य सरकार ने विधानसभा का शीतकालीन सत्र न बुलाकर संविधानिक नियमों का उल्लंघन किया है। हालांकि, कानून मंत्री थौनाओजम बसंत कुमार -शेष पृष्ठ दो पर

अफगानिस्तान में भारतीय वाणिज्य दूतावास कर्मचारियों के वाहन पर हमला

काबुल। अफगानिस्तान के जलालाबाद में भारतीय वाणिज्य दूतावास के कर्मचारियों के एक वाहन पर अज्ञात हमलावरों ने हमला किया, जिससे एक अफगान कर्मचारी घायल हो गया। यह घटना मंगलवार को हुई, जब दूतावास का एक वाहन स्थानीय अफगान कर्मचारियों को लेकर जा रहा था और उसे निशाना बनाया गया। गौरतलब है कि भारतीय वाणिज्य दूतावास जलालाबाद को भारतीय सरकार ने 2020 -शेष पृष्ठ दो पर

महाराष्ट्र चुनाव में कोई गड़बड़ी नहीं वोटिंग प्रतिशत बदलना असंभव

कांग्रेस के हर सवाल का ईसी ने दिया जवाब

नई दिल्ली। महाराष्ट्र चुनाव में मिली करारी हार के बाद कांग्रेस ने चुनाव आयोग और पूरी चुनावी प्रक्रिया पर सवाल उठाए। कांग्रेस ने यह भी आरोप लगाया कि मनमाने तरीके से लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं। अब मंगलवार को भारत निर्वाचन आयोग ने कांग्रेस के सवालों का जवाब दिया। चुनाव आयोग ने कहा कि महाराष्ट्र में मनमाने तरीके से मतदाताओं के नाम न ही जोड़े गए और न ही हटाए गए हैं। कांग्रेस को दिए जवाब में चुनाव -शेष पृष्ठ दो पर

पीएम ने अर्थशास्त्रियों और विशेषज्ञों से केंद्रीय बजट 2025-26 पर किया विचार-विमर्श

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को नीति आयोग में केंदीय बजट 2025-26 की तैयारी को लेकर प्रख्यात अर्थशास्त्रियों और विचारकों के एक समूह के साथ विचार-विमर्श किया। ये बैठक *वैश्विक अनिश्चितता के समय में भारत की विकास गति को बनाए रखना* विषय पर आयोजित की गई। प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक बयान में बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने बैठक के दौरान अपने संबोधन में वक्ताओं को उनके व्यावहारिक विचारों के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मानसिकता में मूलभूत परिवर्तन के माध्यम से विकसित भारत को प्राप्त किया जा सकता है, जिसका ध्यान 2047 तक भारत को विकसित बनाने पर केंद्रित है। -शेष पृष्ठ दो पर

पुंछ में सेना का वाहन खाई में गिरा पांच जवानों की गई जान, 10 घायल

पुंछ। जम्मू कश्मीर के पुंछ जिले में मंगलवार को सेना का एक वाहन खाई में गिरने से 5 जवानों की जान चली गई। हादसे में 10 से ज्यादा जवानों के घायल होने की खबर है। सेना की ओर से हादसे की पुष्टि कर दी गई है। बताया जा रहा है वाहन रास्ता भटक गया था, इसी बीच अनियंत्रित होने की वजह से गहरी खाई में जा गिरा। यह हादसा जम्मू कश्मीर के पुंछ जिले के मेंढर के बलनोई इलाके में हुआ है। यह इलाका एलओसी के पास ही पड़ता है। बताया जा रहा है कि सेना का वाहन जवानों को पोस्ट की तरफ लेकर जा रहा था। इसी बीच यह अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरा। सूचना मिलते ही सेना का राहत -शेष पृष्ठ दो पर

साल 2025 के आगाज के साथ मिग विमानों के युग का होगा अंत, तेजस की होगी एंट्री

नई दिल्ली। साल 2025 के आगाज के साथ ही मिग विमानों के युग का अंत हो जाएगा और भारतीय वायुसेना की फ्लीट में इजाफा करेगा तेजस मार्क 1-ए। ये विमान वायुसेना में मिग-21 की जगह लेगा, जिसने दशकों तक देश की सुरक्षा में अहम भूमिका निभाई। मार्च 2025 में इस विमान के लिए अमेरिकी कंपनी जनरल इलेक्ट्रिक (जीई) से इंजन की आपूर्ति शुरू होने जा रही है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, सबसे पहले चरण में 2 इंजन की आपूर्ति मार्च के महीने में होने जा रही है। उसके बाद हर महीने 2 इंजनों की आपूर्ति की जाएगी। यह कदम भारत और अमेरिका के बीच रक्षा सहयोग को और मजबूत करेगा। 2025 से तेजस मार्क 1-ए वायुसेना का प्रमुख विमान बनने जा रहा है। यह अत्याधुनिक तकनीक, बेहतर प्रदर्शन और आत्मनिर्भरता के प्रतीक के रूप में भारतीय रक्षा उत्पादन की क्षमता को बढ़ाने का काम भी करेगा। आने वाले साल में तेजस के लिए अमेरिका से मिलने वाले इंजनों से ये उम्मीद की जा रही है कि जिस मिग-21 ने दशकों तक भारतीय वायुसेना को अपनी सेवाएं दीं, वो चरणबद्ध तरीके से -शेष पृष्ठ दो पर

केंद्र सरकार का बड़ा फैसला

गणतंत्र दिवस नहीं इस बार *वीर बाल दिवस* पर बहादुर बच्चों को मिलेगा पुरस्कार

नई दिल्ली। पहली बार गणतंत्र दिवस के बजाय देश के बाल पुरस्कार आगामी 26 दिसंबर को राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के अवसर पर दिए जाएंगे। इस बार पुरस्कृत होने वाले सभी 17 बच्चों को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु सम्मानित करेंगी। यह सम्मान सिर्फ वीरता के लिए ही नहीं बल्कि कला-संस्कृति, अन्वेषण, विज्ञान व तकनीकी, समाज सेवा, खेल और पर्यावरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए भी दिए जाएंगे। हालांकि इस समारोह का मुख्य केंद्र *वीर बाल दिवस* ही होगा। केंद्रीय महिला एवं बाल कल्याण मंत्री ने मंगलवार को एक बयान जारी करके बताया कि भारत के बच्चों की उपलब्धियों और सामर्थ्य को सम्मानित करते हुए आगामी गुरुवार को वीर बाल दिवस मनाया जाएगा। इस अवसर पर राष्ट्रव्यापी गतिविधियों के लिए इस साल 14 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों के 17 बच्चों को सम्मानित किया जाएगा। इस -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

हसीना को प्रत्यर्पित करने की मांग पर भारत ने दिखाया कड़ा रुख

नई दिल्ली। बांग्लादेश की कार्यवाहक सरकार ने भारत से अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को प्रत्यर्पित करने का अनुरोध किया है। इस संबंध में भारत को बांग्लादेश हाई कमीशन से *नोट वर्बेल* मिला है। भारतीय विदेश मंत्रालय (एमईए) के सूत्रों ने पुष्टि की हमें बांग्लादेश से नोट वर्बेल मिला है। फिलहाल, इस पर कोई टिप्पणी नहीं की जाएगी। नोट वर्बेल एक अनौपचारिक कूटनीतिक पत्र होता है, जो तीसरे व्यक्ति की ओर से भेजा जाता है। बता दे कि शेख हसीना (77) बांग्लादेश में 16 वर्षों तक सत्ता में रहीं और 5 अगस्त को देश में बड़े विरोध प्रदर्शनों के बाद भारत आ गईं। बांग्लादेश के अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी) ने उन पर *मानवता के खिलाफ अपराध और नरसंहार* के आरोप लगाते हुए गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। बांग्लादेश के गृह सलाहकार जाहंगीर आलम ने कहा कि हमने भारतीय विदेश मंत्रालय को पत्र भेजकर उनकी प्रत्यर्पणा की अनुमति मांगी है। इस प्रक्रिया पर काम चल रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि भारत और बांग्लादेश के बीच एक प्रत्यर्पण संधि मौजूद है, जिसके तहत हसीना को वापस लाया जा सकता है। बांग्लादेश की कार्यवाहक सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने पिछले महीने अपने 100 दिनों के शासन के दौरान कहा था कि हर हत्या के लिए न्याय सुनिश्चित करना हमारा उद्देश्य है। हम भारत से शेख हसीना को वापस भेजने का अनुरोध करेंगे। शेख हसीना के बांग्लादेश से बाहर जाने के बाद से वहां हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों पर हमलों की घटनाएं तेज हो गई हैं। इस्कॉन कोलकाता के उपाध्यक्ष राधारमण दास ने हाल ही में इन हमलों पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ दिनों में तीन मंदिरों पर हमले हुए हैं। क्रिसमस के मौके पर ईसाई समुदाय को भी सतर्क रहने के लिए कहा गया है। भारतीय संसद में विदेश राज्य मंत्री किर्ति वर्धन सिंह ने बताया कि बांग्लादेश में अब तक हिंसा की 2,200 घटनाएं दर्ज की गई हैं। भारत ने इन हमलों को लेकर बांग्लादेश सरकार से अपनी चिंता साझा की है। भारत ने बांग्लादेश सरकार से उम्मीद जताई है कि वह अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करेगी। ढाका स्थित भारतीय उच्चायोग हालात पर करीबी नजर बनाए हुए है।

गुवाहाटी में हेरोइन और नकदी के साथ तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी में हेरोइन और नकदी के साथ एसटीएफ ने एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। गुप्त सूचना के आधार पर एसटीएफ की टीम ने इंस्पेक्टर कपिल पाठक के नेतृत्व में राजधानी के कोइनाधरा इलाके में छापा मारा। इस दौरान एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर उसके पास से 36 वायल हेरोइन (वजन 48.89 ग्राम), एक मोबाइल फोन और नकदी बरामद की गई। यह कार्रवाई बशिष्ठ थाने के अंतर्गत की गई। आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। एसटीएफ ने नशीले पदार्थों की तस्करी पर सख्ती से लगाम लगाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है।

तुर्किये की शस्त्र फैक्टरी में विस्फोट, 12 लोगों की मौत

अंकारा। उत्तर पश्चिम तुर्किये में एक आयुध कारखाने में मंगलवार को सुबह विस्फोट होने से कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई तथा चार लोग घायल हो गए। सरकारी अनादोलू एजेंसी के अनुसार बालिकेसिर प्रांत में स्थित कारखाने में कैप्सूल विनिर्माण इकाई में यह विस्फोट हुआ। प्रांत के गवर्नर इस्माइल उस्ताओग्लू ने कहा कि विस्फोट से कैप्सूल विनिर्माण इकाई क्षतिग्रस्त हो गई और आसपास की इमारतों में भी दरार पड़ गई। अधिकारियों ने जांच शुरू कर दी है। गवर्नर इस्माइल उस्ताओग्लू ने पुष्टि की कि घटना सुबह 8:25 बजे (0525 जीएमटी) हुई, जिसमें विस्फोट की ताकत से संयंत्र का एक हिस्सा ढह गया। गवर्नर उस्ताओग्लू ने संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि मैं हमारे मृत नागरिकों पर ईश्वर की दया और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। प्रारंभिक रिपोर्टों में घायलों की संख्या 4 बताई गई थी, जिसे बाद में संशोधित कर 5 कर दिया गया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि घायलों की हालत स्थिर है और चोटें जानलेवा नहीं हैं। घटना के दौरान फैक्ट्री के अंदर कोई कर्मचारी मौजूद नहीं था, और आग पर काबू पा लिया गया है।

भारतीय रेल ने दिव्यांगजन स्मार्ट कार्ड के आवेदन की प्रक्रिया को किया डिजिटल

गुवाहाटी (हिंस)। भारतीय रेल ने दिव्यांगजन यात्रियों के स्मार्ट कार्ड पंजीकरण के लिए आवेदनों की डिजिटल प्रक्रिया शुरू कर दी है। मुंबई, सिकंदराबाद और चेन्नै मंडलों में पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर शुरू की गई। इस पहल को अब पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसीरे) सहित अन्य जोनल रेलवे में भी लागू कर दिया गया है। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने आज बताया है कि रियायती रेल टिकट प्राप्त करने के लिए दृष्टिबाधित व्यक्ति, मानसिक रूप से कमजोर व्यक्ति, पूर्ण रूप से मूक और बधीर व्यक्ति तथा ऑर्थोपेडिकली अपंग यात्री अपने फोटो पहचान पत्र प्राप्त करने या नवीनीकरण के लिए डिजिटली आवेदन कर सकते हैं। पोर्टल को एक्सेस और पंजीकरण शुरू करने के लिए, दिव्यांगजन यात्री वेबसाइट पर जा सकते हैं, जहां प्रक्रिया में सहायता के लिए एक विस्तृत उपयोगकर्ता पुस्तिका उपलब्ध है। इससे पहले, दिव्यांगजन यात्रियों को मंडल रेलवे कार्यालयों में व्यक्तिगत तौर पर या डाक से आवेदन जमा करना पड़ता था। इसके बाद, रियायती कार्ड जारी करने से पहले संबंधित दस्तावेजों का सत्यापन मैन्युअली किया जाता था। दिव्यांगजन यात्रियों के लिए लंबी कतारों में खड़े रहना और सत्यापन प्रक्रिया पूरी करना शारीरिक रूप से चुनौतीपूर्ण था। ऑनलाइन पोर्टल दिव्यांगजन स्मार्ट कार्ड प्राप्त करने की प्रक्रिया को सरल बनाता है क्योंकि आवेदक अपने आवेदन की स्थिति को ट्रैक कर सकते हैं और रेलवे कार्यालयों में जाए बिना अपना स्मार्ट कार्ड प्राप्त कर सकते हैं। विकलांग व्यक्तियों को रेलवे कार्यालयों में जाकर व्यक्तिगत रूप से आवेदन जमा करने की आवश्यकता नहीं है।

अविश्वास प्रस्ताव पर उपराष्ट्रपति बोले

मेरा नोटिस जिसने लिखा उसके चाकू पे जंग लगा हुआ था

नई दिल्ली (हि.स.)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने मंगलवार को कहा कि संवैधानिक पद पर बैठे उनके जैसे लोग हिसाब-किताब बराबर करने की स्थिति में नहीं होते हैं और उन्हें उदात्तता, उत्कृष्ट गुणों और संवैधानिकता के प्रति प्रतिबद्धता से चलना होता है। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने आज उपराष्ट्रपति एन्क्लेव में महिला पत्रकारों के एक प्रतिनिधिमंडल से बातचीत की और पहली बार उनके खिलाफ विपक्ष द्वारा लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि चंद्रशेखर जी ने कहा था, सब्जी काटने के चाकू से बाईपास सर्जरी कभी मत करना.. वो तो सब्जी काटने का चाकू भी नहीं था। मेरा नोटिस जिसने लिखा उसके चाकू पे जंग लगा हुआ था! मैं पढ़कर दंग रह गया। पर मुझे आश्चर्य हुआ की आपमें से किसी ने पढ़ा नहीं है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की सफलता के लिए दो चीजें अपरिहार्य हैं। पहला अभिव्यक्ति का अधिकार और दूसरा संवाद। यदि ये दोनों चीजें नहीं होंगी तो लोकतंत्र पोषित नहीं हो सकता है। इस संदर्भ में उन्होंने वर्तमान संसदीय चर्चाओं की बात की और पूछा कि क्या हमने पिछले कुछ दशकों में संसद में कोई बड़ी बहस देखी है? क्या आपने सदन में किये गये किसी महान योगदान पर ध्यान दिया है? हम गलत वजह से खबरों में हैं।

पृष्ठ एक का शेष

कामरूप (एम) में ...

शराब पीकर गाड़ी चलाने की बढ़ती घटनाओं के कारण गुवाहाटी में गाड़ी चलाने से डरते हैं। यह एक बड़ी चिंता है जिस पर ध्यान देने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री ने डिमा हसाउ, कोकराझाड़ और कामरूप (एम) जैसे जिलों में चिंताजनक प्रवृत्ति को भी उजागर किया, जहां मृत्यु दर में 20 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है। डिमा हसाउ में, यह वृद्धि नवनिर्मित लमडिंग-उमरंगसो सड़क पर दुर्घटनाओं से जुड़ी थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक उभरता हुआ पैटर्न यह है कि जिन इलाकों में सड़कों को बेहतर बनाया गया है, वहां सड़क दुर्घटनाएं बढ़ जाती हैं। बेहतर सड़कें, खास तौर पर ग्रामीण इलाकों में, अक्सर तेज गति से वाहन चलाते हैं, जिसके परिणामस्वरूप अन्य वाहनों से टक्कर के बजाय खुद ही दुर्घटनाएं होती हैं। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) जीपी सिंह ने कहा कि गांव की सड़कों पर जहां-जहां मोड़ हैं, वहां स्पीड ब्रेकर लगाने की सलाह दी जाती है, क्योंकि अक्सर यात्री सड़कों के मोड़ पर पेड़ों से टकरा जाते हैं। गांव की सड़कों पर दुर्घटनाएं आत्महत्या होती हैं, न कि दो या दो से अधिक वाहनों के बीच टक्कर। मुख्यमंत्री शर्मा ने जोर देकर कहा कि इस जोखिम को कम करने के लिए जल्द ही स्कूलों, अस्पतालों और पुलिस स्टेशनों जैसे प्रमुख स्थानों पर स्पीड ब्रेकर लगाए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि पैदल यात्रियों, साइकिल चालकों और तिपहिया वाहन चालकों सहित कमजोर सड़क उपयोगकर्ताओं के कारण असम में 35 प्रतिशत मौतें होती हैं, जो चिंताजनक है। इस समस्या के समाधान के लिए, शर्मा ने इन कमजोर समूहों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जिला सड़क समितियों (डीआरसी) द्वारा स्थानीय सड़क योजनाएं स्थापित करने का आह्वान किया। शर्मा ने पीछे से टक्कर लगने से होने वाली दुर्घटनाओं में चिंताजनक वृद्धि पर भी प्रकाश डाला और घोषणा की कि अब सभी वाहनों में रिफ्लेक्टिव बैकलाइट्स लगाना अनिवार्य होगा, तथा इसका पालन न करने पर जुर्माना लगाया जाएगा। सड़क सुरक्षा में सुधार के लिए राज्य सरकार कई पहल कर रही है। इनमें स्ट्रीट कैमरे लगाना, उच्च जोखिम वाले स्थानों पर फुट-ओवर ब्रिज का निर्माण और राजमार्गों का विद्युतीकरण शामिल है। इनमें से कुछ परियोजनाओं के लिए निविदाएं 27 दिसंबर को खोले जाने की उम्मीद है और अधिकारियों ने कहा है कि जनवरी 2025 से काम शुरू होने की उम्मीद है। सड़क सुरक्षा पर समीक्षा बैठक के बाद, प्रमुख उपलब्धियों में यह शामिल है कि असम देश का एकमात्र प्रमुख राज्य है, जहां सड़क दुर्घटना में मृत्यु दर में कमी आई है, तथा कुल दुर्घटनाओं और मृत्यु दर में लगभग 15 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। समीक्षा बैठक में राज्य में सड़क सुरक्षा बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा उठाए जाने वाले कुछ कदमों की रूपरेखा तैयार की गई, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं: शराब पीकर गाड़ी न चलाने के नियम का बहुत सख्ती से पालन किया जा रहा है। शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों का पता लगाने के लिए विशेष रूप से गुवाहाटी में रात 10 बजे के बाद सघन जांच की जाती है। माघ बिहू तक तीव्र सड़क सुरक्षा अभियान और निगरानी की जाएगी आबकारी विभाग बार के समय को विनियमित करने और गतिशील मौसमी समय को लागू करने पर विचार करेगा पिकनिक स्थलों में सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक एसओपी प्रकाशित किया जाएगा - सभी हितधारकों को पिकनिक स्थलों में स्वच्छता और सुरक्षा सुनिश्चित करनी होगी बढ़ती दुर्घटनाओं को रोकने के लिए गुवाहाटी बाईपास पर स्ट्रीट लाइट, फुट ओवरब्रिज, रिफ्लेक्शन पैच आदि लगाने के काम में तेजी लाई जाएगी लोक निर्माण विभाग द्वारा सड़क निर्माण के कार्य में स्प्रेड ब्रेकर, क्रैश बैरियर, साइनेज, फ्लोरोसेंट लाइट का प्रावधान शामिल किया जाएगा। वाणिज्यिक ट्रकों और वाहनों के पीछे की ओर रिफ्लेक्टिव पैच लगाने के लिए सीमावर्ती जिलों के पुलिस अधीक्षकों को विशेष निर्देश पुलिस और जिला प्रशासन आम जनता में जागरूकता फैलाने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर व्यापक सड़क सुरक्षा अभियान चलाएंगे वाणिज्यिक वाहनों के चालकों की दृष्टि जांच की जाएगी तथा उपचार की सुविधा के साथ सुधारात्मक उपाय सुझाए जाएंगे। सभी प्रमुख शहरों में स्ट्रीट लाइट लगाने का कार्य मिशन मोड में किया जाएगा किसी भी सार्वजनिक कार्यक्रम के शुरू होने से पहले सड़क सुरक्षा वीडियो/नाटक दिखाया जाएगा मेडिकल कॉलेज और अस्पताल दुर्घटना पीड़ितों को सर्वोत्तम संभव देखभाल प्रदान करने के लिए तैयार रहेंगे अप्रिय स्थितियों में डॉक्टरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए मेडिकल कॉलेजों/अस्पतालों में सुरक्षा बढ़ाई जाएगी

रात 10 बजे से ...

बेहतर बनाने के लिए, परिवहन विभाग ने शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों की पहचान करने के लिए ब्रीथ एनालाइजर का उपयोग करने जैसी सख्त प्रक्रियाओं को लागू करने की योजना बनाई है। त्योहारी सीजन के दौरान सड़क दुर्घटनाओं में वृद्धि को देखते हुए, सीएम शर्मा ने आबकारी विभाग को बार संचालन के घंटों पर गौर करने और उनके सबसे व्यस्त दिनों की पहचान करने का निर्देश दिया। सीएम शर्मा के अनुसार, कुछ व्यवसायों के शेड्यूल की समीक्षा नहीं की गई है, और वे उपद्रव करने लगे हैं। नतीजतन, आबकारी विभाग को सीजन के लिए शेड्यूल देखने का निर्देश दिया गया।

मुख्यमंत्री ने एएमसीएच...

डॉ. काकोती ने 2022 में शर्मा के पिछले दौरे के बाद से किए गए सुधारों पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि आवासीय कॉलोनी का निर्माण चरणों में किया जाएगा ताकि कर्मचारियों के काम में न्यूनतम व्यवधान सुनिश्चित हो सके। प्रस्तावित कॉलोनी का एक मॉडल अनुमोदन के लिए प्रस्तुत किया जाएगा, और मंजूरी मिलने के बाद निर्माण शुरू हो जाएगा। शर्मा ने आश्वासन दिया कि वे परियोजना की प्रगति का आकलन करने के लिए जनवरी 2026 में एएमसीएच में वापस आएंगे। अपनी यात्रा के दौरान, मुख्यमंत्री शर्मा ने चाबुआ विधायक पोनाकन बरुआ को श्री श्री मायामारा दिन्जय सत्र के सत्राधिकारी मुकुंदानंद चंद्र गोस्वामी के स्वास्थ्य की निगरानी करने का भी निर्देश दिया, जो वर्तमान में एएमसीएच में आईसीयू में इलाज करा रहे हैं। शर्मा ने गोस्वामी के इलाज के लिए वित्तीय सहायता की भी घोषणा की।

एक देश एक चुनाव विधेयक...

भाजपा नेता पीपी चौधरी हैं। इसके अन्य सदस्यों में अनुराग सिंह ठाकुर और पुरुषोत्तमभाई रूपाला, कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी और मनीष तिवारी, टीएमसी के कल्याण बनर्जी, एनसीपी (एसपी) की सुप्रिया सुले और लोकसभा के अन्य सदस्य शामिल हैं। राज्यसभा से समिति में भाजपा के घनश्याम तिवाड़ी, भुवनेश्वर कलिता और के. लक्ष्मण, कांग्रेस के रणदीप सिंह सुरजेवाला और मुकुल बालकृष्ण वासनिक, जदयू के संजय कुमार झा और वाईएसआर कांग्रेस के वी. विजयसाई रेड्डी सहित अन्य सदस्य शामिल हैं। एक देश एक चुनाव से जुड़े 129वें संविधान संशोधन विधेयक में प्रस्ताव किया गया है कि एक अवधि के बाद सभी राज्यों की वर्तमान विधानसभा का कार्यकाल छोटा कर एक साथ चुनाव कराए जाएं। केंद्र और राज्यों में चुनाव के थोड़े समय बाद ही नगर निकायों और पंचायतों के चुनाव कराए जाएं। बहुमत न मिलने और अल्पमत की स्थिति में दोबारा चुनाव कराए जाने पर कार्यकाल केवल बाकी बचे समय के लिए हो।

संविधान के सम्मान...

शर्मा काम्प्लेक्स में अंबेडकर सम्मान यात्रा कार्यक्रम में शामिल होने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। हालांकि, भाजपा ने गौरव गोगोई की टिप्पणियों पर आधिकारिक रूप से कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। उल्लेखनीय है कि भाजपा डॉ. अंबेडकर के नाम पर कई कल्याणकारी कार्यक्रम आदि चलाकर अंबेडकर के प्रति सम्मान प्रदर्शित करती रही है। कांग्रेस अंबेडकर के बहाने अपनी राजनीति चमकाने में लगी हुई है।

री भोई प्रशासन ...

विवाद से जुड़ी हुई है तथा इससे दो पूर्वोत्तर राज्यों के बीच महत्वपूर्ण परिवहन गलियारे के बाधित होने का खतरा है। इससे पहले 23 दिसंबर को मेघालय के हिनीवट्रेप इंटीग्रेटेड टेरिटोरियल ऑर्गनाइजेशन (एचआईटीओ) ने असम के मुख्य सचिव को एक तत्काल अपील जारी की थी, जिसमें हिंदू दक्षिणपंथी गुटों द्वारा मेघालय-असम राजमार्ग पर संभावित सड़क अवरोध को रोकने के लिए तत्काल हस्तक्षेप करने की मांग की गई थी।

असम, त्रिपुरा और...

स्वायत्तता चाहता था। लेकिन बाद में नागा नेशनल काउंसिल ने स्वतंत्रता की मांग की। बंगाल के मामले में, स्वतंत्रता से पहले दो विधानमंडल थे। विभाजन के समय, पूर्वी बंगाल विधानमंडल ने पूर्वी पाकिस्तान के साथ रहने के लिए मतदान किया, जबकि, पश्चिम बंगाल विधानमंडल ने जून 1947 में भारत के साथ रहने का प्रस्ताव पारित किया। यह सर्वसम्मति से लिया गया निर्णय नहीं था क्योंकि कुछ विधायक पूर्वी पाकिस्तान में शामिल होना चाहते थे, लेकिन बहुमत भारत में रहना चाहता था और प्रस्ताव पारित हो गया। देश के बंटवारे के बाद भी पूर्वी पाकिस्तान के नेताओं और बुद्धिजीवियों ने अक्सर यह मुद्दा उठाया कि असम, त्रिपुरा और पश्चिम बंगाल को पूर्वी पाकिस्तान का हिस्सा होना चाहिए। यहां तक कि शेख मुजीबुर रहमान जैसे कद के व्यक्ति ने भी कई बार यह मांग उठाई। लेकिन भारत की मदद से बांग्लादेश के स्वतंत्र होने और बांग्लादेश के पहले प्रधानमंत्री बनने के बाद उन्होंने यह मुद्दा उठाना बंद कर दिया। हालांकि, सूत्रों ने कहा कि भारत को मांगों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए क्योंकि असम, त्रिपुरा और पश्चिम बंगाल में व्यवस्थित जनसांख्यिकीय परिवर्तन हुआ है और स्वदेशी लोगों का प्रतिशत चिंताजनक रूप से घट रहा है। बिहार के पूर्वी हिस्से में भी जनसांख्यिकी बदल रही है। सूत्रों ने चेतावनी दी कि हमें निकट भविष्य में कोई समस्या नहीं हो सकती है। लेकिन अगर जनसांख्यिकी लगातार बदलती रही, तो हमें अब से लगभग चार दशकों में गंभीर स्थिति का सामना करना पड़ सकता है।

महाराष्ट्र चुनाव में ...

आयोग ने कहा कि शाम पांच बजे के मतदान आंकड़ों की तुलना अंतिम मतदान आंकड़ों से करना ठीक नहीं है। शाम 5 बजे से रात 11:45 बजे तक मतदान में वृद्धि सामान्य बात है, यह मतदान डाटा को जुटाने की प्रक्रिया का हिस्सा है। चुनाव आयोग ने जोर देकर कहा कि वास्तविक मतदान प्रतिशत में बदलाव करना असंभव है। इस वजह यह है कि मतदान का विवरण देने वाला वैधानिक फॉर्म 17सी पोलिंग बूथ पर मतदान खत्म होने के दौरान प्रत्याशियों के अधिकृत एजेंटों के पास उपलब्ध रहता है। चुनाव आयोग ने कहा कि फॉर्म 17सी किसी भी मतदान केंद्र पर डाले गए कुल मतों का वैधानिक स्रोत है। इसमें संशोधन नहीं किया जा सकता है। आयोग ने यह भी बताया कि मतदान केंद्र बंद होने से पहले इसे उम्मीदवारों को उपलब्ध कराया जाता है। चुनाव आयोग ने कहा कि महाराष्ट्र में मतदाता सूची तैयार करने में पारदर्शिता के साथ-साथ पूरी प्रक्रिया का पालन किया गया। मतदाताओं के नाम हटाने में कोई अनियमितता नहीं की गई। आयोग ने कांग्रेस को बताया कि मतदाता सूची तैयार करने में कांग्रेस प्रतिनिधियों की भागीदारी समेत उचित प्रक्रिया का पालन किया गया है। चुनाव आयोग ने कांग्रेस को ठोस तथ्यों के साथ जवाब दिया। आयोग ने कहा कि जुलाई से नवंबर 2024 के बीच 50 विधानसभा क्षेत्रों में औसतन 50,000 मतदाताओं को जोड़ने की उसकी शिकायत तथ्यात्मक रूप से गलत और भ्रामक है। इसमें यह दावा किया गया था कि इनमें से 47 सीटों पर महायुति ने जीत दर्ज की है। जबकि आयोग ने कहा कि केवल छह विधानसभा क्षेत्रों में 50,000 से अधिक मतदाताओं की संख्या बढ़ी है। इसलिए इस आधार पर 47 विधानसभा क्षेत्रों में जीतने का सवाल ही नहीं उठता। चुनाव आयोग ने कांग्रेस को जानकारी दी है कि महाराष्ट्र के हर विधानसभा सीट के मतदाताओं से जुड़ा पूरा डेटा और फॉर्म 20 महाराष्ट्र चुनाव आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। वहां से इसे डाउनलोड किया जा सकता है।

पीएम ने अर्थशास्त्रियों ...

केंदीय बजट की तैयारी के लिए आयोजित इस बैठक में प्रतिभागियों ने कई अहम मुद्दों पर अपने विचार साझा किए। इनमें वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं और भू-राजनीतिक तनावों से उत्पन्न चुनौतियों का समाधान, विशेष तौर पर युवाओं के बीच रोजगार बढ़ाने और सभी क्षेत्रों में स्थायी रोजगार के अवसर पैदा करने की रणनीतियां बनाने, रोजगार बाजार की उभरती जरूरतों के साथ-साथ शिक्षा और प्रशिक्षण कार्यक्रमों को संरेखित करने की रणनीतियां, कृषि उत्पादकता को बढ़ाना और स्थायी ग्रामीण रोजगार के अवसर पैदा करना, आर्थिक विकास को बढ़ावा देने और रोजगार पैदा करने के लिए निजी निवेश को आकर्षित करना, बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए सार्वजनिक धन जुटाना, वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देना, निर्यात को बढ़ावा देना और विदेशी निवेश को आकर्षित करना शामिल हैं। प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में जाने-माने अर्थशास्त्रियों और विश्लेषकों ने भाग लिया, जिसमें केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन बेरी, नीति आयोग के मुख्य कार्यपालक अधिकारी बीवीआर सुब्रमण्यम, देश के मुख्य आर्थिक सलाहकार अनंत नागेश्वरन, अर्थशास्त्री डॉ. सुरजीत एस भल्ला, डॉ. अशोक गुलाटी, डॉ. सुदीप्तो मुंडले, धर्मकीर्ति जोशी, जन्मेजय सिन्हा, मदन सबनवीस, प्रो. अमिता बत्रा, रिदम देसाई, प्रो. चेतन घाटे, प्रो. भरत रामास्वामी, डॉ. सौम्य कांति घोष, सिद्धार्थ सान्याल, डॉ. लवीश भंडारी, रजनी सिन्हा, प्रो. केशव दास, डॉ. प्रीतम बनर्जी, राहुल बाजोरिया, निखिल गुप्ता, प्रो. शाश्वत आलोक और डीके जोशी समेत अन्य विशेषज्ञ शामिल हुए। उल्लेखनीय है कि अगामी केंद्रीय बजटके संदर्भ में आर्थिक विशेषज्ञों के विचार एवं सुझाव जानने के लिए यह बैठक आयोजित की गई थी। दरअसल बजट से पहले हमेशा हर क्षेत्र के विषेषज्ञों की राय ली जाती हैं। केंद्रीय वित्त मंत्री सीतारमण एक फरवरी, 2025 को लोकसभा में वित्त वर्ष 2025-26 का बजट पेश करेंगी।

पुंछ में सेना का ...

और बचाव दल मौके पर पहुंचा और जवानों को खाई से निकालने के प्रयास शुरू कर दिए गए। पुंछ जिले के बलनोई इलाके में सेना का वाहन तकरीबन 300 फीट गहरी खाई में गिरा है। बताया जा रहा है कि हादसा वाहन के अचानक अनियंत्रित होने की वजह से हुआ। वाहन में सेना के कई जवान सवार थे जो अपनी पोस्ट की ओर जा रहे थे। इसी बीच हादसा हो गया। सेना की ओर से आधिकारिक तौर पर अब तक 5 जवानों की जान जाने की पुष्टि की गई है। मौके पर राहत और बचाव कार्य जारी है। हादसे में 10 से ज्यादा जवानों के घायल होने की खबर है। इनमें से अभी भी कई जवान ऐसे हैं जिनकी हालत गंभीर है। मौके पर सेना का रेस्क्यू दल पहुंच गया और राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया गया है। माना जा रहा है कि अभी घायल जवानों की संख्या और भी बढ़ सकती है। जम्मू कश्मीर में पिछले माह भी इस तरह का हादसा हुआ था, जिसमें एक सैन्यकर्मी की जान चली गई थी और अन्य घायल हो गए थे। यह दुर्घटना 4 नवंबर को कालाकोट के बडोग गांव के पास हुई थी। इसमें नायक बद्रीलाल और सिपाही जय प्रकाश गंभीर रूप से घायल हो गए थे, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

साल 2025 के ...

रिटायर्ड हो जाएंगे। उसकी जगह तेजस मार्क 1-ए लेगा, जो हल्के और आधुनिक लड़ाकू विमानों की श्रेणी में विश्वस्तरीय मानकों पर खरा उतरता है। यह कदम भारतीय वायुसेना की क्षमता और रणनीतिक मजबूती को एक नए स्तर पर ले जाने वाला है। तेजस मार्क 1-ए स्वदेशी तकनीक, उन्नत हथियार प्रणालियों और मल्टीरोल क्षमताओं के साथ ये वायुसेना के सबसे आधुनिक विमान बनेंगे। तेजस मार्क 1-ए एक हल्का, मल्टीरोल फाइटर जेट है, जिसे हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) द्वारा डिजाइन और निर्मित किया गया है। यह विमान अत्याधुनिक तकनीकों से लैस है। आइए जानते हैं इसकी खासियतें। **उन्नत एवियोनिक्स :** तेजस में आधुनिक रडार और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली है, जो इसे दुश्मन के रडार से बचने और हमले का जवाब देने में सक्षम बनाती है। **बेहतर हथियार क्षमता:** यह विमान हवा से हवा और हवा से जमीन पर मार करने वाली मिसाइलों, लेजर गाइडेड बम और अन्य हथियारों का उपयोग कर सकता है। **सुपरक्रूज स्पीड :** तेजस मार्क 1-ए सुपरसोनिक स्पीड से उड़ान भर सकता है, जो इसे तेज गति से मिशन पूरा करने में सक्षम बनाता है। **डिजिटल फ्लाई-बाय-वायर सिस्टम :** यह सिस्टम पायलट को बेहतर नियंत्रण और सुरक्षा प्रदान करता है। मिग-21 अपने समय का एक बेहतरीन लड़ाकू विमान रहा है, लेकिन आज के आधुनिक युद्धक्षेत्र की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तेजस, राफेल, सुखोई जैसे आधुनिक विमानों की जरूरत है। मिग-21 के युग का अंत भारतीय वायुसेना को एक नए और उन्नत दौर में प्रवेश कराता है। तेजस का निर्माण न केवल भारत की रक्षा क्षमताओं को मजबूत करता है, बल्कि यह देश की आत्मनिर्भरता और मेक इन इंडिया पहल को भी बढ़ावा देता है। भारतीय वायुसेना के लिए 83 तेजस मार्क 1-ए विमानों के ऑर्डर पहले ही दिया चुका है लेकिन अमेरिका से मिलने वाले इंजनों की डिलीवरी में लगातार देरी हुई है। अब अगर अगले साल चरणबद्ध तरीके से विमानों के लिए इंजन मिल जाते हैं तो यह भारतीय एयरोस्पेस उद्योग के लिए एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। तेजस मार्क 1-ए के साथ, भारतीय वायुसेना अपनी सामरिक क्षमताओं को और मजबूत करेगी। यह विमान न केवल राष्ट्रीय रक्षा में योगदान देगा बल्कि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में भी भारत को एक प्रमुख विमान निर्माता के रूप में स्थापित करेगा। तेजस मार्क 1-ए के लिए जीई स्न404 और मार्क 2 के लिए जीई एफ414 इंजनों का उपयोग किया जाएगा। ये इंजन अपनी उच्च प्रदर्शन क्षमता और विश्वसनीयता के लिए जाने जाते हैं।

गणतंत्र दिवस नहीं ...

पुरस्कार समारोह में सात श्रेणियों में उल्लेखनीय योगदान के लिए सात लड़कों और दस लड़कियों को सम्मानित किया जाएगा। पुरस्कार जीतने वाले बच्चों को एक पदक, एक सर्टीफिकेट और एक प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाएगा। इस अवसर पर प्रधानमंत्री पीएम मोदी भी उपस्थित रहेंगे। वीर बाल दिवस का राष्ट्रीय कार्यक्रम दिल्ली के भारत मंडपम में होगा, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सुपोषित पंचायत योजना का उद्घाटन करेंगे, जिसका उद्देश्य जमीनी स्तर पर पोषण सुरक्षा को मजबूत करना है। कार्यक्रम में बच्चों के नेतृत्व में विविध संस्कृतियों का प्रतिनिधित्व करने वाला मार्च-पास्ट भी होगा। 3500 बच्चे इस कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे, जिसमें भारत की समृद्ध विरासत को प्रदर्शित करने वाली सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जाएंगी। जानकारी के अनुसार 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस का राष्ट्रीय कार्यक्रम राजधानी दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम के दौरान पीएम मोदी सुपोषित पंचायत योजना का उद्घाटन करेंगे। इसका उद्देश्य जमीनी स्तर पर पोषण सुरक्षा को मजबूत करना है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि इस कार्यक्रम में बच्चों के नेतृत्व में कई संस्कृतियों का प्रतिनिधित्व करने वाला मार्च पास्ट का आयोजन भी किया जाना है।

संविधान के नियमों ...

सिंह ने मंगलवार को उसके सभी आरोपों को सिरे से नकार दिया। मंत्री ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 174 के अनुसार, राज्य की विधानमंडल की बैठक कम से कम दो बार साल में बुलानी चाहिए और पिछले सत्र तथा अगले सत्र के बीच छह महीने से अधिक का अंतर नहीं होना चाहिए। उन्होंने बताया कि इस वर्ष बजट सत्र और शरदकालीन सत्र पहले ही आयोजित किए जा चुके हैं। उन्होंने आगे कहा कि मणिपुर कांग्रेस का यह आरोप कि संविधान के नियमों का उल्लंघन हुआ है, गलत है। ओकरम इबोबी सिंह के 2002 से 2016 तक मुख्यमंत्री रहते हुए पांच बार ऐसा हुआ जब विधानसभा सत्र एक कैलेंडर वर्ष में केवल दो बार बुलाए गए थे। भाजपा सरकार के तहत संविधान का कोई उल्लंघन नहीं हुआ है। कुमार की यह टिप्पणी कांग्रेस विधायक दल के नेता ओ इबोबी सिंह के उन हालिया आरोपों के मद्देनजर आई है, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि भाजपा नीत सरकार ने विधानसभा का शीतकालीन सत्र नहीं बुलाकर संवैधानिक प्रावधानों का उल्लंघन किया है। कानून मंत्री ने कहा कि मणिपुर सरकार ने हमेशा संविधान की अनिवार्य प्रावधानों और मणिपुर विधानमंडल द्वारा बनाए गए नियमों को लागू करने की कोशिश की है। सामान्य समय में, सरकार ने 2017 से 2020 के बीच तीन बार विधानसभा सत्र बुलाए थे। उन्होंने कोविड-19 महामारी और पिछले साल तीन मई को हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना का जिक्र करते हुए कहा कि इन परिस्थितियों के कारण राज्य सरकार ने आवश्यक सत्र नहीं बुलाए, क्योंकि जनता को कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। इस बीच, बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन मणिपुर (बीओएसईएम) के कर्मचारियों द्वारा आक्रोशित विरोध के दौरान कुमार ने कहा कि अखम जोयकुमार सिंह को चेयरमैन के रूप में नियुक्त किया गया है और यह नियुक्ति नियमों के तहत की गई है। उन्होंने कर्मचारियों से हड़ताल समाप्त करने की अपील करते हुए कहा कि यह छात्रों के हित में होगा।

अफगानिस्तान में भारतीय ...

में सुरक्षा कारणों से असक्रिय कर दिया था। उस समय के बाद से दूतावास के संचालन को पूरी तरह से बंद कर दिया गया था, लेकिन एक छोटा सा अफगान कर्मचारी दल दूतावास के कुछ सीमित कार्यों को देख रहा था। इस दल का काम मुख्य रूप से दूतावास की सुरक्षा सुनिश्चित करना और कुछ मामूली कार्यों का संचालन करना था। भारत ने अफगानिस्तान में पूर्व राष्ट्रपति अशरफ घानी के शासन के दौरान बड़ी संख्या में विकास परियोजनाओं में निवेश किया था। लेकिन 2021 में तालिबान के सत्ता में आने के बाद, और अमेरिकी सेना की वापसी के बाद, भारत ने अफगानिस्तान में अपनी सभी वाणिज्य दूतावासों को बंद कर दिया। इस घटना के बावजूद, भारत ने अफगानिस्तान में मानवीय सहायता जारी रखी है। हालांकि भारत तालिबान शासन को आधिकारिक रूप से मान्यता नहीं देता है, फिर भी अफगान जनता के लिए भारत ने गेहूं, दवाइयां और चिकित्सा आपूर्ति भेजी है। फिलहाल, भारत का एकमात्र सक्रिय दूतावास काबुल में स्थित है। सूत्रों के अनुसार, इस हमले के बाद भारतीय दूतावास और अफगान सरकार के अधिकारी मामले की जांच कर रहे हैं।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**

कांग्रेस की *अंबेडकर यात्रा* महज नाटक : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष

गुवाहाटी (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भवेश कलिता ने कांग्रेस की *अंबेडकर यात्रा* को महज दिखावा और नाटक करार दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि दशकों तक कांग्रेस ने संविधान निर्माता डॉ. बीआर अंबेडकर का अपमान किया। भवेश कलिता मंगलवार को गुवाहाटी स्थित अटल बिहारी वाजपेयी भवन में आयोजित एक पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने 1952 के आम चुनाव और 1954 के उपचुनाव में अंबेडकर को हराने की साजिश रची थी। इस अपमान के कारण उन्हें केंद्रीय कानून मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया था, लेकिन कांग्रेस ने न केवल उनके इस्तीफे को सार्वजनिक किया, बल्कि उन्हें संसद में अपना पक्ष रखने का अवसर भी नहीं दिया। कलिता ने कहा कि डॉ. अंबेडकर को भारत रत्न सम्मान भी

1989 में भाजपा समर्थित राष्ट्रीय मोर्चा सरकार के दौरान दिया गया। इससे पहले कांग्रेस ने उन्हें सम्मान देने की कोई पहल नहीं की। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने एयरपोर्ट, सड़कों और संस्थानों के नाम गांधी और नेहरू के नाम पर रखे, लेकिन अंबेडकर की उपेक्षा की। प्रदेश अध्यक्ष ने कांग्रेस नेताओं के हालिया बयानों को *घड़ियाली आंसू* करार दिया और कलिता ने कहा कि इस प्रकार की राजनीति से जनता गुमराह नहीं होगी। उन्होंने कांग्रेस नेताओं से अपील की कि वे अंबेडकर के नाम पर झूठे आरोप लगाने और उनकी विरासत को राजनीति के लिए इस्तेमाल करने से बचें। भवेश कलिता ने कहा कि भाजपा और देश की जनता संविधान निर्माता डॉ. अंबेडकर का हमेशा सम्मान करती रही है और कांग्रेस के इस प्रकार के नाटक से सच्चाई नहीं बदलेगी।

ग्वालपाड़ा में हेरोइन के साथ तस्कर गिरफ्तार

ग्वालपाड़ा (हिंस)। ग्वालपाड़ा जिले की लक्षीपुर पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई में हेरोइन और नकदी के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम, जो ओसी लक्षीपुर की अगुवाई में थी, ने आरोपी के पास से 70 वायल हेरोइन और 53,900 रुपए नकद बरामद किए। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। अधिकारियों ने बताया कि यह अभियान नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चल रही मुहिम का हिस्सा है। ग्वालपाड़ा पुलिस ने अवैध गतिविधियों पर सख्त निगरानी बनाए रखने की प्रतिबद्धता जताई है।

याबा टैबलेट समेत पति-पत्नी गिरफ्तार

दक्षिण सलमारा (हिंस)। दक्षिण सलमारा मनकाचर जिले के दक्षिण सलमारा पुलिस थाना क्षेत्र इलाके में पुलिस की एक टीम ने अभियान चलाकर भारी मात्रा में याबा टैबलेट समेत दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि मंगलवार को गुप्त सूचना के आधार पर जोर्डंगा गांव क्षेत्र में याबा गोलियों की अवैध तस्करी मामले में तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। एडिशनल एसपी हैडक्वाटर के नेतृत्व में एक टीम द्वारा जोर्डंगा भाग- दो, पीएस-मनकाचर में मादक द्रव्य विरोधी अभियान चलाया गया। एसपी (मुख्यालय) एसएसएम, ओसी मनकाचर और कर्मचारियों ने लकी सरकार (25) उसकी पत्नी- नूर साहा को 42 नग याबा टैबलेट, जिनका वजन लगभग 7 ग्राम, 3 नग प्लास्टिक की शीशियों में, नशीली दवाओं के सेवन के लिए उपयोग की जाने वाली 22 नग

एल्युमीनियम फॉयल नकद 900 रुपए जब्त किया गया। जब्ती प्रक्रिया एवं जब्ती सूची की तैयारी स्वतंत्र गवाहों की उपस्थिति में वीडियोग्राफी के तहत की गई। आरोपी को ड्रग्स बेचने की डील करते समय पकड़ा गया, आगे की जांच जारी है। कानूनी औपचारिकताएं चल रही हैं।

वरिष्ठ साहित्यिक नलिनीबाला देवी को मुख्यमंत्री ने दी श्रद्धांजलि

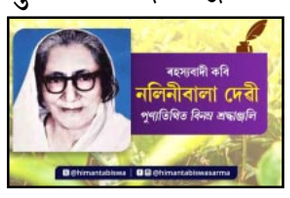

गुवाहाटी (हिंस)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को मशहूर कवयित्री और असम के साहित्यिक जगत की महान शख्सियत नलिनीबाला देवी की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के माध्यम से कहा कि नलिनीबाला देवी ने अपनी कविताओं के जरिए असमिया साहित्य में परिवर्तन की लहर पैदा की थी। उन्होंने असमिया साहित्य के उत्थान और सांस्कृतिक समृद्धि में अमूल्य योगदान दिया। मुख्यमंत्री ने नलिनीबाला देवी के योगदान को याद करते हुए कहा कि उनका साहित्यिक कार्य प्रेरणा का स्रोत बना रहेगा।

प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेता की मौत पर मानवाधिकार आयोग ने लिया स्वत : संज्ञान

गुवाहाटी (हिंस)। असम मानवाधिकार आयोग (एएचारसी) ने कांग्रेस कार्यकर्ता अधिवक्ता मृदुल इस्लाम की मौत के मामले में स्वत: संज्ञान लिया है। उल्लेखनीय है कि यह घटना 19 दिसंबर को गुवाहाटी में *राज भवन चलो* विरोध-प्रदर्शन के दौरान हुई थी। यह प्रदर्शन असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) द्वारा आयोजित किया गया था। इसमें हजारों कार्यकर्ताओं ने भाग लिया और स्मार्ट मीटर लागू करने, अडाणी समूह से जुड़े कथित भ्रष्टाचार, मणिपुर संकट, और *एक राष्ट्र एक चुनाव* विधेयक के खिलाफ आवाज उठाई थी। इस विरोध-प्रदर्शन में एपीसीसी अध्यक्ष भूपेन बोरा, विपक्ष के नेता देबब्रत सैकिया, कार्यकारी अध्यक्ष जाकिर हुसैन सिकदर और वरिष्ठ नेता रिपुन बोरा जैसे कई प्रमुख नेता शामिल हुए थे। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस का इस्तेमाल किया था, जिससे नेताओं सहित कई लोग प्रभावित हुए थे। इसके अलावा, तीन पत्रकार भी आंसू गैस के चपेट में आ गए थे। सभी को गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल (जीएमसीएच) में इलाज के लिए भेजा गया था। आयोग ने कामरूप (मेट्रो) के जिला मजिस्ट्रेट और गुवाहाटी सिटी पुलिस आयुक्त को घटना पर विस्तृत रिपोर्ट और संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। इस मामले की समीक्षा के लिए 28 फरवरी, 2025 को सुनवाई की तारीख तय की गई है।

भारी मात्रा में हेरोइन समेत एक गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के वशिष्ठ थाना क्षेत्र इलाके में स्पेशल टास्क फोर्स असम (एसटीएफ) की टीम ने अभियान चलाकर भारी मात्रा में हेरोइन समेत एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। एसटीएफ ने बताया कि मंगलवार को गुप्त सूचना के आधार पर वशिष्ठ थाना क्षेत्र के अंतर्गत पाटरकुची तीनाली इलाके में स्थित एलपी स्कूल के पास उदय दोलोय नामक तस्कर के किराए के मकान नंबर 35 पर छापा मारा गया। अभियान के दौरान एसटीएफ ने भारी मात्रा में हेरोइन समेत उदय दोलोय उर्फ बाबा (38) को गिरफ्तार किया। जो इलाके में किराए के मकान में रहकर अवैध ड्रग्स का कारोबार चल रहा था। गिरफ्तार आरोपी मूल रूप से सोनपुर थाना क्षेत्र के डिगारू का रहने वाला है। गिरफ्तार आरोपी के पास से एसटीएफ एक साबुन बॉक्स जिसमें संदिग्ध हेरोइन और 51 शीशियां हैं जिनमें संदिग्ध हेरोइन भर कर रखा गया था। बरामद हेरोइन की कुल वजन लगभग 82 ग्राम आंकी गई है। हेरोइन के अलावा 362 नग खाली शीशियां, एक खाली साबुनदानी, नकद 2000 रुपए, एक मोबाइल फोन, एक रॉयल एनफील्ड हंटर (एएस-01एफआर-1732) जब्त किया गया है।

गांजा समेत एक तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी की वशिष्ठ पुलिस की टीम ने गांजा की तस्करी मामले में शामिल एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि वशिष्ठ पीएस की एक ईजीपीडी टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई के दौरान कोइनाधोरा के अनंत दास (59) को गांजा की तस्करी और बिक्री की कोशिश करते हुए रंगे हाथ पकड़े जाने के बाद गिरफ्तार कर लिया।

हेरोइन के साथ दो व्यक्ति पकड़े गए

बिश्वनाथ (हिंस)। बिश्वनाथ पुलिस ने एक अभियान चलाकर 11.58 ग्राम संदिग्ध हेरोइन बरामद की, जिसकी कीमत लगभग 5 लाख रुपए है। इस सिलसिले में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है, जिन पर मादक पदार्थों की तस्करी का आरोप है। यह अभियान पुलिस की उस मुहिम का हिस्सा है, जिसमें वह मादक पदार्थों की तस्करी को रोकने के लिए काम कर रही है।

1100 बोरी यूरिया खाद समेत 3 गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी की वशिष्ठ थाना क्षेत्र के जोराबाट पुलिस ने यूरिया खाद के अवैध कारोबार में शामिल तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि बरपेटा के खंरा गांव से अवैध तरीके से 500 बोरी सरकारी की ओर से किसानों के लिए सरकारी मूल्य में दी गई यूरिया खाद को ट्रक (एएस-01ईसी-7487) से मेघालय भेजा जा रहा था। इसी दौरान पुलिस ने बरपेटा जिले के ट्रक चालक साहिल अहमद और खलासी राहुल सिकदर को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार दोनों आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने अभियान चलाकर हन्नान अली नामक व्यापारी को गिरफ्तार किया। जिसकी गोदाम से 600 बोरी सरकारी लाभ प्राप्त यूरिया खाद बरामद किया गया। गिरफ्तार तीनों आरोपी काफी लंबे समय से किसानों के लिए सरकारी मूल्य पर मुहैया कराई गई सरकार की ओर से यूरिया खाद का अवैध कारोबार चला रहे थे। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार तीनों आरोपिंत से सघन पूछताछ कर रही है।

नलबाड़ी में भीषण सड़क दुर्घटना में एक की मौत, सात घायल

नलबाड़ी (हिंस)। नलबाड़ी जिले के बरक्षेत्री क्षेत्र के शियालमारी थाना अंतर्गत कुरिहामारी चर में सोमवार रात एक भीषण सड़क दुर्घटना में एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई और सात अन्य लोग घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, दुर्घटना में शामिल ट्रैक्टर (एएस 14 एसी 2891) समेत तीन ट्रैक्टरों पर सवार होकर शियालमारी गांव के कई परिवारों के लगभग 80 लोग कुरिहामारी की ओर जा रहे थे, तभी एक ट्रैक्टर का ट्रेलर पलट गया और 20 वर्षीय नूरजहां नामक महिला की मौके पर ही मौत हो गई। इसके अलावा, 13 महीने की एक बच्ची सहित दो परिवारों के सात लोग घायल हो गए। घायल लोगों में रूपभानु बीबी (57), हुसैन अली (13 महीने), जमेला खातून (21), शमेला खातून (55), शुकुरजान (16), असमत अली (35) और मनोवारा खातून (30) शामिल हैं। दुर्घटना के बाद ट्रैक्टर चालक बाकर अली मौके से फरार हो गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि ट्रैक्टर चालक बाकर अली की गलती के कारण यह दुर्घटना हुई। उन्होंने मुख्यमंत्री से मांग की है कि दुर्घटना की जांच कराई जाए और दोषियों को सजा दिलाई जाए, साथ ही पीड़ित परिवार को मुआवजा दिया जाए।

गुवाहाटी एयरपोर्ट पर तीन करोड़ का ड्रग्स जब्त

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग ने एक बड़ी कार्रवाई की है। एक यात्री के पास से 3 करोड़ रुपए की कीमत के ड्रग्स जब्त किए गए हैं। बताया जा रहा है कि यह ड्रग्स बैंकॉक से तस्करी कर लाया गया था। खबर लिखे जाने तक पकड़े गए तस्कर से पूछताछ जारी है। इस साल जब्त किए गए ड्रग्स में यह सबसे बड़ी बरामदगी मानी जा रही है।

पूसीरे क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की समीक्षा बैठक संपन्न

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) के महाप्रबंधक चेतन कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में पूसीरे की क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति,मालीगांवकी समीक्षा बैठक आज संपन्न हुई। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने बताया है कि महाप्रबंधक ने सभी प्रधान विभागाध्यक्षों एवं मंडलों तथा कारखानों से जुड़े अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि राजभाषा की बैठकों में सार्थक चर्चा करना तथा महत्वपूर्ण मदों पर अनुपालन सुनिश्चित करना एवं राजभाषा में कार्य करना हम सभी का दायित्व है। उन्होंने मंडलों एवं कारखानों की ओर से प्रस्तुत किए गए आंकड़ों की समीक्षा करने और मुख्यालय द्वारा इस पर नजर बनाए रखने की बात कहीं। उन्होंने आगे कहा कि इस रेलवे के अधिकांश अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त है। अत: नियमानुसार इन्हें

55 प्रतिशत तक कार्य हिंदी में करना आवश्यक है। जिन्हें हिंदी में प्रवीणता प्राप्त है, उनके लिए शतप्रतिशत कार्य हिंदी में करने का लक्ष्य है। मुख्य राजभाषा अधिकारी संदीप कुमार ने अपने स्वागत संबोधन में कहा कि भारत सरकार राजभाषा नीति के अनुपालन के लिए काफी गंभीर है और इस हेतु किसी प्रकार की कोई छूट की गुंजाइश नहीं है। अत: सभी कार्यालय अपने दायित्वों का निर्वहन कर अपने कार्यों में अधिक से अधिक हिंदी का प्रयोग करें। उपमहाप्रबंधक (राजभाषा) विक्रम सिंह ने पिछली बैठक में लिए गए निर्णयों पर अनुवर्ती कार्रवाई रिपोर्ट तथा कार्यसूची के अनुसार विस्तारपूर्वक मदवार रिपोर्ट प्रस्तुत कीं। जिस पर महाप्रबंधक ने मंडलों एवं कारखानों से मदवार जानकारी प्राप्त कीं। इसके पश्चात उन्होंने उपस्थित विभागाध्यक्षों से राजभाषा की प्रगति की दिशा में कुछ सकारात्मक उपाय सुझाने का अनुरोध किया। बैठक का संचालन उप महाप्रबंधक (राजभाषा) विक्रम सिंह ने किया।

राज्यपाल ने दी लोगों को क्रिसमस की बधाई

गुवाहाटी (हिंस)। असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने क्रिसमस के अवसर पर विशेष रूप से ईसाइयों और आम लोगों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। आज अपने संदेश में राज्यपाल ने लोगों को क्रिसमस की बधाई देते हुए कहा कि चूंकि यह दिन ईसा मसीह के जन्मदिन के उपलक्ष्य में मनाया जाता है, इसलिए सभी को इस अवसर को प्रभु यीशु के गुणों से सीखने के अवसर के रूप में लेना चाहिए। उन्होंने सभी से प्रभु यीशु की शिक्षाओं का पालन करने का भी आग्रह किया। प्रेम और मानवता से भरे दयालु समाज के निर्माण के उनके प्रयासों को याद किया। राज्यपाल आचार्य ने लोगों से इस अवसर का उपयोग मानव जाति के बीच प्रेम, शांति, मित्रता और सार्वभौमिक भाईचारे का संदेश फैलाने के लिए करने का भी अनुरोध किया। उन्होंने यह भी कहा कि यह अवसर ईसा मसीह की शिक्षाओं से मेल खाता है, जो सभी को ईसा मसीह के महान जीवन और बलिदान की याद दिलाता है।

महर्षि विद्या मंदिर पब्लिक स्कूल का वार्षिक समारोह आयोजित

रंगिया (विभास)। रंगिया के वार्ड नंबर 6 स्थित महर्षि विद्या मंदिर पब्लिक स्कूल का वार्षिक समारोह ऐतिहासिक हरदत्त वीरदत्त भवन प्रांगण में एकदिवसीय कार्यक्रम के साथ आयोजित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के अध्यक्ष मनोज बरदेव द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इसके पश्चात आयोजित खुली सभा में प्रख्यात शिक्षाविद तथा नलबाड़ी विद्यांचल विद्यालय के अध्यक्ष जितेंद्र कुमार जैन, पांडु महाविद्यालय के पूर्व अध्यक्ष विभास पुरकायस्थ और गुवाहाटी महर्षि विद्या मंदिर पब्लिक स्कूल के अध्यक्ष पूर्णमा फुकन महंत ने भाग लिया। इसके अलावा बैठक में विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रख्यात चिकित्सक भरत वैश्य भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में नृत्य व गीतो की प्रस्तुती देकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

रंगिया : तुलसीबाड़ी में नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित

रंगिया (विभास)। रंगिया के तुलसीबाड़ी बहुमुखी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय प्रांगण में मंगलवार को एक नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। कामरूप जिला पत्रकार संघ के सौजन्य से तथा रेड क्रॉस सोसाइटी और रंगिया प्रेस क्लब और तुलसीबाड़ी बहुमुखी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के सहयोग से आयोजित इस शिविर के प्रारंभ में कामरूप जिला पत्रकार संघ के अध्यक्ष तथा रेड क्रॉस सोसाइटी के सचिव प्रकाश डेका, रेड क्रॉस सोसाइटी रंगिया जिला समिति के अध्यक्ष और सचिव क्रमश: डॉ सफीकुल हक और डॉ. खबीरुद्दीन अहमद ने छात्र-छात्राओं के बीच जागरूकता मूलक भाषण दिया। इसके पश्चात अध्यक्षा गीतारानी डेका के स्वागत भाषण के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। शिविर में

विद्यालय के छात्र-छात्राओं के अलावा अंचल के सैकड़ों लोगों ने अपने स्वास्थ्य की जांच करवाई। इस मौके पर डॉ हेनान आश्रफि, डॉ. खबीरुद्दीन अहमद और डॉ सफीकुल हक ने स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की। वेंटी क्यूर, एस डी इलेक्ट्रॉनिक, उत्तरण, हट डीजीआर, कैरियर पॉवर के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में लोगों ने मधुमेह, रक्तचाप, दंत परीक्षण सहित विभिन्न रोगों की जांच करवाई। शिविर में रेडक्रॉस सोसाइटी रंगिया जिला समिति की सलाहकार तथा अध्यापिका रानू चौधुरी, सचिव नजरुल इस्लाम, सदस्य शामसुल हक, राहुल नाथ, शमीम इरफान सहित स्वेच्छा सेवी संस्था प्रयास के अध्यक्ष हरिकृष्ण कलिता उपस्थित रहे।

चोरी के आरोप में गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के पान बाजार पुलिस ने चोरी के मामले में शामिल एक चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि पान बाजार पुलिस स्टेशन की एक सीजीपीडी टीम ने मालीगांव के जयंत डेका को 3 नंबर और 2 नंबर रेल गेट के बीच एक बैग में चोरी के सामान के साथ पकड़े जाने के बाद गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी के पास से नगद 1.11 लाख रुपए, 12 ग्राम वजन के 2 सोने के सिक्के और एक मोबाइल फोन जब्त किया गया। पूछताछ के बाद आरोपी ने गेट नंबर 3 के पास उषामती में चोरी की गई सोने की वस्तुओं के इनपुट पुलिस को साझा किया। चोरी करने का अपराध को गिरफ्तार आरोपी ने कबूल कर लिया है। पुलिस टीम ने अभियान के दौरन आरोपी की निशानदेही पर 4 जोड़ी सोने की बालियां, एक सोने का कान का टॉप आदि बरामद किया है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार आरोपी से सघन पूछताछ कर रही है।

मंत्री अशोक सिंघल ने स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ की समीक्षा बैठक

रंगिया (विभास)। राज्य के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री अशोक सिंघल ने आज कामरूप जिले के एकीकृत जिला आयुक्त कार्यालय के बैठक कक्ष में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ एक समीक्षा बैठक की। बैठक में पलाशबाड़ी विधानसभा क्षेत्र के विधायक हेमांग ठाकुरिया, असम सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग के आयुक्त सचिव पी अशोक बाबू, कामरूप जिले के जिला आयुक्त देव कुमार मिश्र, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के संचालक डॉ. उमेश फांगचू उपस्थित थे। बैठक में मंत्री ने टीकाकरण, मलेरिया, जापानी एन्सेफलाइटिस, डेंगू, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम, व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल, प्रसवपूर्व देखभाल, डायलिसिस और ई-अस्पताल सहित जिले में लागू विभिन्न स्वास्थ्य सेवा योजनाओं की समीक्षा की। मंत्री ने स्वास्थ्य विभाग को मार्च तक कामरूप जिले के सेक्टर प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल केंद्रों को ई-अस्पतालों में बदलने का भी निर्देश दिया। इसके अलावा उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के सभी

अधिकारियों और कर्मचारियों से कामरूप जिले को एक आदर्श स्वास्थ्य जिला बनाने के लिए मिलकर काम करने का भी आग्रह किया। मंत्री ने कामरूप जिले के स्वास्थ्य विभाग को स्वास्थ्य के क्षेत्र में उपलब्धियों को जनता तक ले जाने और स्वास्थ्य सेवा सुविधाओं और योग प्रथाओं पर सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाने और जिले में रोगियों की संख्या को कैसे कम किया जाए, इस पर विचार करने का निर्देश दिया। समीक्षा बैठक के बाद मंत्री ने तोलाराम बाफना कामरूप जिला सिविल अस्पताल और शिंघीमारी मॉडल अस्पताल का दौरा किया। बैठक में कामरूप जिले के अतिरिक्त जिला आयुक्त मुनमी कलिता, कामरूप जिले के स्वास्थ्य सेवाओं के संयुक्त संचालक डॉ. महितोष बनर्जी और स्वास्थ्य विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

अटल जी का जीवन और विचारधारा पूरे देश के लिए प्रेरणास्रोत : राजनाथ सिंह

लखनऊ, (हि.स.)। भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में मंगलवार को आयोजित 'अटल युवा महाकुंभ' के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अटल जी के अद्वितीय व्यक्तित्व और उनके साथ जुड़ी स्मृतियों को साझा किया। उन्होंने अटल जी का स्मरण करते हुए कहा कि अटल जी का जीवन और विचारधारा आज भी देश के लिए प्रेरणास्रोत है। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेश के विकास में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रयासों की भी प्रशंसा की।राजनाथ सिंह ने कहा कि अटल जी का व्यक्तित्व इतना विराट था कि उनकी कार्यशैली और निर्णयों की पूरी दुनिया कायल थी। लखनऊ अटल जी के दिल में बसता था और यहां के लोग उन्हें उतनी ही गहराई से जानते और समझते थे। उन्होंने अटल जी के जीवन के अनेक प्रसंगों को याद कर उनकी हाजिरजवाबी और सहजता का जिक्र किया। उन्होंने पाकिस्तान दौरे के दौरान अटल जी के चर्चित जवाब को याद करते हुए कहा, "एक महिला पत्रकार ने जब उनसे कहा कि मैं आपसे शादी करना चाहती हूं, बशर्ते आप मुझे मुंह दिखाई में कश्मीर दें, तो अटल जी ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, 'मैं तैयार हूं, अगर आप दहेज में पूरा पाकिस्तान दें।' इस जवाब ने उनकी चतुराई और सहजता को पूरी दुनिया के सामने प्रस्तुत

किया। रक्षा मंत्री ने अटल जी के साथ अपने व्यक्तिगत अनुभवों को साझा करते हुए कहा, "मुझे उनके साथ एक अभिभावक का स्नेह और मंत्रिमंडल में सहकर्मी के रूप में काम करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। उनकी सरकार जब एक वोट से गिरी तब उनके ऐतिहासिक भाषण ने लोकतंत्र और देशप्रेम की नई परिभाषा गढ़ी। उन्होंने कहा था, "सरकारें आएंगी-जाएंगी, पार्टियां बनेंगी-बिगड़ेंगी, लेकिन यह देश और इसका लोकतंत्र अमर रहना चाहिए। यह उनकी दूरदर्शिता और सिद्धांतवाद का प्रमाण था।" कार्यक्रम में बच्चों द्वारा अटल जी के जीवन पर प्रस्तुत की गई झांकियों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रक्षा मंत्री ने सराहना की। उन्होंने इसे नई पीढ़ी के लिए प्रेरणादायक बताते हुए कहा, "अटल जी के विचार और योगदान आज भी युवाओं के लिए पथ प्रदर्शक हैं।" मुख्यमंत्री आदित्यनाथ के नेतृत्व की प्रशंसा करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा, "आज उत्तर प्रदेश विकास के हर पैमाने पर देश के अन्य राज्यों से आगे खड़ा है। सीएम योगी के कुशल नेतृत्व और अथक प्रयासों ने यूपी को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। यह प्रदेश अटल जी के सपनों का साकार रूप बनता जा रहा है।"

अवैध कब्जों के लिए दिल्ली पुलिस और एमसीडी जिम्मेदार

अजय त्यागी

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय समय-समय पर राजधानी की सड़कों, रिहायशी इलाकों सहित अन्य स्थानों पर अतिक्रमण और अवैध कब्जों को हटाने के लिए दिशा-निर्देश देता रहता है। खासतौर पर बाजारों को किसी बड़े हादसे से बचाने के लिए विभिन्न महकमों को आदेश दिए जाते रहे हैं, लेकिन उच्च न्यायालय के समक्ष आई कुछ तस्वीरों ने बाजारों में फल-फूल रहे अतिक्रमण और अवैध कब्जे की पोल खोलकर रख दी है। उच्च न्यायालय ने इसके लिए पुलिस और नगर निगम को जिम्मेदार ठहराया है। न्यायमूर्ति प्रतिभा एम सिंह और न्यायमूर्ति अमित शर्मा की पीठ ने अजमल खान रोड और करोलबाग मेट्रो स्टेशन के पास लगे बाजार की तस्वीरें देखकर अचंभा जताया। पीठ ने कहा कि यहां अतिक्रमण और अवैध कब्जे स्पष्ट नजर आ रहे हैं। इसके लिए सीधे तौर पर नई दिल्ली

नगर निगम के अधिशासी अभियंता और करोलबाग थानाध्यक्ष जिम्मेदार हैं। पीठ ने इन दोनों अधिकारियों को इन हालात पर जवाब देने के लिए निजी तौर पर पेश होने को कहा है। दोनों को सात जनवरी को पीठ के समक्ष पेश होना होगा। अजमल खान रोड पर तहबाजारी के तहत दुकान लगाने वाले पंकज चोपड़ा ने उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर कहा कि वह संबंधित स्थान पर वर्ष 2000 से दुकान चला रहे हैं। उन्होंने यह जगह आवंटित तहबाजारी के तहत ली है, लेकिन कानूनी तौर पर व्यापार करने की अनुमति के बावजूद उन्हें वहां से जबरन हटा दिया गया, जबकि बड़ी तादात में वहां अतिक्रमण और अवैध कब्जे पर दुकानें एवं फेरी वाले काम कर रहे हैं। याचिकाकर्ता ने अतिक्रमण अवैध कब्जे को गंभीर मुद्दा बताते हुए उच्च न्यायालय से हस्तक्षेप की मांग की थी।

15वें वित्त आयोग ने ग्रामीण विकास के लिए उप्र को 1599 करोड़ रुपये और आंध्र को 446 करोड़ रुपये दिए

नई दिल्ली, (हि.स.)। केंद्र सरकार ने मंगलवार को वित्त वर्ष 2024-25 के लिए उत्तर प्रदेश और आंध्र प्रदेश में ग्रामीण स्थानीय निकायों के लिए पंद्रहवें वित्त आयोग (15वें वित्त आयोग) अनुदान के तहत धनराशि जारी की है। 15वें वित्त आयोग ने ग्रामीण विकास के लिए उत्तर प्रदेश को 1598.80 करोड़ रुपये और आंध्र प्रदेश को 446.49 करोड़ रुपये का अनुदान दिया है। पंचायती राज मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि उत्तर प्रदेश को कुल 1,598.80 करोड़ रुपये की असंबद्ध अनुदान की दूसरी किस्त जारी की है। मंत्रालय के मुताबिक यह धनराशि राज्य की सभी पात्र 75 जिला पंचायतों, सभी पात्र 826 ब्लॉक पंचायतों और सभी पात्र 57691 ग्राम पंचायतों के लिए है। मंत्रालय ने कहा कि आंध्र प्रदेश को वित्त वर्ष 2024-25 की असंबद्ध अनुदान की दूसरी किस्त 420.9989 करोड़ रुपये के साथ-साथ असंबद्ध अनुदान की पहली किस्त की धनराशि 25.4898 करोड़ रुपये भी जारी की गई है। इसी तरह आंध्र प्रदेश को कुल 446.49 करोड़ रुपये की ये धनराशि राज्य की 13097 विधिवत निर्वाचित ग्राम पंचायतों, 650 विधिवत निर्वाचित

ब्लॉक पंचायतों और सभी 13 पात्र जिला पंचायतों के लिए आवंटित की गई है। उल्लेखनीय है कि पंचायती राज मंत्रालय और जल शक्ति मंत्रालय द्वारा अनुशंसित अनुदान सालाना दो किस्तों में जारी किए जाते हैं। इनका उद्देश्य संविधान की ग्यारहवीं अनुसूची में उल्लिखित 29 विषयों के तहत स्थान-विशिष्ट आवश्यकताओं को संबोधित करना है, जो जमीनी स्तर पर शासन और ग्रामीण विकास को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

बेलगावी में कांग्रेस कार्य समिति की बैठक में तय होगा नए साल का एजेंडा, आंबेडकर मुद्दे पर भी बनेगी रणनीति

नई दिल्ली, (हि.स.)। कांग्रेस पार्टी महात्मा गांधी की अध्यक्षता में आयोजित बेलगावी (कर्नाटक) अधिवेशन की 100वीं वर्षगांठ को कांग्रेस कार्य समिति की विशेष बैठक के साथ मनाने जा रही है। इसमें अगले एक साल के लिए पार्टी की कार्ययोजना तय की जाएगी। पार्टी ने हाल ही में गृह मंत्री अमित शाह द्वारा बाबा साहब आंबेडकर के "अपमान" को संबोधित करने की भी योजना बनाई है और कार्रवाई के लिए बेलगावी में रैली करेगी। यह जानकारी कांग्रेस संगठन प्रभारी महासचिव केसी वेणुगोपाल और मीडिया विभाग के प्रभारी महासचिव जयराम रमेश ने आज यहां पार्टी मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में दी। वेणुगोपाल ने बताया कि 26 दिसंबर को विस्तारित कांग्रेस कमेटी की एक विशेष बैठक उसी जगह होने जा रही है, जहां ठीक 100 साल पहले महात्मा गांधी अखिल भारतीय राष्ट्रीय कमेटी के अध्यक्ष बने थे। 26 दिसंबर 1924 को सेवा दल की स्थापना भी बेलगावी से ही हुई थी। सेवा दल के पहले अध्यक्ष पं. जवाहर लाल नेहरू बने थे। जब गांधी जी कांग्रेस अध्यक्ष बने तो अपने अंतिम भाषण में उन्होंने कहा कि अब नेहरू हमारे महासचिव होंगे। उन्होंने बताया कि बेलगावी

बैठक में करीब 200 कांग्रेस नेता शामिल होंगे। इस बैठक का नाम "नव सत्याग्रह बैठक" रखा गया है। क्योंकि 100 साल पहले महात्मा गांधी ने बेलगावी से सत्याग्रह का ऐलान किया था। अब वहीं से कांग्रेस पार्टी "नव सत्याग्रह" का संकल्प लेगी। बैठक में 26 दिसंबर को दो प्रस्ताव पारित किए जाएंगे, जिसमें अगले एक साल के लिए देश के सामने कांग्रेस पार्टी के कार्यक्रम होंगे। पार्टी 27 दिसंबर को बेलगावी में रैली करेगी, जिसका नाम "जय बापू जय भीम जय संविधान" होगा। उन्होंने कहा कि पिछले सात दिन से कांग्रेस पार्टी "आंबेडकर सम्मान संकल्प" सप्ताह मना रही है। बाबा साहब के अपमान के बारे में देश भर में 100 लोकसभा क्षेत्रों में प्रेस कान्फ्रेंस की गई हैं। आज सारे जिलों में बैठकें हो रही हैं। मार्च निकाले जा रहे हैं और दस्तावेज तैयार हो रहे हैं, जो राष्ट्रपति को दिए जाएंगे। इसमें बताया जाएगा कि 17 दिसंबर को संसद के उच्च सदन में गृहमंत्री अमित शाह ने किस तरह बाबा साहब आंबेडकर का "अपमान" किया था। हमारे अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने राज्यसभा में गृहमंत्री को बर्खास्त करने की मांग की थी और उनसे देशवासियों से माफी मांगने की भी मांग की थी। उदयपुर कांग्रेस चिंतन शिविर की चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि भारत जोड़ो यात्रा (कन्याकुमारी से कश्मीर तक) का निर्णय वहीं से निकला था। बेलगावी से भी कुछ इसी तरह का निर्णय निकलेगा। जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि भाजपा देशवासियों का ध्यान वास्तविक मुद्दों से भटकाना चाहती है। उन्होंने आरोप लगाया कि जिस तरह मोदी सरकार ने पुराना पार्लियामेंट खत्म कर नया पार्लियामेंट बनाया, उसी तरह अब पुराना संविधान खत्म कर नया संविधान बनाना चाहती है। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग जैसी तमाम संवैधानिक संस्थाएं इस सरकार के निशाने पर हैं लेकिन हम उनकी इस मंशा को पूरा नहीं होने देंगे। दिल्ली में बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं के मुद्दे पर पूछे गए एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि यह मोदी सरकार की विफलता है, क्योंकि देश में एक दशक से तो मोदी सरकार ही है। ऐसे में रोहिंग्या या बांग्लादेशी कैसे घुसपैठ कर रहे हैं?

मशहूर सिंगर शान की बिल्डिंग में लगी आग पर काबू पाया गया

मुंबई, (हि.स.)। मुंबई में पिछले कुछ दिनों में आग लगने की घटनाओं में बढ़ोतरी देखी गई है। इस बीच, मंगलवार सुबह बांद्रा पश्चिम के फॉर्च्यून एन्क्लेव में एक आवासीय इमारत की सातवीं मंजिल पर भीषण आग लग गई। इसी बिल्डिंग की ग्यारहवीं मंजिल पर बॉलीवुड के मशहूर प्लेबैक सिंगर शान का घर है। अभी तक इस बारे में कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है कि आग लगने के वक्त शान घर में थे या नहीं। इस आग के बाद बिल्डिंग में मौजूद 80 साल की महिला को सांस लेने में दिक्कत के चलते अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल इस महिला की हालत गंभीर है और अस्पताल ने जानकारी दी है कि वह आईसीयू में है। रात 1.45 बजे अग्निशमन विभाग को फॉर्च्यून एन्क्लेव स्थित एक आवासीय इमारत में आग लगने की सूचना मिली। इसके बाद अग्निशमन विभाग ने आग बुझाने और वहां रहने वाले लोगों को बचाने के लिए 10 गाड़ियां भेजीं। अग्निशमन विभाग के अधिकारियों के मुताबिक आग शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी है। पुलिस और फायर ब्रिगेड घटना की गहनता से जांच कर रही है।

स्वाति मालीवाल ने दिल्ली के स्वास्थ मॉडल पर निशाना साधा

नई दिल्ली, (हि.स.)। राज्यसभा सदस्य स्वाति मालीवाल ने मंगलवार को दिल्ली के जीटीबी अस्पताल और दिल्ली राज्य कैंसर संस्थान का निरीक्षण कर दिल्ली के स्वास्थ्य मॉडल को लेकर आम आदमी पार्टी (आआपा) पर निशाना साधा। उन्होंने अस्पतालों की स्थिति पर दिल्ली सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि अस्पताल की हालत इतनी खराब है कि लोग इलाज और दवा के बिना मर रहे हैं। स्वाति मालीवाल ने सोशल मीडिया एक्स पर एक वीडियो साझा करते हुए एक पोस्ट में कहा, ह्लदिल्ली के सरकारी अस्पतालों की हालत बहुत खराब है। लोग इलाज और दवा के बिना मर रहे हैं। फर्जी गारंटी कार्ड बांटकर जनता से झूठ बोला जा रहा है। मैं दिल्ली के दो और सरकारी अस्पतालों की हालत देखकर वापस आई हूं। आज मैं फर्जी स्वास्थ्य क्रांति का पदार्फाश करूंगी।"

मालीवाल बताया कि अस्पतालों में कैंसर मरीजों को इलाज के लिए सर्दी में सड़क पर घंटों इंतजार करना पड़ता है। इसके अलावा अस्पतालों में सफाई की हालत भी खस्ता है और एक बेड पर तीन से चार मरीजों को लेटना पड़ता है। स्वाति मालीवाल ने दिल्ली सरकार पर फर्जी स्वास्थ्य क्रांति और गारंटी कार्ड बांटने का आरोप भी लगाया।

गृह मंत्री ने की तीन नए आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन की समीक्षा

नई दिल्ली, (हि.स.)। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नई दिल्ली में राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड्स ब्यूरो (एनसीआरबी) के साथ तीन नए आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन पर समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में अखिल भारतीय स्तर पर सीसीटीएनएस 2.0, एनएएफआईएस, जेलों, अदालतों, अभियोजन और फॉरेंसिक के आईसीजेएस 2.0 के साथ एकीकृत करने के कार्यान्वयन की समीक्षा की गई। केन्द्रीय गृह सचिव, एनसीआरबी के निदेशक, गृह मंत्रालय और एनसीआरबी और एनआईसी के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। गृह मंत्री ने एनसीआरबी से आईसीजेएस 2.0 में नए आपराधिक कानूनों के पूर्ण कार्यान्वयन की सुविधा प्रदान करने को कहा। अमित शाह ने कहा कि प्रत्येक राज्य/केंद्र शासित प्रदेश में ई-साक्ष्य, न्याय श्रुति, ई-साइन और ई-समन जैसे एप्लीकेशन का उपयोग किया जाना चाहिए। तकनीक के इस्तेमाल पर जोर देते हुए केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि पूर्व-निर्धारित समयसीमा के अनुसार जांच अधिकारियों के साथ-साथ वरिष्ठ

अधिकारियों को अलर्ट भेजने से जांच प्रक्रिया में तेजी लाने में मदद मिलेगी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि गृह मंत्रालय और एनसीआरबी के अधिकारियों की एक टीम को राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में तकनीकी परियोजनाओं के कार्यान्वयन में वृद्धि करने और हरसंभव सहायता प्रदान करने के लिए वहां का दौरा करना चाहिए। अमित शाह ने अपराध और अपराधी ट्रैकिंग नेटवर्क और सिस्टम (सीसीटीएनएस) और अंतर-संचालनीय आपराधिक न्याय प्रणाली (आईसीजेएस) की प्रगति की नियमित आधार पर निगरानी करने और परियोजना को गति प्रदान करने के लिए राज्य/केंद्रशासित प्रदेशों के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ नियमित संवाद पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अज्ञात शवों और व्यक्तियों की पहचान के लिए बायोमेट्रिक का उपयोग किया जाना चाहिए। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि एनसीआरबी को जांच अधिकारियों और आपराधिक न्याय प्रणाली के अन्य हितधारकों के लाभ के लिए डेटा समृद्ध मंच बनाना चाहिए। उन्होंने नए आपराधिक कानूनों और राष्ट्रीय स्वचालित फिंगरप्रिंट पहचान प्रणाली (एनएएफआईएस) के तकनीकी कार्यान्वयन में एनसीआरबी के प्रयासों की सराहना की।

पुलिस विभाग ने 28 निरीक्षकों को पुलिस उपाधीक्षक पदों पर पदोन्नत किया

देहरादून (ईएमएस)। पुलिस विभाग ने 28 निरीक्षकों को पुलिस उपाधीक्षक के पदों पर पदोन्नत कर दिया है। इस पदोन्नति को लेकर लंबे समय से चल रही कसरत अब खत्म हो गई है। प्रमोशन की प्रक्रिया में पेंच फंसने के कारण ये निरीक्षकों को प्रमोशन नहीं मिल पा रहा था। इस घोषणा के जरिए निरीक्षक से पुलिस उपाधीक्षक बनकर पुलिस अधिकारियों ने राहत की सांस ली है। इन 28 नए पुलिस उपाधीक्षकों में से 16 निरीक्षक नागरिक पुलिस, 4 अभिसूचना और 8 सशस्त्र पुलिस व प्रतिसार निरीक्षक शामिल हैं। इन पदोन्नति पाने वाले निरीक्षकों में से कुछ मुख्यालय और विभिन्न जिलों में तैनात किए गए हैं। इसके साथ ही पुलिस उपाधीक्षक बनने वाले 28 निरीक्षकों के बाद एक और अहम बड़ा फैसला आने वाला है। यह है कि निरीक्षक पदों पर भी जल्द ही पदोन्नति हो सकती है। वर्ष 2002, 2007 और 2008 के दारोगाओं की लाइन में विभाग ने पूर्व में ही पदोन्नति की प्रक्रिया शुरू कर दी है। एक और मुद्दा जिस पर पुलिस विभाग की ध्यान बना हुआ है, वह है फर्जी वेबसाइटों के बारे में। राजपुर थाना पुलिस ने स्पेशल टास्क फोर्स की जांच के बाद एक मुकदमा दर्ज किया है जिसमें एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई होने की संभावना है। इस मामले में एक व्यक्ति ने फर्जी वेबसाइट चलाकर लोगों को धोखा दिया है। पुलिस ने जांच और कार्रवाई के लिए कदम उठाए हैं और मामले की विशेष जांच कर रही है।

राष्ट्रपति 26 को 17 बच्चों को प्रदान करेंगी पीएम राष्ट्रीय बाल पुरस्कार

नई दिल्ली, (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु 26 दिसंबर को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए चयनित बच्चों को पुरस्कृत करेंगी। इन पुरस्कारों की सात श्रेणियों में असाधारण उपलब्धियों के लिए 14 राज्यों से 17 बच्चों को चुना गया है। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के अनुसार 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस मनाया जाएगा। यह राष्ट्रीय कार्यक्रम नई दिल्ली में स्थित भारत मंडपम में आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए चयनित 14 राज्यों से 17 बच्चों को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु पुरस्कार देंगी। इन पुरस्कारों की सात श्रेणियों में असाधारण उपलब्धियों के लिए 14 राज्यों से सात लड़के और दस लड़कियों को चुना गया है। इसके तहत प्रत्येक पुरस्कार विजेता को एक पदक, प्रमाणपत्र और प्रशस्ति पत्र पुस्तिका मिलेगी। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी शामिल होंगे। इस मौके पर प्रधानमंत्री एक सुपोषित पंचायत योजना का शुभारंभ भी करेंगे और मार्चपास्ट को हरी झंडी दिखाएंगे। कार्यक्रम में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी उद्घाटन भाषण देंगी। इस कार्यक्रम में पीएमआरबीपी पुरस्कार विजेताओं और गणमान्य व्यक्तियों के साथ लगभग 3,500 बच्चे शामिल होंगे। उल्लेखनीय है कि केन्द्र सरकार हर वर्ष सात श्रेणियों- कला एवं संस्कृति, बहादुरी, नवाचार, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, सामाजिक सेवा, खेल और पर्यावरण में असाधारण प्रतिभा या उपलब्धि के लिए बच्चों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार (पीएमआरबीपी) प्रदान करती है।

हिमाचल प्रदेश में रुक-रुक कर बर्फबारी, तीन एनएच सहित 174 सड़कों पर यातायात बंद, 683 ट्रांसफार्मर ठप

शिमला, (हि.स.)। हिमाचल प्रदेश के पहाड़ी इलाकों में मंगलवार को लगातार दूसरे दिन बर्फबारी जारी है। शिमला के कुफरी, नारकण्डा, किन्नौर और लाहौल-स्पीति सहित अन्य अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में रुक-रुक कर बर्फबारी हो रही है। इस बर्फबारी ने कई जिलों में जनजीवन को प्रभावित कर दिया है। कई जिलों की सड़कें बर्फबारी से अवरुद्ध हो गई हैं। बर्फबारी से सैंकड़ों ट्रांसफार्मर ठप हो गए हैं। जिसके कारण कई उपमण्डलों में बिजली की आपूर्ति बंद हो गई है। प्रशासन राहत कार्यों में जुटा हुआ है, लेकिन बर्फबारी और ठंड की वजह से कार्यों में देरी हो रही है।

तीन नेशनल हाइवे सहित 174 सड़कों पर यातायात बंद - राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र की रिपोर्ट के मुताबिक मंगलवार सुबह तक प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में भारी बर्फबारी के चलते तीन प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्गों सहित 174 सड़कें पूरी तरह से बंद हो गई हैं। शिमला जिला में सबसे ज्यादा 89 सड़कों पर यातायात बाधित है। इनमें जिला के ऊपरी इलाकों की सड़कें शामिल हैं। किन्नौर में 44, मंडी में 25, कांगड़ा में छह, कुल्लू में चार लाहौल स्पीति में दो और चम्बा में एक सड़क बंद है। कुल्लू में दो और लाहौल-स्पीति में एक राष्ट्रीय उच्च मार्ग बर्फबारी से बंद है। ऊना जिला में हुई वर्षा से तीन सड़कों पर आवाजाही ठप है।

ऊपरी शिमला की सड़कें यातायात के लिए बाधित, यात्रा से बचने की सलाह - शिमला जिले के ऊपरी इलाकों में जारी बर्फबारी के कारण कई प्रमुख सड़कें सोमवार से वाहनों के लिए अवरुद्ध हो गई हैं। इन सड़कों पर बर्फ और फिसलन के कारण यात्रा करना खतरनाक हो सकता है। पुलिस प्रशासन ने इन मार्गों पर यात्रा से बचने की सलाह दी है। शिमला पुलिस के मुताबिक ठियोग-चौपाल सड़क खिड़की के पास, ठियोग-रोहड़ू सड़क खड़ापत्थर के पास, ठियोग-रामपुर सड़क नारकण्डा के पास और शिमला-कुफरी-ठियोग मार्ग, मशोबरा बाईफर्केशन से ठियोग तक अवरुद्ध है। शिमला पुलिस ने लोगों व पर्यटकों से आग्रह किया है कि वे इन मार्गों पर यात्रा न करें। यदि यात्रा अत्यंत आवश्यक हो तो वैकल्पिक मार्गों का उपयोग किया जाए। साथ ही किसी भी आपात स्थिति में पुलिस से तुरंत

संपर्क करने की अपील की गई है। आपातकालीन संपर्क नंबर 01772812344, 112 या निकटतम पुलिस स्टेशन पर उपलब्ध हैं। पुलिस प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है और यात्रियों की सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठा रहा है। इस बीच प्रशासन ने सड़कों को खोलने के लिए विशेष प्रयास शुरू किए हैं, लेकिन बर्फबारी के चलते रोड खुलने में समय लग सकता है। हालांकि ऊपरी शिमला में कई पर्यटक बर्फबारी का आनंद ले रहे हैं, लेकिन स्थानीय लोगों के लिए यह एक बड़ी मुसीबत बन चुकी है।

बिजली आपूर्ति पर असर, 683 ट्रांसफार्मर ठप - बर्फबारी और तूफान के चलते राज्य में बिजली की आपूर्ति भी प्रभावित हो गई है। 683 ट्रांसफार्मर ठप हो गए हैं, जिससे हजारों घरों में बिजली गुल हो गई है। सिरमौर जिला में तूफान चलने से सर्वाधिक 456 ट्रांसफार्मर ठप हुए हैं। लाहौल-स्पीति में 139, मंडी में 54, किन्नौर में 27 और चम्बा में सात ट्रांसफार्मरों के खराब होने से बिजली गुल है। बिजली बोर्ड द्वारा इन ट्रांसफार्मरों को ठीक करने के प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन बर्फबारी और ठंड के कारण राहत कार्यों में भी कठिनाई हो रही है। उम्मीद की जा रही है कि जैसे-जैसे मौसम ठीक होगा तो इन ट्रांसफार्मरों को जल्द से जल्द ठीक किया जाएगा।

पर्यटकों का बर्फ में मस्ती का माहौल - बर्फबारी के कारण राज्य के विभिन्न पर्यटक स्थलों पर पर्यटकों की भारी भीड़ जुटी है। शिमला, कुफरी, नारकंडा, मनाली और डल्हौजी जैसे स्थानों पर पर्यटक बर्फबारी में मस्ती कर रहे हैं। बर्फ से ढकी सड़कें और पहाड़ों का मनोरम दृश्य पर्यटकों को खूब भा रहा है शिमला और मनाली जैसे प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों में लंबे समय बाद दिसम्बर में हुई बर्फबारी से पर्यटन उद्योग को बर्फबारी से काफी लाभ हो रहा है। यहां बर्फबारी को देखने के लिए बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंच रहे हैं।

सात शहरों का माइनस में पारा - मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के अनुसार मंगलवार को राज्य के सात शहरों का न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे दर्ज किया गया। लाहौल स्पीति के कुकुमसेरी व समधो में पारा क्रमशः -6.9 डिग्री व -4.7 डिग्री, शिमला के नारकण्डा व कुफरी में क्रमशः -2.9 डिग्री व -1.5 डिग्री, किन्नौर के कल्पा में -2.8 डिग्री, रिकांगपिओ में -0.6 डिग्री और चम्बा के भरमौर में -0.7 डिग्री सेल्सियस रहा। इसके अलावा मनाली में न्यूनतम तापमान 0.5, मंडी में 0.9 डिग्री,सराहन में 0.2 डिग्री औऱ शिमला में 1.8 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विभाग के अनुसार खदराला में 24 सेंटीमीटर बर्फ गिरी है। इसके अतिरिक्त सांगला में 16.5, शिलारू में 15.3, चौपाल व जुब्बल में 15-15, कल्पा में 13, निचार में 10 और शिमला में 7 सेंटीमीटर बर्फबारी दर्ज हुई है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के निदेशक कुलदीप श्रीवास्तव ने बताया कि राज्य के उच्च पर्वतीय व मध्यवर्ती इलाकों में आज भी वर्षा-बर्फबारी का अनुमान है, जबकि मैदानी भागों में मौसम साफ रहेगा। 25 व 26 दिसम्बर को पूरे प्रदेश में मौसम के साफ रहने के आसार हैं। 27 से 30 दिसम्बर तक पश्चिम विक्षोभ के सक्रिय होने से दोबारा वर्षा व बर्फबारी होने की उम्मीद है। 28 दिसम्बर को कुछ हिस्सों में बिजली चमकने का येलो अलर्ट रहेगा। उन्होंने कहा कि 24 से 26 दिसम्बर तक मैदानी इलाकों में घने कोहरे व शीतलहर का अलर्ट रहेगा।

हिंदूवादी संगठन के लोगों ने कोतवाली का किया घेराव मंदिर में पढ़ा हनुमान चालीसा

जौनपुर (हिंस)। नगर कोतवाली थाना क्षेत्र के शाहीपुल के नीचे काली माता मंदिर का दावा कर रहे हिंदूवादी संगठनों ने दीवार को तुड़वाकर मंदिर खुलवाने की मांग की है। हिंदूवादी संगठनों ने दावा किया है कि पूर्व की सरकार में मंदिर को बंद कर दिया गया है क्योंकि नदी में पानी भर गया था। उसे पुन: खुलवाया जाए। इस मामले को लेकर मंगलवार को विश्व हिंदू परिषद व अन्य हिंदूवादी संगठन ने एक बैठक की। इस दौरान मौके पर पहुंची पुलिस और जिला प्रशासन द्वारा महाराज अम्बुजानंद को थाने बुलाए जाने पर सैकड़ों की संख्या में समर्थक थाने पहुंचे तथा थाने के अंदर बने हनुमान मंदिर पर चालीसा का पाठ किया। सैकड़ों लोगो ने हस्ताक्षर अभियान चलाकर मंदिर खोलने के लिए प्रशासन से मांग की है। वहीं इस मामले में अम्बुजानंद महाराज का कहना है कि हम प्रशासन से मांग करते हैं कि मंदिर खुलवा दें। यदि अंदर काली माता का मंदिर नहीं मिलता है तो हम लोग पुन: उसे अपने पैसे से बंद करवा देंगे। आज से हम लोग इसके लिए हस्ताक्षर अभियान चला रहे हैं। इस मामले में सिटी मजिस्ट्रेट इंद्र नंदन सिंह ने बताया कि इसकी जांच कराई जाएगी। पुरातत्व विभाग की जांच पड़ताल करने के उपरांत जो तथ्य सामने आएंगे, उस पर कार्रवाई की जाएगी।

आंबेडकर ने कहा था कि कांग्रेस को दलितों की नहीं, मुसलमानों की चिंता है : योगी

लखनऊ (हिंस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और पंडित नेहरू ने आंबेडकर को चुनाव हरवाया। कांग्रेस कभी नहीं चाहती थी कि बाबा साहेब आंबेडकर संसद जाएं या किसी मुख्य भूमिका में आएं। आज वे (विपक्ष) गृहमंत्री अमित शाह के भाषण के छोटे से हिस्से को वायरल कर जनता को गुमराह करने में जुटे हैं। आंबडेकर के प्रति सपा और कांग्रेस के अनैतिक आचरण को जनता को जानना चाहिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को यहां अपने सरकारी आवास पर पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि कांग्रेस हमेशा से आंबेडकर विरोधी रही है। हम सब जानते हैं कि देश की आजादी और संविधान निर्माण में आंबेडकर का बड़ा योगदान रहा। वह भारत माता के महान सपूत थे। विपरीत परिस्थितियों में उच्च शिक्षा अर्जित की। वित्त एवं कानून में डिग्री हासिल कर अपने ज्ञान से भारत को आलोकित करने में अपनी पूरी ताकत लगाई। भारत का प्रत्येक नागरिक उनके प्रति श्रद्धा और सम्मान का भाव रखता है। आंबेडकर के सपनों का भारत बनाने में भाजपा ने कार्य किया है। अटल जी की सरकार रही हो या वर्तमान में मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार,

सदैव आंबेडकर का सम्मान किया। मध्यप्रदेश में आंबेडकर के जन्म स्थल को तत्कालीन भाजपा सरकार के मुख्यमंत्री ने स्मारक बनवाया था और अटल जी ने उद्घाटन किया था। दिल्ली में भूमि चंद्र शेखर ने आवंटित किया। लेकिन स्मारक बनाने का कार्य किया। केंद्र की भाजपा सरकार ने बाबा साहेब से जुड़े पंच तीर्थों का निर्माण किया। मोदी सरकार में पहली बार दलित वंचित परिवार योजना का लाभ प्राप्त कर रहे हैं। एक तरफ भाजपा उनके बताए रास्ते पर कार्य कर रही है। वहीं दूसरी तरफ कांग्रेस समाज को गुमराह कर रही है। कांग्रेस का इतिहास ही दलितों, शोषितों का अपमान करने का रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कभी नहीं चाहती थी कि आंबेडकर संसद जाएं। कांग्रेस ने बाबा साहेब को न केवल चुनाव हरवाया बल्कि उनके सहयोगी को तोड़कर उनके ही खिलाफ चुनाव लड़ा दिया। वह चुनाव हार गए। उनके उक्त सहयोगी को ही 1970 में पद्म पुरस्कार भी दिया। कांग्रेस का इतिहास इसी से समझ सकते हैं कि मंत्री पद से इस्तीफा देने के वक्त मंत्री को सदन में बोलने का अवसर दिया जाता है लेकिन कांग्रेस ने आंबेडकर को बोलने का अवसर नहीं दिया। अपने इस्तीफे में उन्होंने कहा कि कांग्रेस को दलितों-वंचितों की चिंता नहीं है। उसे मुसलमानों की चिंता है। देश में आपसी बंटवारे का कांग्रेस का कार्य किसी से छिपा नहीं है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि दलितों वंचितों के प्रति जो व्यवहार कांग्रेस का रहा है, वैसा ही समाजवादी पार्टी का भी रहा है। समाजवादी पार्टी ने आंबेडकर के नाम को हटाने का कार्य किया। यह चीजें दिखती हैं कि यह लोग कैसे समाज को बांटकर अपनी राजनीतिक रोटियां सेक रहे हैं। इन लोगों ने अपने कार्यकाल के दौरान आंबेडकर, दलितों, वंचितों के प्रति जो द्वेष की भावना थी, वह लगातार कर रही है। हम लोग लखनऊ में बाबा साहेब आंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र स्थापित कर रहे हैं। पहली बार जनजाति समाज की महिला देश की राष्ट्रपति बनती हैं। दलित समाज से राष्ट्रपति बनते हैं। योगी ने कहा कि गृहमंत्री अमित शाह के सांसद में दिए गए भाषण का कुछ हिस्सा निकाल कर समाज को गुमराह करने का कार्य किया जा रहा है। आजम खान का नाम लिए बगैर योगी ने कहा कि सपा सरकार में सुपर सीएम के रूप में कार्य करने वाले मंत्री का आंबेडकर पर बयान सबने सुना है। कौन नहीं जानता है। राहुल गांधी द्वारा सांसदों को धक्का देना संवैधानिक आचरण है क्या? देश की जनता से राहुल गांधी को माफी मांगनी चाहिए। जनता इन्हें बार-बार आइना दिखा चुकी है। कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के कृत्य को जनता को समझने की जरूरत है। इस मौके पर उनके साथ प्रदेश के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह और समाज कल्याण राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार असीम अरुण मौजूद रहे।

गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ बसपा ने भी खोला मोर्चा

वाराणसी (हिंस)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के एक बयान के खिलाफ कांग्रेस, सपा के बाद अब बसपा ने भी मोर्चा खोल लिया है। पार्टी नेतृत्व के निर्देश पर मंगलवार को देश व्यापी विरोध-प्रदर्शन के क्रम में बसपा के कार्यकर्ताओं ने यहां कचहरी शास्त्रीघाट पर जमकर प्रदर्शन किया। काफी समय बाद सड़क पर उतरे कार्यकताओं के निशाने पर गृहमंत्री अमित शाह रहे। पार्टी का झंडा-बैनर लहराते हुए कार्यकर्ताओं ने संविधान का अपमान, नहीं सहेंगे-नहीं सहेंगे का नारा लगाया। कार्यकर्ताओं ने कहा कि देश के संविधान निर्माता बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर के खिलाफ देश के गृहमंत्री अमित शाह द्वारा संसद में की गई टिप्पणी की जितनी निंदा की जाए कम है। जब तक गृहमंत्री अमित शाह माफी नहीं मांगेंगे, प्रदर्शन जारी रहेगा। विरोध-प्रदर्शन की अगुवाई पार्टी के मंडल प्रभारी अमरजीत सिंह गौतम ने की। उधर, बसपा प्रमुख मायावती के भतीजे आकाश आनंद ने भी अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा कि गृहमंत्री ने संसद में बाबा साहेब का अपमान किया है। उन्हें पश्चाताप करना होगा।

कांग्रेस ने बाबा साहब का मजाक बनाया, ढोंग कर रही कांग्रेस : मुख्यमंत्री

जयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि दिल्ली और राजस्थान में विपक्ष अपनी भूमिका नहीं निभा पा रहा है। जिस मुद्दे को लेकर आज यह लोग चल रहे है। इसे तो आजादी के बाद लेना चाहिए था। मुख्यमंत्री भजनलाल जयपुर में भारतीय जनता पार्टी ऑफिस में प्रेस वार्ता में बोल रहे थे। इस दौरान प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ और उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा भी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि 2014 के बाद पीएम मोदी ने गरीब कल्याण की परिभाषा को बदलने काम किया है। हमारी सरकार बाबा साहब के विजन पर ही काम कर रही है। शर्मा ने कहा कि कांग्रेस आज ढोंग कर रही है। जबकि कांग्रेस ने बाबा साहब का मजाक बनाया, उनसे इस्तीफा लिया। मैं चाहता हूं कांग्रेस के नेता उस इस्तीफे को पेश करें। सभी को पता चले कि उसमें क्या लिखा गया था। इसके साथ ही जब बाबा साहब ने चुनाव लड़ा। तब भी कांग्रेस ने उनका विरोध किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि नेहरू से लेकर संजय गांधी तक सभी के कितने स्मारक हैं, जिसने देश को संविधान दिया। कांग्रेस ने

उन्हें क्या दिया। बाबा साहब को कांग्रेस ने इस्तीफे के लिए न सिर्फ मजबूर किया। बल्कि, सदन में उन्हें बोलने तक नहीं दिया था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी इतने वक्त शासन में थी। बाबा साहब को भारत रत्न नहीं दिया। अटल सरकार ने उन्हें भारत रत्न दिया। इसके बाद मोदी सरकार बाबा साहब की स्मृतियों को सहेज रही है। यहां तक बाबा साहब के एक भी स्मारक का निर्माण कांग्रेस ने नहीं किया। जबकि गांधी परिवार के नेताओं के नाम से स्मारक से लेकर सड़कों तक के नाम रखे गए हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि कांग्रेस ने जाति - धर्म और भ्रष्टाचार की राजनीति की है। संसद में राहुल गांधी ने सांसदों को धक्का देकर गिरा दिया। महिलाओं का अपमान किया। राहुल गांधी को शर्म आनी चाहिए। बाबा साहब देश के महानायक हैं। कांग्रेस को उन्हें बीच में नहीं लाना चाहिए था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेता हमारे गृह मंत्री अमित शाह के भाषण को तोड़मरोड़ कर पेश कर रहे हैं। कांग्रेस के पास कोई मुद्दा नहीं है। कभी देश के विकास की बात नहीं की। कांग्रेस बिना सत्ता के नहीं रह सकती है। कांग्रेस कैसे भी सत्ता हासिल करना चाहती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वैसे भी कांग्रेस ने जैसे सत्ता का दुरुपयोग किया है। देश की जनता ने कांग्रेस को उसका जवाब दिया है। वर्तमान में भी जनता देख रही है। इसका भी जवाब कांग्रेस को आने वाले वक्त में जनता देगी। हमारी पार्टी बाबा साहब के बताए रास्ते पर चल रही है। पिछले एक साल में हमारी सरकार ने उसी दिशा में काम किया है।

फर्जी मुठभेड़ मामले में तीन पुलिस अधिकारियों को उम्रकैद की सजा

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब में आतंकवाद के दौरान फर्जी मुठभेड़ के मामले में मंगलवार को सीबीआई कोर्ट ने तत्कालीन तीन पुलिस अधिकारियों को दोषी करार देते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई है। इस मामले की सुनवाई के दौरान दिसंबर 2021 में एक आरोपी पुलिसकर्मी अर्जुन सिंह की मृत्यु हो गई थी। अदालत के फैसले के बाद पीड़ितों के परिवार ने जहां स्वागत किया है, वहीं दोषी पुलिस अधिकारी इस फैसले को ऊपरी अदालत में चुनौती देने की तैयारी में जुट गए हैं। मामला वर्ष 1992 में तरनतारन से जुड़े दो युवकों के अपहरण, फर्जी मुठभेड़ और हत्या का है जिसमें मंगलवार को सीबीआई की विशेष अदालत ने तत्कालीन थाना सिटी तरन तारन के प्रभारी गुरबचन सिंह, एएसआई रेशम सिंह और पुलिस मुलाजिम हंस राज सिंह को धारा 302 और 120बी के तहत दोषी करार देते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई है। एडवोकेट सरबजीत सिंह वेरका ने बताया कि दोषियों पर साढ़े सात लाख रुपए जुर्माना लगाया गया है। अगर जुर्माना नहीं भरा तो उन्हें तीन साल और जेल में बिताने पड़ेंगे। सीबीआई की ओर से दाखिल की गई चार्जशीट के मुताबिक 18

नवंबर 1992 को जगदीप सिंह उर्फ मक्खन को एसएचओ गुरबचन सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने उन्हें अगवा कर लिया था। अपहरण से पहले पुलिस ने घर पर फायरिंग की और गोली लगने से मक्खन की सास सविंदर कौर की मौत हो गई। इसी तरह गुरनाम सिंह उर्फ पाली को गुरबचन सिंह और अन्य पुलिस अधिकारियों ने 21 नवंबर 1992 को उनके घर से उनका अपहरण कर लिया। फिर 30 नवंबर 1992 को गुरबचन सिंह के नेतृत्व वाली पुलिस पार्टी ने फर्जी पुलिस मुठभेड़ में हत्या कर दी थी। इस संबंध में पंजाब पुलिस द्वारा एफआईआर दर्ज की गई थी।

कर्मचारियों के हकों व हितों के लिए चुप नहीं बैठेगी यूनियन

हिसार (हिंस)। हरियाणा कर्मचारी महासंघ सं संबंधित रोडवेज कर्मचारी यूनियन ने ऐलान किया है कि कर्मचारियों के हकों व हितों के लिए यूनियन चुप नहीं बैठेगी। संगठन ने कर्मचारियों की विभिन्न मांगों व समस्याओं को दोहराते हुए सरकार एवं विभाग के उच्चाधिकारियों से उन्हें अविलंब पूरा करने की मांग की है। इस संबंध में मंगलवार को रोडवेज कर्मचारी यूनियन की ओर से हिसार डिपो में गेट मीटिंग की गई। गेट मीटिंग में राज्य कमेटी की ओर से राज्य प्रधान निशान सिंह, महासचिव जयबीर घनघस, कार्यकारी प्रधान अनूप लाठर, चेयरमैन मुकेश दूहन और मुख्य संगठनकर्ता कृष्ण रविश शामिल रहे। हिसार डिपो प्रधान राजबीर दुहन ने गेट मीटिंग की अध्यक्षता की जबकि पूर्व राज्य सलाहकार सुरेन्द्र मलिक ने संचालन किया। राज्य कमेटी का हिसार पहुंचने पर डिपो पदाधिकारियों ने फूलमालाओं से स्वागत किया। राज्य प्रधान निशान सिंह ने कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि परिवहन विभाग की समस्याओं और कर्मचारियों की मांगों जैसे वेतन विसंगति दूर करना, 2016 में लगे चालकों को पक्का करवाना, अवकाश में की गई कटौती को दोबारा लागू करवाना, 2002 में लगे चालकों को नियुक्ति तिथि से पक्का करना, रिस्क भरी ड्यूटी करने वाले कर्मचारियों को पुलिस की तर्ज पर तेरहवीं तनख्वाह और रिस्क अलाउंस, टी ए/ओवरटाइम से संबंधित अड़चन दूर करवाना तथा तकनीकी स्केल से वंचित कर्मचारियों को तकनीकी वेतन, स्पेशल इंक्रीमेंट से वंचित कर्मचारियों को उनका लाभ दिलवाना व अन्य वित्तीय लाभ दिलवाने के लिए सरकार और विभाग के उच्चाधिकारियों के पास प्रस्ताव सहित मांग पत्र भेजा गया है। उन्होंने कहा कि वार्ता का निमंत्रण मिलने पर सभी समस्याओं को सरकार के समक्ष रखते हुए समाधान करवाया जाएगा।

गहलोत ने ईआरसीपी और अंबेडकर मुद्दे को लेकर केंद्र सरकार व भाजपा पर किया सियासी पलटवार

जयपुर (हिंस)। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना और अंबेडकर मुद्दे को लेकर केंद्र सरकार व भारतीय जनता पार्टी पर सियासी पलटवार किया है। गहलोत ने कहा कि इन लोगों का विश्वास न संविधान पर था, न अंबेडकर पर था। इनकी आजादी के आंदोलन में कोई भागीदारी नहीं थी। ये गुमराह करते हैं। गहलोत जयपुर एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अंबेडकर को कांग्रेस ने सम्मान दिया। उन्हें संविधान की ड्राफ्टिंग कमेटी का अध्यक्ष बनाया। इन्होंने बनाया क्या? लॉ मिनिस्टर इन्होंने बनाया क्या? अशोक गहलोत ने कहा कि ईआरसीपी के मामले पर अब भाजपा में ही सवाल उठ रहे हैं। पीएम आ गए, पीकेसी-ईआरसीपी नया नाम रख दिया। इसका समझौता गुप्त क्यों रख रहे हैं? क्या वास्तव में हमारे हितों की रक्षा हो रही है या नहीं। पानी की दिक्कत आजादी के बाद से ही रही है। प्रदेशवासियों की चिंता लगी है, समझौता गुप्त क्यों है? केवल पत्थर रखकर शिलान्यास करने से कुछ नहीं होता। मध्यप्रदेश के साथ क्या समझौता है, उसे जनता को बताना चाहिए।

गहलोत ने कहा कि राहुल गांधी सत्य-अहिंसा पर चलकर राजनीति करना चाहते हैं। उनके परिवार में इंदिरा गांधी शहीद हो गईं। उनके पिता राजीव गांधी शहीद हो गए, जिसने पिता के हत्यारे को माफ करने की पैरवी की। वो व्यक्ति धक्का दे सकता है क्या? संसद परिसर में तो सीसीटीवी कैमरे हैं। वीडियोग्राफी होगी। उस वीडियोग्राफी को छिपाकर क्यों रखा गया है? राहुल गांधी के बारे में देश और दुनिया जानती है। गहलोत ने कहा कि जयपुर के भांकरोटा की घटना बहुत दुखद है। पूरा प्रदेश हिल गया है। इस घटना में बेकसूर लोग मारे गए और घायल हुए। इस तरह जो जलते हैं, उनका केस बहुत संवेदनशील रहता है। बहुत ही हृदय विदारक हादसा है। सरकार को इस घटना से सबक लेकर कुछ फैसले करने चाहिए ताकि आगे इस तरह के हादसों को रोका जा सके। इस तरह के हादसे होते हैं, तभी हम नए फैसले करते हैं। गहलोत ने एक अन्य पोस्ट में सुप्रीम कोर्ट की ठेकाकर्मी, संविदाकर्मियों एवं गिग वर्कर्स को लेकर टिप्पणी को आज के समय में एकदम उचित बताया। उन्होंने लिखा कि हमारी सरकार के समय राजस्थान में हमने दोनों क्षेत्रों में सामाजिक सुरक्षा देने के उद्देश्य से काम किया। संविदाकर्मियों के नियमितिकरण के लिए सर्विस रूल्स, ठेका कर्मियों के शोषण को समाप्त करने के लिए सरकारी निगम आरएसएलडीसी एवं गिग वर्कर्स के लिए विशेष कानून बनाया। हालांकि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि वर्तमान भाजपा सरकार ने तीनों ही विषयों को एक तरह से ठंडे बस्ते में डाल दिया है जिससे लाखों लोगों का भविष्य अधर में है।

कोटड़ा में धर्मांतरण प्रयासों का विरोध, जनजाति सुरक्षा मंच ने दिया ज्ञापन

उदयपुर (हिंस)। कोटड़ा क्षेत्र में धर्मांतरण प्रयासों और क्रिसमस-डे के प्रस्तावित कार्यक्रमों के खिलाफ जनजाति सुरक्षा मंच के नेतृत्व में मंगलवार को एसडीओ कार्यालय में ज्ञापन दिया गया। ज्ञापन में जनजातीय बाहुल्य क्षेत्र में धर्मांतरण की घटनाओं पर कड़ी आपत्ति जताते हुए ऐसे कार्यक्रमों का बहिष्कार करने की अपील की गई। जनजाति सुरक्षा मंच के प्रांत सह संगठन मंत्री हर रतन डामोर के नेतृत्व में स्थानीय जनजातीय समाज के सैकड़ों लोगों ने इस विरोध में भाग लिया। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि 25, 26 और 27 दिसंबर को क्रिसमस कार्यक्रमों के बहाने क्षेत्र में धर्मांतरण की योजना बनाई जा रही है। यह कार्य न केवल स्थानीय जनजातीय संस्कृति को प्रभावित करता है, बल्कि संविधान की भावनाओं के भी विरुद्ध है। इस विरोध-प्रदर्शन में हीरालाल गरासिया, सोमराज गरासिया, खुमान सिंह गरासिया, लालू तोमार, उजमाराम तोमार, लुकराम सरपंच और वासुदेव भाई सहित कई सामाजिक कार्यकर्ता एवं जनप्रतिनिधि शामिल हुए। एडवोकेट हिम्मतलाल तावड़, पूरण प्रजापत, किशन पांडिया, एडवोकेट रामलाल खराड़ी, एडवोकेट सोहनलाल खैर और सरपंच करण कांगवा ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। ज्ञापन के माध्यम से प्रशासन से मांग की गई कि धर्मांतरण के प्रयासों को तुरंत रोका जाए और जनजातीय क्षेत्र में इस तरह के कार्यक्रमों की अनुमति न दी जाए। ज्ञापन देने के दौरान लांबाहल्दू गांव के मुखिया लालू राम और अन्य सामाजिक कार्यकर्ताओं ने जनजातीय समाज की एकता और संस्कृति की रक्षा की अपील की।

मुख्यमंत्री नीतीश ने प्रगति यात्रा के दूसरे दिन पूर्वी चंपारण में कई योजनाओं का किया लोकार्पण

पटना (हिंस)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने प्रगति यात्रा के दूसरे दिन मंगलवार को पूर्वी चंपारण जिले के सुगौली में चल रही विकास योजनाओं का जायजा लिया। उन्होंने सुगौली प्रखंड स्थित उतरी सुगांव पंचायत के वार्ड संख्या-8 में नवनिर्मित पंचायत सरकार भवन के शिलापट्ट का अनावरण कर लोकार्पण किया। लोकार्पण के पश्चात मुख्यमंत्री ने नवनिर्मित ग्राम पंचायत भवन का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने ग्राम पंचायत भवन के ग्राम कचहरी न्यायालय, मुखिया कक्ष, पंचायत सचिव कक्ष, डाकघर का निरीक्षण कर उपलब्ध कराई गई सुविधाओं एवं लोगों को प्रदान की जाने वाली सेवाओं के संबंध में अधिकारियों से जानकारी ली। मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि यहां काफी अच्छे ढंग से पंचायत सरकार भवन का निर्माण हो गया है। इससे लोगों को काफी सहूलियत होगी। अधिकारियों को निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पंचायत सरकार भवनों के निर्माण कार्य में तेजी लाएं। हम चाहते हैं कि जून 2025 तक सभी पंचायत सरकार भवनों का निर्माण कार्य हर हाल में पूर्ण हो जाए। यह मेरा ही कांसेप्ट है कि केंद्र और राज्य सरकार की तर्ज पर पंचायत सरकार का भी अपना भवन हो। हमलोगों ने पंचायती राज संस्थाओं और नगर निकायों में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण दिया। इसके तहत अब तक 4 चुनाव संपन्न हो गए हैं। बड़ी संख्या में महिलाएं जीतकर आई हैं। नवनिर्मित पंचायत सरकार भवन के समीप स्थित जीविका भवन में होने वाली गतिविधियों के संबंध में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से जानकारी ली। प्रगति यात्रा के क्रम में आयोजित जीविका दीदियों के साथ संवाद कार्यक्रम में मुख्यमंत्री शामिल हुए। जीविका दीदियों ने ताली बजाकर

मुख्यमंत्री का अभिवादन किया तथा उनके द्वारा कराए जा रहे विकास कार्यों के प्रति प्रसन्नता जाहिर की। संवाद कार्यक्रम में जीविका दीदियों ने स्वयं सहायता समूह और राज्य सरकार की योजनाओं से मिल रही सहूलियत के संबंध में अपना अनुभव साझा किया। जीविका दीदियों ने कहा कि स्वयं सहायता समूहों के गठन से हम महिलाओं को काफी फायदा हो रहा है। इससे महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही हैं। संवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने ही स्वयं सहायता से जुड़ी महिलाओं का नाम जीविका दीदी दिया। उस समय की केंद्र सरकार ने इससे प्रभावित होकर आजीविका नाम रखा। जब हम केंद्र में मंत्री थे तो देश के अलग-अलग हिस्सों में जाने का मौका मिला। उस समय हमने देखा कि स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से देश की महिलाएं काफी अच्छा काम कर रही हैं। उस समय बिहार में काफी कम स्वयं सहायता समूह थे। बिहार के लोगों ने जब 24 नवंबर, 2005 से हमें काम करने का मौका दिया तो हमने बिहार के विकास का काम प्रारंभ किया। वर्ष 2006 में हमने विश्व बैंक से कर्ज लेकर स्वयं सहायता समूहों की संख्या अधिक से अधिक बढ़ाने का प्रयास किया। अब बिहार में स्वयं सहायता समूहों की संख्या 10 लाख 61 हजार हो गई है, जिनसे 1 करोड़ 31 लाख जीविका दीदियां जुड़ी हैं। इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने मोतिहारी के बरियारपुर-कचहरी चौक पथ में एलसी-159 पर 29.242 करोड़ रुपए की लागत से नवनिर्मित ऊपरी पुल (आरओबी) सह पथ के संबंधित शिलापट्ट का अनावरण कर उद्घाटन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि आरओबी बन जाने से मोतिहारी शहर में लगने वाली जाम की समस्या दूर होगी।

राशन उठाव के लिए भटक रहे हैं उपभोक्ता

बेतिया (हिंस)। पश्चिम चंपारण जिला स्थित नौतन प्रखंड के पुर्वी नौतन पैक्स गोदाम पर नवनिर्वाचित अध्यक्ष अमेरिका प्रसाद की अध्यक्षता में नवनिर्वाचित कार्यसमिति सदस्यों की तिसरी बैठक आयोजित हुई। बैठक में बीसीओ रेयाज अहमद की उपस्थिति में पैक्स से प्रभार लेना था। इधर पूर्व पैक्स अध्यक्ष उक्त तिनों बैठक में अनुपस्थित रहे। जबकि प्रबंधक व पूर्व पैक्स अध्यक्ष की मनमानी से अब तक प्रभार नहीं मिल पाया है। जिसको लेकर राशन का वितरण कार्य सहित धान खरीदारी व अन्य कार्य बाधित है। बैठक में पहुंचे कार्यकारिणी सदस्यों व दर्जनों उपभोक्ताओं ने भी प्रभार नहीं मिलने को लेकर पूर्व अध्यक्ष व प्रबंधक पर नाराजगी जताते हुए बीसीओ से कारवाई कर पैक्स संचालन को सुचारू करने पर अड़े रहे। सदस्यों ने कहा की अगर एक सप्ताह के अंदर राशन नही मिलता है तो हमलोग आंदोलन करेंगे। कार्यकारिणी सदस्य राजदेव यादव, अशेसर पटेल, बाला मांझी, योगेन्द्र यादव, उमेश यादव, रामफल मांझी, विरेन्द्र प्रसाद, शंभु प्रसाद पाल, जयकिशोर शर्मा, राजेश यादव, सिताराम यादव, मनोज पासवान, किशोर सिंह, चंद्रिका प्रसाद, शेख फतेहुसैन आदि किसानों ने बताया कि करीब सात सौ किसानों का खाता पैक्स में पहले खुलवाया गया है। जबकि सरकार द्वारा मिले ट्रैक्टर व अन्य सामान भी नवनिर्वाचित पैक्स अध्यक्ष को नहीं सौंपा जा रहा है। जिससे की पैक्स संचालन नहीं हो पा रहा है। नवनिर्वाचित अध्यक्ष, सदस्यों व किसानों ने बताया कि अगर पूर्व पैक्स अध्यक्ष व प्रबंधक द्वारा जल्द प्रभार नहीं दिया जा रहा है तो सभी लोग डीएम से मिलकर सड़क पर उतरकर विरोध करेंगे।

संपादकीय

एक बार फिर पेगासस

इजरायल के जासूसी उपकरण 'पेगासस' का अध्याय एक बार फिर खुल गया है। अमरीकी अदालत में 'व्हाट्स ऐप' की बड़ी जीत हुई है और इजरायली कंपनी एनएसओ समूह को हैकिंग का दोषी करार दिया गया है। जासूसी सॉफ्टवेयर के जरिए दुनिया भर में व्हाट्स ऐप के 1400 से अधिक प्रयोगकर्ताओं को निशाना बनाया गया। 2021 में 'पेगासस' का मामला भारत में भी गूंजा था, जब आरोप लगाए गए कि 300 से अधिक मोबाइल फोन में जासूसी उपकरण इंस्टॉल किया गया। उनमें मोदी सरकार के मौजूदा दो मंत्रियों, तीन विपक्षी नेताओं, एक संवैधानिक अथॉरिटी, कई पत्रकारों और उद्योगपतियों को निशाना बनाया गया। संसद में वह जासूसी कांड खूब उछला और विपक्ष ने सदनों की कार्यवाही चलने नहीं दी। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने भी आरोप लगाया था कि उनके मोबाइल फोन को हैक किया गया और जासूसी सॉफ्टवेयर के जरिए सरकार उन पर निगरानी रखे थी। मामला सर्वोच्च अदालत तक पहुंचा, लेकिन कुछ ठोस निष्कर्ष सामने नहीं आया। सर्वोच्च अदालत ने विशेषज्ञों की जो समिति गठित की थी, उसकी रपट भी सार्वजनिक नहीं की गई। अलबत्ता अगस्त, 2022 में तकनीकी विशेषज्ञों की उस समिति का यह कथन जरूर सामने आया कि जिन मोबाइल फोन की जांच उसने की है, उनमें जासूसी उपकरण का कोई निर्णायक साक्ष्य नहीं पाया गया, लेकिन उस जांच-प्रक्रिया में केंद्र सरकार ने सहयोग नहीं दिया। यानी दाल में कुछ काला जरूर है। अब मामला इजरायली कंपनी एनएसओ और व्हाट्स ऐप के बीच का है। एनएसओ का तर्क है कि पेगासस कानून प्रवर्तन और खुफिया एजेंसियों को अपराध से लडने और राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा करने में मदद करता है। उसकी तकनीक का मकसद आतंकवादियों और कठोर अपराधियों को पकडने में मदद करना है। व्हाट्स ऐप ने 2019 में एनएसओ पर निषेधाज्ञा और हर्जाने की मांग करते हुए आरोप लगाया था कि बिना अनुमति के व्हाट्स ऐप सर्वर तक उसने पहुंच बनाई और प्रयोगकर्ताओं के मोबाइल पर पेगासस सॉफ्टवेयर इंस्टॉल किया। इससे पत्रकारों, मानवाधिकार कार्यकर्ताओं सहित 1400 से अधिक लोगों की निगरानी की गई। व्हाट्स ऐप के प्रमुख ने अदालत के फैसले को निजता और गोपनीयता की बड़ी जीत माना है। माना जाता रहा है कि स्पाइवेयर कंपनियां अपने गैर-कानूनी कामों के लिए जवाबदेही से बच नहीं सकतीं। भारत के संदर्भ में गृह मंत्रालय ने लोकसभा में खुलासा किया था कि केंद्र और राज्य सरकारें आईटी कानून, 2000 और भारतीय टेलीग्राफ कानून, 1885 के अनुसार, सूचनाओं को 'इंटरसेप्ट' करने, 'मॉनीटर करने' और 'डिकोड' करने को अधिकृत हैं। इस संदर्भ में 10 एजेंसियों को अधिकृत किया गया है, लेकिन अच्छी तरह काम कर रहे लोकतंत्र की तरह भारत में कोई स्वतंत्र निगरानी, निरीक्षण नहीं है। कोई राष्ट्रीय सुरक्षा कानून भी नहीं है, लिहाजा जासूसी के जरिए सूचनाएं हासिल करने में कानून और शक्तियों के दुरुपयोग भी होते रहे हैं। सर्वोच्च अदालत वाली कमेटी ने भी जिन मोबाइल फोन की जांच की थी और स्पाईवेयर की मौजूदगी मानी थी, लेकिन वे पेगासस ही थे, कमेटी ऐसा नहीं मानती। निजता और सुरक्षा के बीच पेगासस सरीखे जासूसी उपकरणों की व्याख्या की जानी चाहिए।

अमरीकी अदालत में 'व्हाट्स ऐप' की बड़ी जीत हुई है और इजरायली कंपनी एनएसओ समूह को हैकिंग का दोषी करार दिया गया है। जासूसी सॉफ्टवेयर के जरिए दुनिया भर में व्हाट्स ऐप के 1400 से अधिक प्रयोगकर्ताओं को निशाना बनाया गया। 2021 में 'पेगासस' का मामला भारत में भी गूंजा था, जब आरोप लगाए गए कि 300 से अधिक मोबाइल फोन में जासूसी उपकरण इंस्टॉल किया गया। उनमें मोदी सरकार के मौजूदा दो मंत्रियों, तीन विपक्षी नेताओं, एक संवैधानिक अथॉरिटी, कई पत्रकारों और उद्योगपतियों को निशाना बनाया गया। संसद में वह जासूसी कांड खूब उछला और विपक्ष ने सदनों की कार्यवाही चलने नहीं दी। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने भी आरोप लगाया था कि उनके मोबाइल फोन को हैक किया गया और जासूसी सॉफ्टवेयर के जरिए सरकार उन पर निगरानी रखे थी। मामला सर्वोच्च अदालत तक पहुंचा, लेकिन कुछ ठोस निष्कर्ष सामने नहीं आया। सर्वोच्च अदालत ने विशेषज्ञों की जो समिति गठित की थी, उसकी रपट भी सार्वजनिक नहीं की गई। अलबत्ता अगस्त, 2022 में तकनीकी विशेषज्ञों की उस समिति का यह कथन जरूर सामने आया कि जिन मोबाइल फोन की जांच उसने की है, उनमें जासूसी उपकरण का कोई निर्णायक साक्ष्य नहीं पाया गया, लेकिन उस जांच-प्रक्रिया में केंद्र सरकार ने सहयोग नहीं दिया। यानी दाल में कुछ काला जरूर है।

राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस वास्तव में उपभोक्ताओं को उनकी शक्तियों और अधिकारों के बारे में जागरूक करने का महत्वपूर्ण अवसर है

उपभोक्ताओं को मिले त्वरित न्याय

योगेश कुमार गोयल

सुरक्षा के लिए 'राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस' मनाया जाता है, जिसका मुख्य उद्देश्य उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना, उनके हितों के लिए बनाए गए उपभोक्ता संरक्षण अधिनियमों तथा उनके अंतर्गत आने वाले कानूनों की जानकारी देना है। हालांकि वर्ष 2020 तक विभिन्न ई-कॉमर्स साइटों से ऑनलाइन खरीददारी को लेकर उपभोक्ताओं को कोई संरक्षण प्राप्त नहीं था लेकिन उपभोक्ता संरक्षण कानून-2019 (कन्ज्यूमर प्रोटेक्शन एक्ट-2019) में ई-कॉमर्स को भी दायरे में लाकर उपभोक्ताओं को और मजबूती देने का प्रयास किया गया।

देश में उपभोक्ताओं के विभिन्न हितों और उनके अधिकारों की सुरक्षा के लिए 'राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस' मनाया जाता है, जिसका मुख्य उद्देश्य उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना, उनके हितों के लिए बनाए गए उपभोक्ता संरक्षण अधिनियमों तथा उनके अंतर्गत आने वाले कानूनों की जानकारी देना है। दरअसल ऑनलाइन खरीददारी हो या ऑफलाइन, ग्राहकों को कई बार सामान की गड़बड़ी अथवा अन्य प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ता है और इसी तरह की समस्याओं से उन्हें निजात दिलाने तथा उपभोक्ता अधिकारों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से उपभोक्ता दिवस मनाया जाता है। हालांकि वर्ष 2020 तक विभिन्न ई-कॉमर्स साइटों से ऑनलाइन खरीददारी को लेकर उपभोक्ताओं को कोई संरक्षण प्राप्त नहीं था लेकिन उपभोक्ता संरक्षण कानून-2019 (कन्ज्यूमर प्रोटेक्शन एक्ट-2019) में ई-कॉमर्स को भी दायरे में लाकर उपभोक्ताओं को और मजबूती देने का प्रयास किया गया। पुराना उपभोक्ता संरक्षण कानून करीब साढ़े तीन दशक पुराना हो चुका था, जिसमें समय के साथ बड़े बदलावों की जरूरत महसूस की जा रही थी। इसीलिए ग्राहकों के साथ अक्सर होने वाली धोखाधड़ी को रोकने और उपभोक्ता अधिकारों को ज्यादा मजबूती प्रदान करने के लिए 20 जुलाई 2020 को 'उपभोक्ता संरक्षण कानून-2019' (कन्ज्यूमर प्रोटेक्शन एक्ट-2019) लागू किया गया, जिसमें उपभोक्ताओं को किसी भी प्रकार की ठगी और धोखाधड़ी से बचाने के लिए कई प्रावधान शामिल हैं। राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस वास्तव में उपभोक्ताओं को उनकी शक्तियों और अधिकारों के बारे में जागरूक करने का महत्वपूर्ण अवसर है। भारत में उपभोक्ता आन्दोलन की शुरूआत मुम्बई में वर्ष 1966 में हुई थी। तत्पश्चात् पुणे में वर्ष 1974 में ग्राहक पंचायत की स्थापना के बाद कई राज्यों में उपभोक्ता कल्याण के लिए संस्थाओं का गठन किया गया। इस प्रकार उपभोक्ता हितों के संरक्षण की दिशा में यह आन्दोलन आगे बढ़ता गया। तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पहल पर 9 दिसम्बर 1986 को उपभोक्ता संरक्षण विधेयक पारित किया गया, जिसे राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के बार 24 दिसम्बर 1986 को देशभर में लागू किया गया।

पिछले कई वर्षों से भारत में प्रतिवर्ष इसी दिन राष्ट्रीय उपभोक्ता संरक्षण दिवस मनाया जा रहा है। यह दिवस मनाए जाने का मूल उद्देश्य यही है कि उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया जाए और अगर वे धोखाधड़ी, कालाबाजारी, घटतौली इत्यादि के शिकार होते हैं तो वे इसकी शिकायत उपभोक्ता अदालत में कर सकें। उपभोक्ता संरक्षण कानून में स्पष्ट उल्लेख है कि प्रत्येक वह व्यक्ति उपभोक्ता है, जिसने किसी वस्तु या सेवा के क्रय के बदले धन का भुगतान किया है या भुगतान करने का आश्वासन दिया है और ऐसे में किसी भी प्रकार के शोषण अथवा उत्पीड़न के खिलाफ वह अपनी आवाज उठा सकता है तथा क्षतिपूर्ति की मांग कर सकता है। खरीदी गई किसी वस्तु, उत्पाद अथवा सेवा में कमी या उसके कारण होने वाली किसी भी प्रकार की हानि के बदले उपभोक्ताओं को मिला कानूनी संरक्षण ही उपभोक्ता अधिकार है। यदि खरीदी गई किसी वस्तु या सेवा में कोई कमी है या उससे आपको कोई नुकसान हुआ है तो आप उपभोक्ता फोरम में अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। अगर उपभोक्ताओं का शोषण होने और ऐसे मामलों में उनके द्वारा उपभोक्ता अदालत की शरण लिए जाने के बाद मिले न्याय के कुछ मामलों पर नजर डालें तो स्पष्ट हो जाता है कि उपभोक्ता अदालतों का उपभोक्ताओं के हितों के संरक्षण में क्या योगदान है। एक उपभोक्ता ने एक दुकान से बिजली का एक पंखा खरीदा लेकिन एक वर्ष की गारंटी होने के बावजूद थोड़े ही समय बाद पंखा खराब होने पर भी जब दुकानदार उसे ठीक कराने या बदलने में आनाकानी करने लगा तो उपभोक्ता ने उपभोक्ता अदालत का दरवाजा खटखटाया। अदालत ने अपने आदेश में नया पंखा देने के साथ उपभोक्ता को हर्जाना देने का भी फरमान सुनाया। एक अन्य मामले में एक आवेदक ने सरकारी नौकरी के लिए अपना आवेदन अंतिम तिथि से पांच दिन पूर्व ही स्पीड पोस्ट द्वारा संबंधित विभाग को भेज दिया लेकिन आवेदन निर्धारित तिथि तक नहीं पहुंचने के कारण उसे परीक्षा में बैठने का अवसर नहीं दिया गया। आवेदक ने डाक विभाग की लापरवाही को लेकर उपभोक्ता अदालत का दरवाजा खटखटाया और उसे न्याय मिला। चूंकि स्पीड पोस्ट को डाक अधिनियम में एक आवश्यक सेवा माना गया है, इसलिए उपभोक्ता अदालत ने डाक विभाग को सेवा शर्तों में कमी का दोषी पाते हुए डाक विभाग को मुआवजे के तौर पर आवेदक को एक हजार रुपये की राशि देने का आदेश दिया। ऐसी ही छोटी-बड़ी समस्याओं का सामना जीवन में कभी न कभी हम सभी को करना पड़ता है लेकिन अधिकांश लोग अपने अधिकारों की लड़ाई नहीं लड़ते। इसका प्रमुख कारण यही है कि देश की बहुत बड़ी आबादी अशिक्षित है, जो अपने अधिकारों और कर्त्तव्यों के प्रति अनभिज्ञ है। हालांकि जब शिक्षित लोग भी अपने उपभोक्ता अधिकारों के प्रति उदासीन नजर आते हैं तो हैरानी होती है। यदि आप एक उपभोक्ता हैं और किसी भी प्रकार के शोषण के शिकार हुए हैं तो अपने अधिकारों की लड़ाई लड़कर न्याय पा सकते हैं। कोई वस्तु अथवा सेवा लेते समय हम धन का भुगतान तो करते हैं पर बदले में उसकी रसीद नहीं लेते। शोषण से मुक्ति पाने के लिए सबसे जरूरी है कि आप जो भी वस्तु, सेवा अथवा उत्पाद खरीदें, उसकी रसीद अवश्य लें। यदि आपके पास रसीद के तौर पर कोई सबूत ही नहीं है तो आप अपने मामले की पैरवी सही ढ़ंग से नहीं कर पाएंगे। पिछले कुछ वर्षों में ऐसे अनेक मामले सामने आ चुके हैं, जिनमें उपभोक्ता अदालतों से उपभोक्ताओं को पूरा न्याय मिला है लेकिन आपसे यह अपेक्षा तो होती ही है कि आप अपनी बात अथवा दावे के समर्थन में पर्याप्त सबूत तो पेश करें। उपभोक्ता अदालतों की सबसे बड़ी विशेषता यही है कि इनमें लंबी-चौड़ी अदालती कार्रवाई में पड़े बिना ही आसानी से शिकायत दर्ज कराई जा सकती है।

दृष्टि कोण

हिमाचल भी याद करेगा ओमप्रकाश चौटाला को

ओम प्रकाश चौटाला जी के निधन से राजनीति के एक अध्याय का पटाक्षेप हो गया। आप उनकी राजनीति को पसंद या नापसंद कर सकते थे, पर अनदेखा नहीं कर सकते। हरियाणा के विकास में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा। पंजाब और हरियाणा हिमाचल प्रदेश के पड़ोस के दो महत्वपूर्ण राज्य हैं। संयोग से दस वर्ष तक जब मैं हिमाचल का मुख्यमंत्री रहा, तब अधिकतर समय पंजाब में सरदार प्रकाश सिंह बादल और हरियाणा में श्री ओम प्रकाश चौटाला मुख्यमंत्री रहे। दोनों बड़े कदावर नेता थे और निर्णय लेने में सक्षम थे। पंजाब और हरियाणा हिमाचल की अपेक्षा दोनों बड़े राज्य हैं और मैं सरदार बादल जी का और श्री चौटाला जी का बड़े भाईयों की तरह आदर करता था और हमारे व्यक्तिगत सम्बन्धों का हमारे राज्यों की अंतरराज्यीय समस्याओं के समाधान में भी लाभ मिलता था। आज श्री चौटाला को श्रद्धांजलि देते हुए मैं कुछ घटनाओं का उल्लेख करना चाहूंगा जो उनके स्नेह को प्रकट करती हैं। श्री चौटाला जी को मैं पहली बार भारतीय जनता पार्टी के मुख्यालय 11, अशोक रोड, नई दिल्ली में मिला था। वह दिल्ली में पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री श्री कृष्ण लाल शर्मा जी को मिलने आए थे। शर्मा जी ने मेरा परिचय उनसे करवाया। उसके बाद लगातार उनका स्नेह मिलता रहा। सरदार प्रकाश सिंह बादल पटियाला जेल से रिहा होकर चंडीगढ़ आए थे। मैं उन्हें मिलने गया, बादल साहब घर पर नहीं थे। सरदार सुखबीर सिंह बादल ने बताया कि वह चौटाला जी को मिलने गए हैं। उन्होंने बादल साहब को फोन किया और कहा कि धूमल जी मिलने आए हैं, चौटाला जी ने बादल साहब से फोन ले लिया और कहा मेरी बात धूमल जी से करवाओ। मुझे फोन पर आमन्त्रित किया कि उनके निवास पर आ जाऊं ताकि बादल साहब और चौटाला जी दोनों मिल जाएं। मैं चौटाला जी के निवास पर चला गया। वहां पर उन्होंने बड़े स्नेह से स्वागत किया और हम सब बैठ गए। रात्रिभोज वहीं पर किया। बाजरे की रोटी, सरसों का साग, मक्खन और स्वीट डिश के तौर पर गुड़ खाकर सबको बहुत आनंद आया और घर गांव का माहौल था। हमारे यहां टांडा में मेडिकल कॉलेज नया नया खुला था। मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया (भारतीय चिकित्सा परिषद) के निरीक्षण की सूचना मिली। एक विषय के विशेषज्ञ डॉक्टर व प्रोफेसर हमारे पास नहीं थे। मुझे बताया गया कि हरियाणा में इस विषय के वरिष्ठ प्रोफेसर हैं, अगर चौटाला साहब से बात हो तो उनसे प्रार्थना की जानी चाहिए। मैंने फोन किया, चौटाला साहब प्रदेश के टूर पर थे। उन्हें संदेश भेजा गया। आधे घंटे में फोन आ गया। चौटाला जी ने अपने चिरपरिचित अंदाज में कहा, 'कहिए मुख्यमंत्री जी क्या आदेश है?' मैंने कहा भाई साहब आदेश नहीं, प्रार्थना है, और अपनी सारी समस्या उन्हें बताई। उन्होंने कहा ठीक है, अभी साढ़े चार बजे हैं। हम आज पांच बजे से पहले डॉक्टर को रिलीव कर देंगे। कल सवेरे वह आपके पास ज्वाइन कर लेगा। मैंने उनका कोटि-कोटि धन्यवाद किया और हमारी समस्या का समाधान हो गया। एक बार हमारे परिवहन सचिव मेरे पास हड़बड़ाहट में आए और कहा कि बड़ी गंभीर समस्या आ गई है, हरियाणा के परिवहन मंत्री आ रहे हैं और हमारी बसें उनके ज्यादा क्षेत्र में चलती हैं और उनकी हमारे कम क्षेत्र में। समता के नियम के तहत हमारी कई बसें बंद हो जाएंगी। मैंने चौटाला साहब से फोन पर बात की और कहा कि पंजाब और हरियाणा बड़े भाई हैं और हिमाचल छोटा भाई है। आप दोनों के पास हवाई सेवा है, रेल सेवा है, पर हमारे पास तो सडक परिवहन ही है, जोकि हमारी जीवन रेखा है। क्या छोटे भाई को तंग करने की ठानी है? चौटाला जी बोले मुख्यमंत्री जी, बात क्या है, हमने तो कुछ ऐसा नहीं किया। मैंने उन्हें परिवहन मंत्री के कार्यक्रम के बारे में बताया। उन्होंने तुरंत कहा, चिंता मत करो, हमारा मंत्री आएगा आपके पास, चाय पीएगा और वापस आ जाएगा, आपकी बसें जैसे चलती हैं वैसे ही चलती रहेंगी। उन्होंने अपने मंत्री को शिमला पहुंचने से पहले इस निर्णय के बारे में सूचित कर दिया और मंत्री महोदय मुझे मिलकर वापस चले गए। एक बार किसी औद्योगिक संस्थान के विरुद्ध चौटाला सरकार ने सख्त कार्रवाई कर दी, वो बहुत तंग हुए। एक बड़े नेता ने मुझे कहा कि बहुत से लोग सरकार से निवेदन कर चुके हैं, पर मुख्यमंत्री नहीं मान रहे, हमने सुना है कि चौटाला जी आपकी बात मानते हैं, आप बात करो। मैंने कहा छोटे भाई के तौर पर अपने प्रदेश के हित में उनसे प्रार्थना करता हूं और उनका बड़प्पन है कि वो मेरी बात मान लेते हैं। मैं आपकी बात उन तक पहुंचा दूंगा, राहत देना न देना उन पर निर्भर करता है। मैंने रात को चौटाला जी को फोन किया और सारी बात बता कर उन्हें कहा कि जो उचित समझें वो निर्णय लें। उन्होंने बात सुनी और खामोशी हो गई। जब काफी देर तक आवाज नहीं आई तो मैंने सोचा उन्होंने फोन काट दिया। मैं फोन रखने ही वाला था, तभी आवाज आई, मुख्यमंत्री जी आपने बोला, हमने उन्हें अभयदान दिया, पर उनसे कह देना हमारे विरोधी के टैंट कम लगाया करे।

कुछ अलग

मुद्दे, मुर्गे और मुर्दे

नेता लोग आम आदमी से पूछ-पूछ कर थक गए हैं कि भाया मुद्दा तो बता, मुद्दा क्या है? और कुछ नहीं तो फैज़ अहमद फैज़ के अंदाज़ में ही बोल दे क्योंकि लब आज़ाद हैं तेरे। हे पार्थ! कोई प्रश्न पूछने पर तू अपने ऊपर होने वाली एफआईआर से मत डर। फिर चाहे फैज़ अहमद फैज़ की तरह जेल में सड़ या उमर ख़ालिद, साई बाबा या सिद्दीकी कप्पन की तरह जमानत को तरस। पर बोल तो सही। तू बोलता नहीं और हम संसद या विधानसभा में तेरा मुद्दा उठा नहीं पाते। तू बोलना नहीं चाहता और हम हैं कि तेरा मुद्दा उठाने के लिए मरे जा रहे हैं। भाई अब कुछ तो बोल दे। आज़ादी के बाद भी और आज़ादी के अमृत काल में भी अपने दिल में दबाई सदियों की पीड़ा और हसरतों के साथ जीने वाले भले आदमी, कुछ तो बोल दे। कुछ तो बोल। और कुछ नहीं तो गाली ही दे दे। अपुन तो आंख से अंधे हैं। अपुन को कुछ दिखता नहीं। भ्रष्टाचार के रथ पर सवार होकर न महंगाई दिखती है, न गरीबी, न बेरोजग़ारी, न शिक्षा, न स्वास्थ्य। न किसान दिखते हैं न युवा। औरतें दिखती हैं न उन पर होने वाले अत्याचार। न पर्यावरण और न ग्लोबल वार्मिंग। सत्ता की धुंध आंखों में इतना गहरा उतर गई है कि अपने और अपनों के अलावा कुछ नजऱ नहीं आता। आईने में झांकने पर अपना चेहरा नहीं दिखता। कानों में सत्ता का घी इतना घना है कि कभी कोई आवाज़ भीतर तक पहुंचती नहीं और तू है कि ख़ामोश बैठा है। कुछ तो बोल। पर तुझे शायद दुष्यंत का वह शे'र याद हो- 'गिड़गिड़ाने का यहां कोई असर होता नहीं, पेट भरकर गालियां दो, आह भरकर बद्दुआ।' क्योंकि हम तो चिकने घड़े हैं, जिन पर न लाज का पानी टिकता है और न करमों की लादी। हमारी माटी तेरी माटी से नहीं मिलती। मरने के बाद भी हम लोग यमदूतों की ज़ेड सिक्योरिटी में अलग-थलग पड़े रहते हैं। यह बात अलग है कि हम लोग जिंदा रहते हुए भी मुर्दा ही जीते हैं। बिना किसी भाव के, घने संवेदनाशून्य। अपने में खोये हुए। लकड़ी के कीड़े भले कुरसी खा जाएं। पर हम ऐसे कीड़े हैं जो न जाने कितनी शताब्दियों से देश को खाते आ रहे हैं। किसी भी कीमत पर सत्ता में बने रहना ही हमारा धर्म है। तू सदियों की पीड़ा मन में लिए चचा ग़ालिब का शे'र गुनगुनाता रहता है- 'मैं भी मुंह में ज़बान रखता हूं, काश पूछो कि मुद्दआ क्या है।' पर कभी बोलता नहीं और हम इसलिए बेफिक्र हैं कि तू कभी बोलता नहीं। हम तो केवल विपक्ष पर आरोप लगाने के लिए कहते हैं कि विपक्ष मुद्दों पर बात नहीं करता। कभी गोबर और समोसों की बात करता है तो कभी जंगली मुर्गों की। उधर विपक्ष हम पर आरोप लगाता है कि हम आम लोगों के मुद्दों पर चर्चा करने से भागते हैं। लेकिन सत्ता और विपक्ष चोर-चोर मौसरे भाई हैं। दोनों का उद्देश्य एक ही रहता है कि आम लोगों के मुद्दे मुर्दा ही रहें। बस एक ही मुद्दा रहे कि कोई मुद्दा न हो। सदन में दोनों फ्रैंडली मैच खेलते हुए जम कर हंगामा करते हैं। तू राज्य विधानसभा के वर्तमान सत्र को ही देख। खरबों के कज़ऱ् तले दबे प्रदेश में इतने मुद्दे थे बहस करने को। पर विपक्ष जंगली मुर्गे को निशाना बनाता रहा। कभी विधानसभा परिसर में जंगली मुर्गे के प्लेकार्ड लेकर प्रदर्शन करता रहा तो कभी बॉयकॉट और हम उसे कोसते रहे। सदियों से आदमी के साथ रहते हुए मुर्गा भले अब जंगली न रहा हो, पर आदमी आज भी जंगली है। यक़ीन न हो तो देश भर में माननीयों का चरित देख। देश के सर्वोच्च सदन में बैठ कर जिस तरह दोनों पक्ष हंगामा करते हैं, उसे देख कर तो जंगल भी शरमा उठता है। रही बात आम आदमी से जुड़े मुद्दों की, वे राजनीति में सदा मुर्दा ही रहते हैं।

देश दुनीया से

एकता के अभाव में राष्ट्र का उत्थान नहीं

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। वह जन्म, रिश्ते और रोजगार के अतिरिक्त भौगोलिक, सामाजिक, आर्थिक एवं अन्य कारणों से चाहे दुनिया के किसी भी कोने में, किसी भी देश का निवासी बनकर क्यों न रहता हो, उसका अपना एक समाज, अपनी एक अलग दुनिया होती है। इसी प्रकार, अलग-अलग जगहों पर रहते हुए मनुष्य की समस्याएं, दुविधाएं, आवश्यकताएं, आकांक्षाएं और उसके पास उपलब्ध सुविधाएं भले ही अलग-अलग प्रकार की हों, परंतु एक बात सभी मनुष्यों के जीवन पर लागू होती है और वह है मानव एकता तथा एकजुटता के साथ उसका आगे बढना। दरअसल, मानव जाति की एकता की जरूरत दुनिया को आरंभिक काल से ही रही है। हालांकि, मनुष्य जाति के लिए अपेक्षित एकता और एकजुटता कभी कायम नहीं हो पाई, जबकि यह सच है कि एकता और एकजुटता के अभाव में किसी भी समाज या राष्ट्र का उत्थान संदिग्ध होता है। जाहिर है कि मानव जाति की एकता और एकजुटता के साथ उसके आगे बढने की इस आवश्यकता को पूरा करने के लिए अपने-अपने स्तर पर दुनिया के तमाम देशों को गंभीर प्रयास करने ही होंगे। हालांकि, यह उतना भी आसान कार्य नहीं है कि सारे देश एक दूसरे के निकट आ जाएं और दुनिया में एकता एवं एकजुटता कायम करने के लिए अपनी-अपनी नीतियों में बदलाव कर लें, लेकिन समय की मांग यही है कि गुटबाजियों को छोड़ और खेमेबंदियों को तोड़ कर हर हाल में दुनिया के सभी देश एक दूसरे के निकट आएं और साथ-साथ चलने के लिए संकल्पबद्ध हों। यह तभी संभव होगा, जब सभी छोटे-बड़े देश अपनी जिद्द, लिप्सा, अपने मोह, लालच और संकुचित सोच को परे रख कर विश्वहित एवं मानवहित में सोचेंगे। देखा जाए तो क्षुद्र विचारों और संकुचित सोच में सिमटकर दुनिया और मानवता ने अपना बहुत नाश कराया है। इसलिए अब जरूरी है कि एकता और एकजुटता को 21वीं सदी के लिए एक आधार और प्रोत्साहन के रूप में स्वीकार करते हुए आगे बढ़ा जाए। हालांकि यह सच है कि वैश्वीकरण ने दुनिया भर के लोगों को आगे बढने और विकास करने के अनेक अवसर प्रदान किए हैं, लेकिन इस वैश्वीकरण ने दो दुनियाओं के निर्माण की पटकथा लिखी। इनमें एक दुनिया ऐसी बनी, जिसमें केवल गरीब लोग रहते हैं, जहां दुःख, संकट, परेशानियां, समस्याएं, शोषण और उत्पीडन का साम्राज्य खूब फलता-फूलता है। वहीं, वैश्वीकरण ने इसके बिल्कुल पास ही में एक अलग दुनिया भी बनाई, जिसमें कदम-कदम पर अमीरी की दास्तानें लिखी होती है। जाहिर है कि वैश्वीकरण के कारण होने वाले विकास के लाभों और भारों का वितरण दुनिया भर के मानव समुदायों के बीच असमान रूप से हुआ। इसका दुष्परिणाम यह हुआ कि दुनिया भर में मनुष्यों की एक बड़ी संख्या विकास के मामले में अन्य लोगों से काफी पीछे रह गई। यह विडंबना नहीं तो और क्या है। बहरहाल, 21वीं सदी में मनुष्य की वास्तविक उन्नति और उत्थान को लेकर वैश्विक एकता और एकजुटता के लिए एक संयुक्त वैश्विक प्रयास करने की नितांत आवश्यकता है। बता दें कि दुनिया में जहां कहीं भी जो लोग विकास की दौड़ में पीछे छूट गए हैं अथवा पीड़ित, शोषित, दुखी और परेशान हैं या कहा जाए कि व्यवस्था में जिन लोगों तक अब तक मदद सबसे कम या नहीं पहुंच पाई है, उन व्यक्तियों, समुदायों तक आज सहायता पहुंचाने की आवश्यकता है। वैसे, बेहतर तो यह होगा कि जिन्हें व्यवस्था से सबसे अधिक लाभ प्राप्त होता रहा है, वे ही उन तक सहयोग के अपने हाथ लेकर जाएं। जाहिर है कि यदि समर्थ लोग निर्धन और लाचार लोगों तक स्वयं अहयोग का हाथ लेकर जाएंगे तो इससे दोनों ही दुनियाओं के बीच आपसी प्रेम और सद्भाव तो बढ़ेगा ही, साथ ही, इससे साझी जिम्मेदारी की संस्कृति भी विकसित होगी और दुनिया में एकता और एकजुटता के कायम होने में आसानी भी होगी। देखा जाए तो एकता और एकजुटता के विराट महत्व को आत्मसात करते हुए हमारे पूर्वज ऋषि-मुनियों ने इसे बहुत महत्व दिया था। यही कारण है कि भारतीय संस्कृति में आरंभ से ही एकता और एकजुटता महान मानवीय गुण माने जाते रहे हैं। हालांकि, इसके लिए प्रमाण की जरूरत नहीं, फिर भी यदि दुनिया के इतिहास को उठाकर देखा जाए तो पता चलता है कि दुनिया में आज तक सभी महान कार्य मानव जाति की एकता एवं सहयोग से ही संभव हो पाए हैं। तात्पर्य यह कि महान एवं बड़े कार्यों को पूरा करने हेतु दुनिया में मानवीय एकता का होना परम आवश्यक है। साथ ही, विभिन्न समस्याओं यथा- भुखमरी, निर्धनता, अशिक्षा, आतंकवाद, उग्रवाद, हिंसा, लूट, भ्रष्टाचार एवं अन्य तमाम समस्याओं का निराकरण भी एकल नहीं, बल्कि सामूहिक प्रयासों से ही सफलतापूर्वक किया जा सकता है। इतना ही नहीं, विश्व भर में समावेशी विकास को अंजाम तक पहुंचाने, अनेकता में एकता के जीवन मूल्य को चरितार्थ करने, सतत विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करने एवं एकता के महत्व को प्राप्त करने हेतु भी अंतरराष्ट्रीय मानव एकता महत्वपूर्ण है। इसके अतिरिक्त अंतरराष्ट्रीय संबंधों के मामले में भी एकता को महत्वपूर्ण मूल्य के रूप में परिभाषित किया जा चुका है। जाहिर है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मानवीय एकजुटता के आयोजन और प्रदर्शन से विविधता में एकता को बढ़ावा और इसकी उपयोगिता को सम्मान होगा। वैसे, देखा जाए तो एकजुटता का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना भी है कि न्याय के लिए परस्पर एक दूसरे की देखभाल और चिंता की जाए। मनुष्य के लिए आपस में एकजुटता प्रदर्शित करने का सबसे अच्छा तरीका यह है कि परस्पर एक-दूसरे का सम्मान किया जाए और एक-दूसरे की जरूरतों और परिस्थितियों से संबंधित बेहतर समझ पैदा की जाए। गौरतलब है कि परस्पर एक-दूसरे से जुड़ी हमारी यह विस्तृत दुनिया एकत्व के भाव के साथ एक-दूसरे को ऊपर उठाने एवं मनुष्य की व्यक्तिगत सफलता को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ पूरे मानव समाज की समृद्धि के लिए समग्र रूप से प्रतिबद्धता पर निर्भर करती है। तात्पर्य यह कि जब हम एक-दूसरे के लिए सहयोग का हाथ बढ़ाते हैं अथवा दुःख-दर्द और लाचारी में एक-दूसरे का हाथ थामते हैं, तो ऐसा करके केवल एक-दूसरे के प्रति सहयोग का भाव ही नहीं प्रकट कर रहे होते, बल्कि एकता और एकजुटता को कायम करने के संकल्प की सिद्धि भी कर रहे होते हैं। इतना ही नहीं, एक-दूसरे के लिए सहयोग का हाथ बढ़ाकर या आवश्यकता पडने पर एक-दूसरे का हाथ थामकर हम एकत्व की पवित्र और विराट भावना को सम्मानित भी कर रहे होते हैं तथा मनुष्य जाति के लिए अधिक बेहतर और निष्पक्ष भविष्य की दिशा में प्रगति भी कर रहे होते हैं।

आप का नजरीया

तपोवन की सियासी जरूरतें

सियासत को वाकई अब तपोवन की जरूरत है और यह एहसास शीतकालीन सत्र की गवाही में हुआ। विधानसभा ने नए दिन और नए विषय देखे तो नियमों के हवाले से शून्य काल के भीतर 26 विधायक पारंगत हुए। बिना हील हुज्जत विषयों की विभूति लगाए शून्य काल ने मौलिकता और मूलता में प्रदेश का शृंगार किया। सरकार अपना काम करती रही, विपक्ष ने विरोध के तर्कों में प्रदेश को हिलाया, लेकिन इस दौरान लैंड सीलिंग एक्ट की कुछ कीलें खुल गईं, एक आश्रम ने राजनीति को शरण दे दी या कानून से बड़ा प्रभाव अर्जित कर लिया। जाहिर है इस प्रदेश की सामाजिक व आर्थिक संरचना में लैंड सीलिंग एक्ट ने किसान की बिरादरी को जमींदारों से अलग किया, लेकिन जो चाय, सेब या अन्य फलों की खेती करते थे उनके हिस्सेदारी में कुछ नहीं घटा। लैंड सीलिंग कानून में हुए संशोधन के ऊंट अभी संशय के रेगिस्तान में खड़े, कल जब बैठेंगे तो करवटों का पता भी चलेगा। बहरहाल तारीफ यह कि सरकार अपने हिसाब से चौदह विधेयक पारित कराने में सफल हो गई। मात्र चार दिन के सत्र से साढ़े इक्कीस घंटे की कार्यवाही करवा कर विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने अपना जौहर दिखाया, तो मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने सदन से जोरावर स्टेडियम के पथ पर सत्ता का सफर सशक्त किया। विपक्षी विधायक न केवल रंग में थे, बल्कि एक सुर और साधना में देखे गए। नेता प्रतिपक्ष की भूमिका में पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने सदन के माध्यम से प्रदेश में अपने रुतबे की खनक पैदा की, तो भाजपा की अनुगूंज में यह प्रदेश अपने लिए चर्चा सुनता रहा। इसलिए विपक्ष की शंकाओं-आशंकाओं की बेबाकी में प्रश्न उछले तो आक्रोश के ज्वालामुखी फटते हुए बहिगर्मन कर गए। दो सालों में 1865 सरकारी संस्थानों में से 1094 स्कूलों का बंद होना, अगर विपक्ष की दोधारी तलवार पर चला मुद्दा रहा, तो प्रदेश की आर्थिक स्थिति पर एफआरबीएम रिपोर्ट का हवाला गंभीर चेतावनियां दे रहा है। राजकोषीय घाटा 2308.11 करोड़ बढ़ता हुआ सकल घरेलू उत्पाद के 5.76 प्रतिशत तक पहुंच जाए, तो सरकारी इमारतों में सत्ता के झूले नहीं लगने चाहिएं। अगर स्कूलों में छात्र नहीं आ रहे तो ये किसके परिचय की परीक्षा है, लेकिन बंद दफ्तरों के दरवाजों के आगे जनता खड़ी है, तो कुछ परिंदे जरूर सही होंगे। इस दौरान कैग रिपोर्ट के पन्ने अगर प्रदेश के बोर्ड-निगमों के 4901 करोड़ घाटे से लबालब हैं, तो प्रदेश को कई निकम्मे सार्वजनिक उपक्रमों को अलविदा कहना होगा, लेकिन इस सूची के सबसे बड़े गुनाहगार राज्य विद्युत बोर्ड व परिवहन निगम के किस कान में खुजली करें। होंगी सदन में पक्ष-प्रतिपक्ष की चट्टानें और एक दूसरे को पछाडने के सबूत, लेकिन शून्य काल में विधायकों के वाहनों को झंडी मांगने वालों ने बेरोजगारी की उपाधियों को कूड़े से उठाने के लिए क्या किया। सदन के बाहर फरियादों की रेहड़ी लगाते कई युवा नौकरी मांगते देखे गए, लेकिन प्रायश्चित यह नहीं कि अब प्रदेश सरकारी रोजगार नहीं दे सकता और उपाय यह नहीं कि निजी निवेश को बढ़ावा मिलेगा।

इजराइल ने स्वीकारा हमास नेता को उसने ही मारा, हूती विद्रोहियों को भी दी चेतावनी

तेलअवीव

इजराइल ने ईरान में हमास नेता इस्माइल हानिया की हत्या की पुष्टि कर दी है। इजराइल ने कहा कि उसकी सेना ने साल 2024 की शुरुआत में तेहरान में हमास के पूर्व प्रमुख इस्माइल हानिया की हत्या की थी।

इस हत्या का खुलासा रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज़ ने किया। उन्होंने यमन के हूती विद्रोहियों को चेतावनी दी जिसमें कहा कि उनके नेतृत्व का भी यही हश्र हो सकता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक काट्ज़ ने कहा कि हम हूतियों पर कड़ा प्रहार करेंगे और उनके नेतृत्व को खत्म कर देंगे, जैसा कि हमने तेहरान, गाजा और लेबनान में हानिया, सिनवार और नसरल्लाह के साथ किया है। इजराइल कैट्ज की टिप्पणी से ऐसा प्रतीत होता है कि पहली बार इजराइल ने इस्माइल हानिया की हत्या की बात स्वीकार की है जो जुलाई में ईरान में एक धमाके में मारा गया था। इस धमाके के पीछे इजराइल का हाथ था और नेताओं ने पहले भी इसके शामिल होने के संकेत दिए थे। रिपोर्टों से पता चलता है कि हत्या में एक विस्फोटक उपकरण का इस्तेमाल किया गया था, जिसे इज़राइली गुर्गों ने कुछ हफ़्ते पहले लगाया था। हमास के एक वरिष्ठ अधिकारी ने हानिया हत्या की निंदा करते हुए इसे कायरतापूर्ण कृत्य बताया, जिसकी सज़ा ज़रूर मिलेगी। वहीं, कतर और मिस्र के मध्यस्थों ने चेतावनी दी कि इस कृत्य से युद्ध विराम की बातचीत और गाजा में बंधकों की रिहाई पर देरी हो सकती है। यमन में हूती विद्रोही गाजा में फिलिस्तीनियों के साथ एकजुटता दिखाने के लिए इजराइल पर मिसाइल और ड्रोन हमले कर रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

भारत में रह रही सीमा हैदर हुई प्रेग्नेंट, पाकिस्तानी पति गुलाम हैदर भड़का, कहा-जायज बच्चों को तो पाल नहीं सकी अब नाजायज औलाद पैदा कर रही

करांची। नेपाल के रास्ते पाकिस्तान से भागकर भारत आई सीमा हैदर के मां बनने की खबरें सामने आने लगी हैं। ग्रेटर नोएडा के रबूपुरा गांव में अपने प्रेमी सचिन के रह रही सीमा हैदर ने कहा है कि वह प्रेग्नेंट है। सीमा के इस बयान के बाद उसका पाकिस्तानी पति गुलाम हैदर भड़क उठा। उसने कहा कि वह अपने जायज बच्चों की परवरिश नहीं कर सकी और अब नाजायज औलाद पैदा कर रही है। गुलाम हैदर ने कहा कि एक दिन वह कानून की जद में जरूर आएगी। गुलाम हैदर ने एक यूट्यूब लाइव में सीमा हैदर को खूब खरी खोटी सुनाई। एक फॉलोअर की ओर से जब सीमा की प्रेग्नेंसी को लेकर सवाल किया तो गुलाम ने कहा कि जो औरत अपने जायज औलादों की परवरिश ना कर पा रही है वह नाजायज औलादें पैदा करे या ना करे फर्क नहीं पड़ता। पहले जो बच्चे थे उनकी परवरिश तो कर ना सकी। अब चाहे तो 10 नाजायज औलादें पैदा करे। कानून के हाथ बहुत लंबे हैं। उसे यह अहसास दिया जाएगा। उसे माफ नहीं किया जाएगा। गुलाम हैदर ने कहा कि अदालतों में समय जरूर लगेगा लेकिन सच सामने जरूर आएगा। उसने कहा कि एक गैर मर्द के साथ वह जिस्म के रिश्ते बना रही है और हंसती है ऐसी औरत को क्या कहा जाए। जिसे अपने, बच्चों, शौहर, मां-बाप की इज्जत की परवाह नहीं, उसे क्या फर्क पड़ता है।

बांग्लादेश की यूनुस सरकार ने भारत से की मांग, पूर्व पीएम शेख हसीना को वापस भेजें...

ढाका। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय के सलाहकार डॉ. तौहीद हुसैन ने कहा कि बांग्लादेश सरकार ने आधिकारिक तौर पर भारत सरकार से पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को वापस भेजने की मांग की है। हुसैन ने आज मंत्रालय में मीडिया से बात करते हुए कहा कि बांग्लादेश ने भारत सरकार को एक नोट वर्बल भेजा है, जिसमें देश में न्यायिक प्रक्रिया का सामना करने के लिए हसीना के प्रत्यर्पण की मांग की गई है। बांग्लादेश में हुए हिंसक प्रदर्शनों के बाद 77 वर्षीय हसीना 5 अगस्त को भारत आ गई थी और तब से वह भारत में ही निर्वासन के तहत रह रही हैं। ढाका स्थित अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण ने हसीना और कई पूर्व कैबिनेट मंत्रियों, सलाहकारों और सैन्य और अधिकारियों के खिलाफ मानवता के खिलाफ अपराध और नरसंहार के लिए गिरफ्तारी वारंट जारी किए हैं। विदेश मामलों के सलाहकार तौहीद हुसैन ने अपने कार्यालय में संवाददाताओं से कहा कि हमने भारत सरकार को एक नोट वर्बल (राजनयिक संदेश) भेजा है, जिसमें कहा गया है कि बांग्लादेश न्यायिक प्रक्रिया के लिए उन्हें वापस चाहता है। इससे पहले सुबह गृह सलाहकार जहांगीर आलम ने कहा कि उनके कार्यालय ने अपदस्थ प्रधानमंत्री के भारत से प्रत्यर्पण की सुविधा के लिए विदेश मंत्रालय को एक पत्र भेजा है। उन्होंने एक प्रश्न के उत्तर में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि हमने उनके प्रत्यर्पण के संबंध में विदेश मंत्रालय को एक पत्र भेजा है। प्रक्रिया अभी जारी है। आलम ने कहा कि ढाका और नई दिल्ली के बीच पहले से ही प्रत्यर्पण संधि है और इस संधि के तहत हसीना को बांग्लादेश वापस लाया जा सकता है।

रोज पिएं सब्जियों का जूस, खुद को रखें तरोताजा और एनर्जेटिक

लंदन। सब्जियों का जूस स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद है। खासतौर पर सर्दी के मौसम में वेजिटेबल जूस के फायदे दो गुना बढ़ जाते हैं। ज्यादातर लोग सीधे सब्जी खाना पसंद नहीं करते, ऐसे में वह सब्जियों के जूस के जरिये विटामिन और मिनरल्स की पूर्ति कर सकते हैं। वेजिटेबल्स में प्रोटीन, आयरन, विटामिन और मिनरल जैसे कई पोषक तत्व होते हैं। जो हमारे शरीर और ब्रेन को ताकत देते हैं। वेजिटेबल जूस कच्ची सब्जियों से बनता है इसलिए यह शरीर को टॉक्सिन को मुक्त करता है। रोज सब्जियों के जूस का सेवन करके ना सिर्फ आप खुद को तरोताजा और एनर्जेटिक रख सकते हैं बल्कि यह कई बीमारियों को भी दूर करता है। रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने की बात हो या पोषक तत्वों की प्राप्ति की। सब्जियों के जूस के सेवन से आसानी से संभव हो जाता है। वेजिटेबल मिक्स जूस आंतों को साफ करता है और पाचन शक्ति को बढ़ाता है। चुकंदर में कई ताकतवर तत्व होते हैं। इसमें विटामिन, खनिज, कैल्शियम भरपूर पाए जाते हैं। इसे विटामिन बी12 का पावरहाउस माना जाता है। शरीर में हीमोग्लोबिन की मात्रा बढ़ाने, एनीमिया दूर करने और ब्लड प्रेशर कम करने में चुकंदर का जूस फायदेमंद होता है। पालक हरी पत्तेदार सब्जियों में सबसे पौष्टिक होता है। इसमें भरपूर मात्रा में विटामिन बी12 पाया जाता है। इसके अलावा आयरन, विटामिन ए, विटामिन सी, विटामिन के, फोलेट और पोटैशियम का भी सोर्स होता है। पालक का जूस या सूप विटामिन बी12 की कमी को पूरा कर सकता है।

क्रिसमस और नए साल की तैयारियों की बीच स्टारबक्स कर्मचारी हड़ताल पर

बिक्री पर पड़ेगा असर, सैलरी और काम करने की कंडीशंस को लेकर उठाया कदम

वाशिंगटन

क्रिसमस का त्यौहार की तैयारी जोरों पर है और बाजारों में अपने घर और प्रतिष्ठानों को सजाने में लगे हैं और एन्जॉय करने के लिए होटल व रेस्टोरेंट बुक कर रहे हैं। वहीं क्रिसमस, न्यू ईयर के मौके पर स्टारबक्स के कैफे में काफी भीड़ होती है लेकिन अमेरिका में स्टारबक्स वर्कर्स यूनियन से जुड़े कर्मचारी हड़ताल पर चले गए हैं। पिछले कुछ सालों में भारत में भी स्टारबक्स की कॉफी और स्नैक्स पॉपुलर हुए हैं। कॉफी पीने और एक-दूसरे के साथ अच्छा वक्त बिताने लोग स्टारबक्स के कैफे में जाते हैं।

यूनियन का कहना है कि हड़ताल के शुरुआत में लॉस एंजिल्स, शिकागो और सिएटल में स्टारबक्स के कैफे बंद कर दिए गए थे और अब न्यूजर्सी, न्यूयॉर्क, फिलाडेल्फिया और सेंट लुइस में भी कैफे और स्टोर बंद किए जा रहे हैं। स्टारबक्स ने कहा है कि हड़ताल से अब तक उसके कामकाज पर कोई बड़ा असर नहीं पड़ा है। इस कंपनी के सिर्फ अमेरिका में ही 16 हजार से ज्यादा स्टोर हैं।

अब सवाल यह है कि स्टारबक्स के कर्मचारी हड़ताल क्यों कर रहे हैं। कर्मचारियों ने सैलरी और काम करने की कंडीशंस को लेकर यह कदम उठाया है। यूनियन और स्टारबक्स के मैनेजमेंट के बीच बातचीत चल रही है। कंपनी के मुताबिक वह यूनियन से जुड़े कर्मचारियों के लिए कम से कम 1.5 फीसदी की सालाना बढ़ोतरी करने को तैयार है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यदि स्टारबक्स किसी भी साल में ऐसे कर्मचारी जो यूनियन से नहीं जुड़े हैं, उन्हें कम सैलरी हाइक देता है तो भी वह यूनियन से जुड़े कर्मचारियों की सैलरी में 1.5 फीसदी की बढ़ोतरी करेगी, लेकिन वर्कर्स यूनाइटेड यूनियन प्रति घंटे के हिसाब से काम करने वाले कर्मचारियों के न्यूनतम वेतन में 64 फीसदी और तीन साल के अनुबंध वाले कर्मचारियों की सैलरी में 77 फीसदी की बढ़ोतरी करना चाहती है।

यूनियन का कहना है कि कंपनी के कर्मचारियों और सीईओ सहित स्टारबक्स के सीनियर अधिकारियों के बीच सैलरी को लेकर काफी अंतर है। एक रिपोर्ट के मुताबिक निकोल का एनुअल बेस पे 1.6 मिलियन डॉलर है। उन्हें 7.2 मिलियन डॉलर तक का परफॉर्मेंस रिलेटेड बोनस और हर साल 23 मिलियन डॉकर तक स्टारबक्स शेयर भी मिल सकते हैं।

स्टारबक्स ने कहा है कि वह न केवल बरिस्ता को हर घंटे 18 डॉलर से ज्यादा का भुगतान करती है, बल्कि दूसरे फायदे भी देती है। वर्कर्स यूनाइटेड यूनियन और स्टारबक्स के बीच तमाम चीजों को लेकर बातचीत जारी है। रिपोर्ट के मुताबिक यूनियन और कंपनी के बीच इस बात पर भी समझौता हुआ है कि कर्मचारियों को केवल सही कारणों के चलते ही नौकरी से निकाला जा सकता है।

यूनियन की ओर से यह हड़ताल ऐसे वक्त में की गई है, जब क्रिसमस के साथ ही नए साल के जश्न की भी तैयारियां चल रही हैं। इससे कंपनी की क्रिसमस पर होने वाली बिक्री पर असर पड़ सकता है। स्टारबक्स की बिक्री में गिरावट आई है, विशेष रूप से कीमत ज्यादा होने और गाजा के खिलाफ इजराइल युद्ध के कारण हुए बॉयकाट के कारण।

एक रिपोर्ट के मुताबिक स्टारबक्स ने कहा है कि जुलाई और सितंबर के बीच वैश्विक बिक्री में 7 फीसदी की गिरावट आई है। चीन में यह गिरावट और ज्यादा है, जहां बिक्री में 14 फीसदी की गिरावट देखी गई।

ये क्या हुआ इधर जयशंकर ने फ्लाइट पकड़ी उधर यूनुस सरकार को अमेरिका ने फटकारा

सैन फ्रांसिस्को

भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अमेरिका ये लिए फ्लाइट पकड़ी ही थी कि अमेरिका ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुखिया यूनुस को जमकर लताड़ लगा दी। अमेरिका के नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजर जेक सुलिवन ने यूनुस से फोन पर बात की। सुलिवन ने यूनुस को बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। यूनुस ने भी इस पर सहमति जताई है। व्हाइट हाउस ने इस संबंध में एक बयान जारी कर कहा, दोनों नेताओं ने सभी धर्म के लोगों के मानवाधिकार की रक्षा और सम्मान के लिए प्रतिबद्धता जताई है। बाइडेन प्रशासन द्वारा डोनाल्ड ट्रंप को सत्ता हस्तांतरण के पहले बांग्लादेश में की गई इस कॉल के कई मायने निकाले जा रहे हैं। भारतीय मूल के अमेरिकी सांसद श्री थानेदार ने भी बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हो रहे अत्याचार का मुद्दा उठाया था। उन्होंने व्हाइट हाउस से इस मामले में दखल देने की मांग भी की थी। थानेदार ने कहा था, उत्पीड़न के खिलाफ आवाज उठाने का अमेरिका का इतिहास रहा है। हमें मानवाधिकार के हक में आवाज उठाने के लिए इस बार भी पीछे नहीं हटना चाहिए। हमें प्रधानमंत्री मोहम्मद यूनुस से बात कर शांति स्थापित करने और बराबरी व न्याय के सिद्धांतों वाला देश बनाने की मांग करनी चाहिए। 6 दिन के अमेरिका दौरे पर विदेश मंत्री भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर भी आज से 6 दिन के अमेरिका दौरे पर हैं। बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हो रही हिंसा का मुद्दा भारत ने जोर-शोर से उठाया है। माना जा रहा है कि जयशंकर अमेरिका में भी इस बात को रखेंगे।

लेकिन इधर जयशंकर की फ्लाइट उड़ी, उधर पहले ही बांग्लादेश में फोन खनखनाने लगा। अमेरिका में यूनुस को डांट लगाई, तो उन्होंने सुरक्षा देने पर हामी भी भर दी। इसे भारत की बड़ी कूटनीतिक पारी का परिणाम माना जा रहा है।

बर्फबारी

क्रोएशिया में भारी बर्फबारी के बाद चारों ओर सफेद बर्फ की चादर सी नजर आ रही।

पाक की सैन्य अदालत के फैसले पर अमेरिका-ब्रिटेन ने उठाया सवाल, इमरान समर्थक 25 प्रदर्शनकारियों को सुनाई है सजा

वॉशिंगटन

अरसे से सवालों के घेरे में रहे पाकिस्तान की सैन्य अदालत को लेकर अमेरिका और ब्रिटेन ने एकबार फिर सवाल उठाया है। एकदिन पहले सोमवार को पाकिस्तानी सैन्य अदालत ने इमरान खान के 25 समर्थकों को दो-दस साल की सजा सुनाई। इन्हें 2023 में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद हुए प्रदर्शनों के दौरान सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने का आरोपी बनाया गया था। पाकिस्तान की सैन्य अदालत के सोमवार के फैसले को लेकर अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा कि वाशिंगटन इसे लेकर बहुत चिंतित है कि 9 मई 2023 को विरोध प्रदर्शनों में शामिल होने के लिए एक सैन्य कोर्ट ने पाकिस्तानी नागरिकों को सजा सुनाई है। ब्रिटेन के विदेश मंत्रालय ने कहा कि, सैन्य अदालतों में नागरिकों पर मुकदमा चलाने में पारदर्शिता, स्वतंत्र जांच का अभाव है और यह निष्पक्ष सुनवाई के अधिकार को कमजोर करता है। इस फैसले पर यूरोपीय संघ का भी बयान सामने आया है। यूरोपीय संघ ने कहा कि ये सजाएं नागरिक एवं राजनीतिक अधिकारों से संबंधित अंतरराष्ट्रीय अनुबंध के तहत पाकिस्तान की प्रतिबद्धताओं से मेल नहीं खातीं हैं। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान की अदियाला जेल में बंद इमरान खान के समर्थक 9 मई 2023 को उनकी गिरफ्तारी को लेकर उग्र हो गए थे।

इजरायल में रेगिस्तानी खेती को मिलेगा नया जीवन

येरुशलम

वर्तमान में वारजोन तब्दील देश इजरायल ने प्राचीन इस्लामिक वाटर हार्वेस्टिंग तकनीकों को अपनाकर एक नई दिशा में कदम बढ़ाया है। यह तकनीक 12वीं सदी के बीच पानी की कमी वाले रेगिस्तानी इलाकों में खेती के लिए उपयोग में लाई जाती थीं।

वर्तमान में यह अध्ययन बार-इलान विश्वविद्यालय और यरूशलम स्थित इजरायल एंटीक्विटीज अथॉरिटी के शोधकर्ताओं द्वारा किया गया है। उन्होंने ईरान, गाजा, मिस्र, अल्जीरिया और इबेरिया के अटलांटिक तटों की पारंपरिक जल प्रबंधन और मिट्टी सुधार तकनीकों का अध्ययन कर इजरायल के भूमध्यसागरीय तटीय इलाकों में उनका उपयोग किया। इस शोध का उद्देश्य सूखे और पानी की कमी से जूझ रहे क्षेत्रों में खेती को बचाना और खाद्य असुरक्षा की समस्या को हल करना है। इन तकनीकों में उस पानी का उपयोग किया जाता है जो शहरी रिहायशी इलाकों या वर्षा जल संचयन से प्राप्त होता है। स्थानीय जैविक सामग्री और शहरी कचरे का उपयोग कर रेतीली मिट्टी की परत को उपजाऊ मिट्टी में बदला जाता है।

इस मिट्टी में सब्जियां, खजूर, तरबूज और अंगूर जैसी फसलें उगाई जाती हैं। खास बात यह है कि इन तकनीकों में पानी का छिड़काव करने के बजाय जमीन के भीतर जमा पानी और बारिश के जल का उपयोग किया जाता है। इससे फसलों की जड़ों तक पानी की पर्याप्त आपूर्ति होती है, जिसमें बर्बादी बेहद कम होती है। इस अध्ययन ने दिखाया कि ये प्राचीन तकनीकें न केवल पानी की कमी को दूर करने में कारगर हैं, बल्कि रेगिस्तानी और सूखे इलाकों में खेती के लिए एक स्थायी समाधान भी प्रदान करती हैं। शोधकर्ताओं ने अपने शोधपत्र में उन मुस्लिम वैज्ञानिकों और किसानों का आभार व्यक्त किया है, जिन्होंने इन परंपरागत तरीकों को संरक्षित और साझा किया। शोधकर्ताओं का मानना है कि इन तकनीकों को अपनाकर आज के जलवायु परिवर्तन, पानी की कमी और खाद्य असुरक्षा जैसी वैश्विक समस्याओं से निपटा जा सकता है। यह अध्ययन पर्यावरण आर्कियोलॉजी जर्नल में प्रकाशित हुआ है और इसे वैश्विक स्तर पर सराहा जा रहा है।

सपा, बसपा और कांग्रेस ने बाबा साहेब के आर्दशों का बार—बार अपमान किया : केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ, (हि.स.)। भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर पर इन दिनों सत्ता पक्ष व विपक्ष में आरोप प्रत्यारोप की राजनीति चल रही है। सभी दल अपने आपको बाबा साहब का हितैषी होने का दावा कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि सपा बसपा और कांग्रेस ने बाबा साहेब के आदर्शों का बार-बार अपमान किया है। उप मुख्यमंत्री ने एक्स पर लिखा कि भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने अपना जीवन दलितों, पिछड़ों और वंचितों के अधिकारों के लिए समर्पित किया, लेकिन सपा, बसपा और कांग्रेस ने उनके विचारों का इस्तेमाल केवल वोटबैंक की राजनीति के लिए किया। करहल में दलित बेटी की हत्या और अंबेडकर की मूर्ति तोड़ने पर सपा की चुप्पी, बसपा का बार-बार रंग बदलना और कांग्रेस का घड़ियाली आँसू बहाना इनके असली चरित्र को उजागर करता है। जो लोग गृहमंत्री अमित शाह जी के बयान को तोड़-मरोड़कर नौटंकी कर रहे हैं, उन्हें पहले अपने गिरेबान में झांकना चाहिए। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीजेपी ने सबका साथ, सबका विकास के जरिए बाबा साहेब के सपनों को साकार करने की दिशा में ऐतिहासिक कार्य किए हैं। अब सपा, बसपा और कांग्रेस का यह ढोंग नहीं चलेगा। जनता इनकी सच्चाई समझ चुकी है।

मंदिर प्रबंधन, कथा प्रवीण पाठ्यक्रम की योजना प्रस्तावित : प्रो.बिहारी लाल शर्मा

वाराणसी, (हि.स.)। सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय के ऑनलाइन संस्कृत प्रशिक्षण केन्द्र में मंगलवार से प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई है। वर्ष 2025 में डिप्लोमा पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन पोर्टल 31 जनवरी 2025 तक खुला रहेगा। सभी विषयों के डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेश खोले गए हैं, जिनमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम का शुल्क मात्र 2000 रुपए है। वार्षिक डिप्लोमा में कुल 180 कक्षाएँ संचालित की जाती है। केन्द्र के निदेशक प्रो. रमेश प्रसाद के अनुसार अभ्यर्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए लाइव कक्षाओं का समय सायंकाल छह बजे से रात्रि दस बज के मध्य रखा गया है।

अधिकृत ऐप के माध्यम से अपनी सुविधानुसार अभ्यर्थी कक्षाओं का अवलोकन पाठ्यक्रम की अवधि में कभी भी कर सकते हैं। कक्षाएँ हिन्दी भाषा में एवं सरल मानक संस्कृत भाषा में अभ्यर्थियों की बोधगम्यता को ध्यान में रखते हुए संचालित की जाती हैं। उधर,विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.बिहारी लाल शर्मा ने बताया कि ज्योतिष, वास्तुशास्त्र सहित अन्य डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रारम्भ है। मंदिर प्रबंधन तथा कथा प्रवीण जैसे पाठ्यक्रमों को भी प्रारम्भ करने की योजना प्रस्तावित है। सम्पूर्ण पाठ्यक्रमों को रोजगार कौशल की दृष्टि में सर्वोपरि स्थान दिया गया है। केन्द्र के निदेशक प्रो. रमेश प्रसाद ने बताया कि उत्तर प्रदेश शासन के उच्च शिक्षा विभाग से अनुदानित इस केन्द्र में 10 विषयों में क्रमशः डिप्लोमा उपाधियाँ प्रदान की जाती हैं। उन्होंने बताया कि वर्ष 2024 में ही प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल एवं उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने संयुक्त रूप से इस केन्द्र को लोकार्पित किया था। इस केन्द्र में त्रैमासिक एवं षाण्मासिक प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम तथा वार्षिक डिप्लोमा के पाठ्यक्रम संचालित किए जाते हैं। इस केन्द्र की विशेषता यह है कि बिना किसी पूर्व योग्यता के कोई भी व्यक्ति दुनिया के किसी भी कोने से ऑनलाइन माध्यम से इसमें प्रवेश प्राप्त कर सकता है । इसमें कक्षाएँ, परीक्षाएँ एवं प्रमाणपत्र आदि समस्त प्रक्रिया ऑनलाइन ही सम्पादित की जाती है।

निर्माण के नाम पर सड़कों पर बॉल्डर डालकर छोड़ दिया ठेकेदारों ने, पैसे के अभाव में बंद है काम

खूंटी, (हि.स.)। जिले के ग्रामीण इलाकों में मजबूतीकरण के नाम दर्जनों सड़कों पर संवेदकों ने बड़े-बड़े बॉल्डर डालकर छोड़ दिया। इसके कारण आये दिन दो पहिया वान चालक और साइकिल सवार दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं।कपिछले तीन महीनों से लगभग निमार्णाधीन सभी सड़कों का यही हाल है। अक्टूबर महीने में इन सड़कों के मजबूतीकरण का काम अलग-अलग संवेदकों के जरिये शुरू किया गया। ठेकेदारों ने सड़कों को खोदकर बॉल्डर डालकर छोड दिया। पिछले तीन महीना से सड़कों का निर्माण कार्य बंद है। तोरपा से जरियागढ़, एरमेरे से ईचा, दियांकेल से बडरूटोली, कतारी मोड़ से सुदारी सहित खूंटी, तोरपा, कर्रा, रनिया और मुरहू प्रखंड के ग्रामीण इलाकों में सड़कों का निर्माण कार्य बंद है। तोरपा प्रखंड के ईचा गांव के रहने वाले दीपक गुप्ता, चमन महतो, सूरज महतो, दिंयांकेल गांव के सुमिज सोय, बडरूटोली गांव के माइकल फ्रांसिस धान और शांता सिंह कहते हैं कि सड़कों के निर्माण कार्य बंद होने से लोगों को खासकर स्कूली बच्चों को काफी परेशानी हो रही है। सड़कों पर बड़े-बड़े बॉल्डर डालकर छोड़ दिये जाने से बाइक सवारों और साइकिल चलाने वालों को काफी परेशानी हो रही है। आये दिन लोग दुर्घटना में घायल हो रहे है। लोगों का कहना है कि विधायक को इस दिशा में पहल करनी चाहिए। ग्रामीणों ने कहा कि बहुत जल्द वे विधायक को ज्ञापन सौंपकर सड़कों का निर्माण कार्य पूरा कराने की मांग करेंगे। सड़कों के अधूरे निर्माण कें संबंध में भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य संतोष जयसवाल ने कहा कि इस बात की जांच होनी चाहिए कि सड़कों को अधूरा क्यों छोड़ दिया गया है। एदि पैसे के अभाव में काम ठप है, तो आखिर रकम गई कहां? उन्होंने कहा कि सरकार की गलती का खमियाजा आखिर जनता क्यों भुगते। विभिन्न ग्रामीण इलाकों में सड़कों के अधूरे निर्माण के संबंध में पूछे जाने पर ग्रामीण कार्य विभाग के कार्यपालक अभियंता सुशील झा कहते हैं कि फंड के अभाव में सड़कों का निर्माण कार्य बंद है। अभी कहना मुश्किल है कि विभाग को रकम कब मिलेगी। उन्होंने कहा कि पैसा मिलते ही सड़कों का निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा।

पंचायत भवन निर्माण को लेकर हिंसक झड़प में 1 की मौत, दो घायल

नवादा, (हि.स.)। नवादा में मंगलवार को दो पक्षों के बीच हिंसक झड़प में एक व्यक्ति की मौत हो गई ।जबकि दो लोग घायल हुए हैं। मृतक की पहचान 70 वर्षीय मो सज्जाद के रूप में की गई है। जिले में कौआकोल थाना क्षेत्र के करमाटांड़ गांव का ये पूरा मामला है। दो पक्षों में हुई हिंसक झड़प के बाद स्थिति को नियंत्रित करने के लिए भारी संख्या में पुलिस की तैनाती की गई है। घटना की जानकारी मिलते ही एसपी अभिनव धीमान मौके पर पहुंचे। उन्होंने खुद स्थिति का जायजा लिया। इलाके में बड़ी संख्या में पुलिस मौजूद है। ताकि किसी तरह का विवाद फिर से शुरू ना हो। हालांकि दोनों पक्षों के बीच तनाव का माहौल कायम है। पुलिस अधीक्षक अभिनव धीमान के नेतृत्व में छापेमारी की गई है, जिसमें 11 लोगों को हिरासत में लिया गया है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि पंचायत सरकार भवन बनाने को लेकर ये विवाद शुरू हुआ है। इसी विवाद में मारपीट की घटना को अंजाम दिया गया है। बात इतनी बढ़ी कि मारपीट की घटना में एक बुजुर्ग की जान चली गई। प्रशासन की ओर से घटना के बाद मजिस्ट्रेट की भी तैनाती कर दी गई है। इस पूरे मामले में डीएसपी महेश कुमार ने बताया कि कौआकोल थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि दो पक्षों के बीच मारपीट हुई है। मौके पर पहुंचकर पुलिस ने घटना की जांच की तो पता चला कि दो व्यक्ति गंभीर रूप से जख्मी हुए हैं। एक व्यक्ति की मौत हो गई है। घटना के बाद फॉरेंसिक टीम को मौके पर बुलाया गया। आगे की जांच में पुलिस जुट गई है। इस पूरी घटना पर पुलिस अधीक्षक ने एसआईटी का गठन किया है। छापेमारी कर 11 लोगों को हिरासत में लिया गया है। अन्य अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

नागालैंड के मुख्यमंत्री व प्रदेशवासियों को महाकुंभ-2025 का मंत्री 'दयालु' ने दिया न्योता

-बोले—महाकुंभ-2025 का संदेश पूरी दुनिया में जाएगा

वाराणसी, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. दयाशंकर मिश्र दयालु और ऊर्जा एवं वैकल्पिक ऊर्जा राज्य मंत्री सोमेंद्र तोमर ने नागालैंड के मुख्यमंत्री नेफियू रियो को महाकुंभ-2025 में शामिल होने का निमंत्रण दिया। कोहिमा में हुई शिष्टाचार भेंट के दौरान मंत्रियों ने वहां के मुख्यमंत्री को बताया कि प्रयागराज में आयोजित होने वाला यह महाकुंभ न केवल भारत की सांस्कृतिक विविधता का प्रतीक है, बल्कि वैश्विक स्तर पर आध्यात्मिक और धार्मिक महत्व को भी उजागर करेगा। इसके बाद मंत्रियों ने नागालैंड के उपमुख्यमंत्री यानथुंगो पैटन से भी मुलाकात की और उन्हें महाकुंभ में आने का निमंत्रण दिया। दीमापुर के पार्क में आयोजित पत्रकार वार्ता और रोड शो के जरिए नागालैंड के लोगों को महाकुंभ के महत्व और तैयारियों के बारे में जानकारी दी गई। आयुष मंत्री डॉ. दयाशंकर मिश्र दयालु ने बताया कि महाकुंभ-2025 विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक आयोजन होगा, जिसमें लाखों श्रद्धालु संगम में डुबकी लगाकर आत्मिक शांति प्राप्त करेंगे। उन्होंने कहा कि इस बार का महाकुंभ डिजिटल युग का अद्भुत उदाहरण होगा। इसमें स्नान, ध्यान, भ्रमण, सुरक्षा और ठहरने की बेहतरीन व्यवस्था की गई है। उन्होंने भारत की सांस्कृतिक एकता और "वसुधैव कुटुंबकम" के दर्शन को इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य बताया। ऊर्जा मंत्री सोमेंद्र तोमर ने कहा कि महाकुंभ हमारे समाज की विविधता को एक सूत्र में पिरोने का काम करता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में महाकुंभ की तैयारियां युद्धस्तर पर की जा रही हैं। जैसे-जैसे यह पवित्र घड़ी नजदीक आ रही है, महाकुंभ का आयोजन अपने दिव्य स्वरूप में आकार ले रहा है। महाकुंभ-2025 प्रयागराज में 12 वर्षों बाद आयोजित हो रहा है। इस आयोजन का उद्देश्य न केवल धार्मिक आस्था को सुदृढ़ करना है, बल्कि भारत की सांस्कृतिक धरोहर और एकता को भी दुनिया के सामने प्रस्तुत करना है। आयुष मंत्री के वाराणसी जनसम्पर्क अधिकारी गौरव राठी ने यह जानकारी दी। राठी ने बताया कि नागालैंड के दो दिवसीय दौरे के दौरान आयुष मंत्री डॉ. दयाशंकर मिश्र ने नागालेंड के भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष से भी शिष्टाचार मुलाकात की और उन्हें भी महाकुम्भ में आने के लिए आमंत्रित किया। वहां से मंत्री देर शाम तक वाराणसी आ जाएंगे।

कपड़ा गोदाम व जूट की दुकान में लगी भीषण आग, लाखों का नुकसान

फिरोजाबाद, (हि.स.)। थाना उत्तर क्षेत्र अन्तर्गत सोमवार की देर रात एक कपड़ों के गोदाम और जूट की दुकान में भीषण आग लग गई। आग लगने से लाखों का नुकसान हुआ है। पुलिस आग लगने के कारणों की जांच कर रही है। घटना थाना उत्तर क्षेत्र के मौहल्ला गंज की है। यहां सोमवार की देर रात राकेश बंसल के कपड़े के गोदाम और ईशानदत्त बंसल की जूट की दुकान में भीषण आग लग गई। आग लगने से क्षेत्र में अफरा तफरी मच गई।आग की लपटें इतनी भीषण थीं कि इसे देख लोग हैरान रह गए। दुकानों के ऊपर रहने वाले लोग भी आग की लपटों में फंस गए। मौके पर भारी संख्या में लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना फायर बिग्रेड को दी गई। आग की सूचना मिलते ही फायर बिग्रेड की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाया। फायर ब्रिगेड की टीम ने दुकान के ऊपर आग की लपटों में फंसे सभी लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। जिससे उन्होंने राहत की सांस ली। आग लगने के कारण लाखों रुपये का माल जलकर राख हो गया। प्रारंभिक जांच में आग का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। पुलिस घटना की जांच कर रही है।

राज्य में ठंड और कोहरे के बीच 28 को बारिश के आसार

रांची, (हि.स.)। राजधानी रांची सहित राज्य के अन्य हिस्सों में मंगलवार सुबह कोहरे के साथ आंशिक रूप से बादल छाए रहे। हवा भी लगातार चल रही है। पूवार्नुमान है कि 25, 26 और 27 दिसंबर को सुबह में कोहरा छाया रहेगा।

धीरे-धीरे मौसम साफ होगा। इसके बाद 28 दिसंबर को राज्य में आंशिक बादल छाए रहेंगे। साथ ही उत्तर पश्चिमी तथा निकटवर्ती उत्तरी भागों में कहीं-कहीं पर हल्की बारिश होने की संभावना है। रांची स्थित मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, पिछले 24 घंटे में रांची का अधिकतम तापमान 26.0 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 11.2 डिग्री सेल्सियस रहा। इसी तरह जमशेदपुर का अधिकतम तापमान 27.3 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 12.7 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। पिछले 24 घंटे में डाल्टनगंज का अधिकतम तापमान 27.2 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 12.1 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। बोकारो का अधिकतम तापमान 25.1 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 11.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। रांची मौसम केंद्र के वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने मंगलवार को बताया कि पिछले 24 घंटे में सबसे कम न्यूनतम तापमान 10.1 डिग्री सेंटीग्रेड देवघर में दर्ज किया गया। सबसे अधिक उच्चतम तापमान 27.6 डिग्री सेंटीग्रेड पलामू में रहा। पिछले 24 घंटे में राज्य में मौसम शुष्क रहा जबकि कहीं-कहीं पर कोहरा भी दर्ज किया गया।

डीजीपी की सख्ती का असर, एसपी समेत अन्य पुलिस अधिकारी सड़क पर उतरकर चलाया वाहन जांच अभियान

अररिया, (हि.स.)। डीजीपी विनय कुमार की सख्ती का असर अब सुदूरवर्ती जिलों में भी देखने को मिल रहा है। सड़क पर थाना पुलिस के साथ जिले के वरीय पुलिस अधिकारी भी सड़क पर उतरकर विधि व्यवस्था संधारण में लगे हैं। इसी कड़ी में बीती सोमवार की रात एसपी अमित रंजन के साथ एएसपी रामपुकार सिंह,डीएसपी हेडक्वार्टर फखरे आलम,नगर थानाध्यक्ष मनीष कुमार रजक पुलिस अधिकारियों और बलों के साथ सड़क पर उतरकर शहर के विभिन्न स्थानों समेत बस स्टैंड के पास वाहनों का जांच अभियान चलाया। सड़क से गुजरने वाले सभी चार पहिया वाहनों,दो पहिया वाहनों की सख्ती से जांच की गई। पुलिस अधिकारियों ने सड़क से एगुजरने वाले वाहनों को रोका गया और फिर उनको टोका गया।पुलिस अधिकारियों ने खासकर दो पहिया वाहन चालकों से रात में घरों से बाहर निकलने के कारणों को जाना गया और फिर सख्त लहजे में ट्रैफिक नियमों को पालन करने का निर्देश दिया गया। पुलिस अधिकारियों ने चार पहिया वाहन की डिक्की समेत कार की तलाशी भी ली गई। इस दौरान ट्रैफिक नियम पालन नहीं करने वाले वाहन चालकों से जुमार्ने की राशि भी वसूली गई। रात में अररिया जिला पुलिस की ओर से चलाए गए वाहन जांच अभियान से हड़कंप मच गया।

बीएचयू के युवा वैज्ञानिक को मिला शी इन्सपायर अवार्ड

वाराणसी, (हि.स.)। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के जंतु विज्ञान विभाग के डीएसटी इन्सपायर पीएचडी फेलो युवा वैज्ञानिक ओलिविया माझी को शी इन्सपायर अवार्ड के लिए चुना गया है। यह अवार्ड भारत के उन युवा वैज्ञानिकों के लिए है, जो स्कूल के बच्चों को विज्ञान के लिए प्रेरित करे और समाज को एक नई दिशा दे।

विश्वविद्यालय के जनसम्पर्क कार्यालय के अनुसार पूरे भारत से यह अवार्ड 9 लोगों को दिया गया, जिसमें से ओलिविया एक है। ओलिविया को यह अवार्ड इंडिया बायोसाइंसेज और रुखाम्भई फाउंडेशन की तरफ से मिला है। इस परियोजना के तहत, ओलिविया ने सेंट्रल हिन्दू गर्ल्स स्कूल और लिटिल फ्लावर हाउस के विद्यार्थियों के बीच जाकर विज्ञान को कैरियर के रूप में चुनने के लिए प्रेरित किया। ओलिविया ने प्रश्नोत्तरी, विज्ञान आओ करके सीखे के साथ ही विद्यार्थियों को कई रोचक बातें बताईं। आज के युग में अपने आगे के कैरियर को चुनने में क्या सावधानी बरतनी चाहिए। इसके भी बारे में विस्तार से बताया। विद्यार्थियों ने भी इसमें बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। और कई सारे सवाल पूछे। युवा वैज्ञानिक ओलिविया माझी जंतु विज्ञान विभाग के डॉ देवांजन सिन्हा के सानिध्य में स्टेम सेल पर अपना शोध कार्य कर रही हैं।

राज्य में गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही 108 एंबुलेंस सेवा : बाबूलाल मरांडी

रांची, (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने राज्य की 108 एंबुलेंस सेवा पर सवाल खड़े किये हैं। उन्होंने मंगलवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा है कि झारखंड में 108 एंबुलेंस सेवा, जो आपातकालीन चिकित्सा सहायता के लिए जनजीवन का अहम हिस्सा है, गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही है। मरांडी ने लिखा है कि एंबुलेंस के रिस्पांस टाइम में भारी देरी हो रही है। शहरों में औसतन 25 मिनट और ग्रामीण इलाकों में 40 मिनट का समय लगना तय है लेकिन वास्तविकता इससे भी ज्यादा चिंताजनक है। कई बार कॉल करने के 60 मिनट बाद भी एंबुलेंस नहीं पहुंचती, जिससे मरीजों की जान जोखिम में पड़ रही है। उन्होंने कहा है कि जहां पांच मिनट की देरी में लोगों की जिंदगी और मौत तय हो जाती है, वहीं झारखंड में एंबुलेंस 20 से लेकर 30 मिनट तक देरी से पहुंच रही हैं। समय पर इलाज की सुविधा मिलने से जो मरीज ठीक भी हो सकते हैं वो भी एंबुलेंस और इलाज के अभाव में जान गंवाने को विवश हैं। मरांडी ने कहा है कि राज्य में कुल 543 एंबुलेंस हैं लेकिन इनमें 77 एंबुलेंस खराब हालत में हैं और सेवा से बाहर हैं। नियमानुसार हर 21 हजार की आबादी पर एक एंबुलेंस होनी चाहिए लेकिन झारखंड में यह औसत 34 हजार से अधिक है। खराब प्रबंधन और संसाधनों की कमी से मरीजों को समय पर मदद नहीं मिल पा रही है, जिससे उनको जान तक गंवानी पड़ रही है। मरांडी ने कहा है कि मुख्यमंत्री जी, लोगों की जिंदगी से खिलवाड़ करना बंद करें और तत्काल सार्थक कदम उठाकर इस संवेदनशील मुद्दे पर गंभीरता से विचार करें। साथ ही संसाधनों एवं इलाज की पुख्ता व्यवस्था करें ताकि इलाज के अभाव में किसी भी झारखंडी की जान न जाए।

मिनी हाईवा और ट्रक के बीच टक्कर, विक्रमशिला सेतु पर लगा जाम

भागलपुर, (हि.स.)। भागलपुर के विक्रमशिला सेतु पर मंगलवार की अहले सुबह मिनी हाईवा और ट्रक के बीच टक्कर हो गई। इस घटना में मिनी हाईवा विक्रमशिला पुल पर रेलिंग को तोड़ते हुए चढ़ गया। गनीमत रहा कि मिनी हाइवा नदी में नहीं गिरा। घटना के बाद से जाम जैसे स्थिति बनी गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहन को क्रेन की मदद से रेलिंग से उतार लिया। घटना के बाद से विक्रमशिला सेतु पर पांच घंटे तक जाम की स्थिति बनी रही। बताया जा रहा है कि भागलपुर के तरफ से जा रहे गिट्टी लदे ओवरलोड ट्रक ने मिनी हाईवा को सामने से टक्कर मार दिया। इसके बाद मिनी हाईवा एक सो मीटर दूर जाकर रेलिंग से जा टकराई। इसके बाद मिनी हाईवा रेलिंग में फंस गई। विक्रमशिला सेतु के रेलिंग भी क्षतिग्रस्त हुआ है। विक्रमशिला सेतु पर राहगीरों ने बताया कि हादसे में मिनी हाईवे के चालक गंभीर रूप से जख्मी है। जिन्हें इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उधर घटना के बाद वाहन चालक मौके पर ट्रक छोड़कर फरार हो गया। बताया जा रहा है कि ट्रक तेज रफ्तार में थी। ओवरलोड होने के कारण अनियंत्रित हो गई। जिसके बाद यह घटना हुई। हालांकि मौके पर पहुंचकर भागलपुर के ट्रैफिक पुलिस कर्मी ने क्षतिग्रस्त वाहन को हटा लिया है।

सेल को संचार उत्कृष्टता के लिए मिले आठ राष्ट्रीय पुरस्कार

नई दिल्ली

पब्लिक रिलेशंस सोसाइटी ऑफ इंडिया (पीआरएसआई) की ओर से स्टील ऑथरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) को आठ राष्ट्रीय पुरस्कार मिले हैं। यह पुरस्कार रायपुर में आयोजित एक सम्मेलन में दिए गए।

इस्पात मंत्रालय ने मंगलवार को एक बयान जारी कर बताया कि सेल को ये पीआरएसआई राष्ट्रीय पुरस्कार 2024 रायपुर में आयोजित 46वें अखिल भारतीय जनसंपर्क सम्मेलन में दिए गए। यह सम्मेलन यहां 20-22 दिसंबर के दौरान आयोजित हुआ था। मंत्रालय ने कहा कि सेल को विभिन्न श्रेणियों में मान्यता दी गई है।

मंत्रालय के मुताबिक सेल ट्रैक के लिए ई-न्यूजलेटर, कॉर्पोरेट फिल्म (अंग्रेजी), सेल गौरव दिवस समारोह के लिए सर्वश्रेष्ठ संचार अभियान (आंतरिक सार्वजनिक), सेल समाचार के लिए हाउस जर्नल (अंग्रेजी), इस्पात संयंत्र प्रौद्योगिकियों के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने के लिए सर्वश्रेष्ठ पीआर कार्यक्रम, हरित इस्पात को बढ़ावा देने के लिए कॉर्पोरेट अभियान में सोशल मीडिया का सर्वश्रेष्ठ उपयोग, कॉर्पोरेट वेबसाइट तथा वार्षिक रिपोर्ट के लिए पुरस्कृत किया गया है। सेल के अध्यक्ष अमरेंदु प्रकाश ने इस पुरस्कार की सराहना करते हुए कहा कि यह पुरस्कार सेल की छवि और पहुंच को बढ़ाने में हमारी संचार पहल के विभिन्न प्रयासों को रेखांकित करते हैं। उन्होंने कहा कि सेल ने हमेशा प्रभावी संचार पर जोर दिया है, जो कंपनी की छवि को आकार देने और बेहतर हितधारक संबंध बनाने में अहम भूमिका निभाता है। ये सम्मान संचार में उत्कृष्टता के लिए सेल के समर्पण का प्रमाण है। इसके साथ ही सेल के सभी कर्मचारियों ने इस उपलब्धि की सराहना की है।

न्यूज ब्रीफ

देश में पब्लिक ईवी चार्जर की कुल संख्या हुई 25,202

नई दिल्ली। देश में पब्लिक ईवी चार्जर की कुल संख्या 25,202 हो गई है। देश में पब्लिक इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) चार्जर की संख्या अब 25,000 के आंकड़े को पार कर चुकी है। देश के भारी उद्योग और इस्पात राज्य मंत्री भूपतिराजू श्रीनिवास वर्मा ने एक लिखित उत्तर में राज्यसभा को बताया कि कर्नाटक 5,765 पब्लिक ईवी चार्जिंग स्टेशनों के साथ पहले स्थान पर है। इसके बाद महाराष्ट्र 3,728 स्टेशनों के साथ दूसरे और उत्तर प्रदेश 1,989 स्टेशनों के साथ तीसरे स्थान पर है। भारत सरकार द्वारा ईवी के इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएं शुरू की गई हैं। भारी उद्योग मंत्रालय (एमएचआई) ने 29 सितंबर 2024 को पीएम इलेक्ट्रिक ड्राइव रिवोल्यूशन इन इनोवेटिव व्हीकल एन्हांसमेंट (पीएम ई-ड्राइव) योजना को नोटिफाई किया था, जिसका उद्देश्य इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने में तेजी लाना, चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर की स्थापना करना और देश में ईवी मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम को बढ़ावा देना है। इस योजना के लिए दो साल की अवधि में 10,900 करोड़ रुपये का बजट रखा गया है, जिसमें से 2,000 करोड़ रुपये सार्वजनिक ईवी चार्जिंग स्टेशनों की स्थापना के लिए आवंटित किए गए हैं।

प्याज की कीमतों में भारी गिरावट, मंडी में 36 रुपये से घटकर 17 रुपये प्रति किलो हुआ दाम

नासिक। महाराष्ट्र के नासिक जिले की लासलगांव प्याज मंडी में हाल ही में प्याज की कीमतों में गिरावट देखी गई है। पिछले कुछ दिनों से प्याज की कीमतें मात्र 17 रुपये 25 पैसे प्रति किलो तक आ गई हैं, जो पहले 36 रुपये प्रति किलो थी। इस गिरावट से प्याज उत्पादक किसानों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। नासिक की लासलगांव मंडी में प्याज की आवक में भी इजाफा हुआ है, जिससे बाजार में 25,000 बोरी प्याज उपलब्ध हैं। दिसम्बर के महीने के लिए, प्याज के दाम में 700 रुपये से लेकर 2851 रुपये प्रति क्विंटल तक का अंतर है। प्रशासनिक स्तर पर प्याज उत्पादक किसान सरकार से मांग कर रहे हैं कि 20 फीसदी एक्सपोर्ट ड्यूटी को हटाया जाए ताकि उन्हें राहत मिल सके। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल से इस मुद्दे पर विचार किया है, लेकिन अब तक कोई निर्णय नहीं लिया गया है। यह मुद्दा न केवल नासिक के किसानों के लिए बल्कि पूरे राज्य के किसानों के लिए भी महत्वपूर्ण है। उम्मीद है कि सरकार जल्दी से जल्दी इस मसले पर कदम उठाएगी और किसानों की समस्याओं का समाधान करेगी।

भुवनेश्वर में हरित हाइड्रोजन ईंधन स्टेशन स्थापित किया जाएगा

भुवनेश्वर। ओडिशा में एक महत्वपूर्ण योजना पर हस्ताक्षर किए गए, जिसमें सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली कंपनी एनटीपीसी ने ग्रिडको और सीआरयूटी के साथ उनकी हरित हाइड्रोजन परिवहन योजना के लिए समझौता किया है। इस समझौते का उद्देश्य है ओडिशा में हरित ऊर्जा प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देना है। एनटीपीसी की इस योजना के तहत भुवनेश्वर में हरित हाइड्रोजन ईंधन स्टेशन स्थापित किया जाएगा, जिससे छोटी और लंबी दूरी तक की हाइड्रोजन बसें चलाई जा सकेंगी। इससे डीजल चलने वाली बसों पर निर्भरता कम होगी और कार्बन उत्सर्जन में भी कमी आएगी। एनटीपीसी ने पिछले कुछ सालों में कई बड़े शहरों में इसी प्रकार की पहल की है, जैसे कि सूरत, लेह, ग्रेटर नोएडा, और गुजरात के कांडला में। इसके साथ ही कंपनी विशाखापत्तनम में एक हरित हाइड्रोजन केंद्र भी विकसित कर रही है। एनटीपीसी का लक्ष्य है कि वर्ष 2032 तक 60,000 मेगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता स्थापित करना। इस योजना से ओडिशा को हरित हाइड्रोजन परिवहन के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी, जिससे प्रदूषण कम होगा और वायु प्रदूषण पर प्रभाव भी कम होगा। यह साथ ही एनटीपीसी की योजनाएं भारत को ऊर्जा स्वायत्तता की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकती हैं।

एनएसीडीएसी की स्टॉक मार्केट में धांसू एंट्री, पहले दिन ही निवेशकों के पैसे डबल हुए

नई दिल्ली

इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में काम करने वाली कंपनी एनएसीडीएसी इंफ्रा के शेयरों ने स्टॉक मार्केट में जोरदार एंट्री की। कंपनी के शेयरों की 90 प्रतिशत लिस्टिंग गेन के साथ मार्केट में एंट्री हुई। लिस्टिंग के थोड़ी देर बाद ही खरीदारी के सपोर्ट से ये शेयर उछल कर अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गया, जिसके कारण पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों का पैसा लगभग डबल हो गया।

एनएसीडीएसी इंफ्रा के शेयर आईपीओ के तहत 35 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर ये शेयर 66.50 रुपये के स्तर पर लिस्ट हुए। लिस्टिंग के बाद खरीदारों ने इसे हाथों हाथ लिया, जिसके कारण थोड़ी ही देर में ये शेयर 69.82 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गया।

एनएसीडीएसी इंफ्रा का 10.01 करोड़ रुपये का आईपीओ 17 से 19 दिसंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जोरदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 2,209.76 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन में 236.39 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन 4,084.46 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन में 2,503.66 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। आईपीओ के तहत कंपनी की ओर से 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 28.60 लाख शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपने वर्किंग कैपिटल की जरूरत को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। एनएसीडीएसी इंफ्रा की ओर से उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार ये कंपनी रेजिडेंशियल और कमर्शियल मल्टी स्टोरी बिल्डिंग बनाने के साथ ही इंस्टीट्यूशनल स्ट्रक्चर्स बनाती है। इसने अभी तक भारत सरकार और उत्तराखंड सरकार के 45 प्रोजेक्ट्स को पूरा किया है।

टाटा ग्रुप का आईपीओ लिस्टिंग की तैयारी में

मुंबई। आईपीओ में पैसा लगाने वाले निवेशकों के लिए गुड न्यूज है, जैसे कि देश का सबसे बड़ा औद्योगिक समूह टाटा ग्रुप ने अपनी एक कंपनी को लिस्ट करने की तैयारी शुरू कर दी है। रिपोर्ट्स के अनुसार, टाटा कैपिटल का आईपीओ लगभग 2 अरब डॉलर (करीब 17,035 करोड़ रुपए) का हो सकता है। सूत्रों के मुताबिक टाटा ग्रुप ने इसके लिए कुछ प्रमुख निवेश बैंकों के साथ चर्चा शुरू कर दी है और हाल ही में कोटक इन्वेस्टमेंट बैंकिंग के अधिकारियों के साथ बैठक के बाद इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाने की अनुमति दी गई है। जनवरी तक अतिरिक्त बैंकर्स की नियुक्ति भी की जा सकती है। इस खबर के बाद टाटा ग्रुप की होल्डिंग कंपनी टाटा इन्वेस्टमेंट कॉरपोरेशन के शेयरों में 8 फीसदी उछाल देखने को मिला। यह आईपीओ टाटा ग्रुप की रणनीतिक योजनाओं का हिस्सा है और निवेशकों को आकर्षक अवसर प्रदान कर सकता है। आरबीआई के नियमों के अनुसार टाटा संस और टाटा कैपिटल को अपर लेयर एनबीएफसी के रूप में क्लासिफाई किया गया है और उन्हें सितंबर 2025 तक अपने शेयरों को लिस्ट कराना जरूरी है। टाटा कैपिटल में टाटा संस की 93 फीसदी हिस्सेदारी है।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की घटी चमक

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट का रुख नजर आ रहा है। इस गिरावट की वजह से देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 77,500 रुपये से लेकर 77,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 71,050 रुपये से लेकर 70,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी मामूली गिरावट आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत 91,300 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर आ गई है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 77,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 71,050 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 77,350 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 70,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 77,400 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 70,950 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 77,350 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 70,900 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 77,350 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 70,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 77,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 71,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं, पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 77,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 70,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

एडीबी भारत को 50 करोड़ डॉलर का कर्ज देगा

शहरी परियोजनाओं, शिक्षा और स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्रों को बढ़ावा मिलेगा

नई दिल्ली

सरकार ने देश की जलवायु प्रतिबद्धताओं के साथ समर्थन के लिए एशियाई विकास बैंक (एडीबी) के साथ 50 करोड़ डॉलर के ऋण समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। वित्त मंत्रालय ने बताया कि यह ऋण भारतीय इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस कंपनी लिमिटेड को गारंटी के साथ दिया जाएगा। इस समझौते से शहरी परियोजनाओं, शिक्षा और स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्रों को बढ़ावा मिलेगा।

वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग के निदेशक मियो ओका ने इस ऋण के लिए हस्ताक्षर किए। ओका ने इस समझौते को बहुत महत्त्वपूर्ण बताते हुए कहा कि इससे देश की परियोजनाओं को विकास करने में मदद मिलेगी। एडीबी का यह वित्तपोषण आईआईएफसीएल को ऊर्जा बदलाव, शहरी परियोजनाओं, शिक्षा और स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्रों से जुड़ी परियोजनाओं के लिए दीर्घकालिक पूंजी प्रदान करेगा। इस समझौते से देश में हरित, टिकाऊ और सुस्त विकास के लिए जमीनी बुनियादी ढांचा मजबूत होगा। यह ऋण प्रोजेक्ट्स को सकारात्मक दिशा में बढ़ाएगा और समुदायों को सामूहिक उपयोग के लिए समर्थ बनाएगा। इस समझौते के माध्यम से एक और कदम हुआ जिससे देश की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा।

डीलर फाइनेंस समाधान के लिए महिंद्रा ट्रैक्टर्स ने किया पीएनबी के साथ एमओयू

नई दिल्ली

महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड की इकाई महिंद्रा ट्रैक्टर्स ने अपने डीलरों को वित्तीय समाधान उपलब्ध कराने के लिए पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) के साथ साझेदारी की है। इसके दोनों भागीदारों ने एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर भी किए हैं।

महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड ने मंगलवार को एक बयान जारी कर बताया कि महिंद्रा ट्रैक्टर्स ने अपने डीलरों को चैनल फाइनेंस समाधान प्रदान करने के लिए पीएनबी के साथ साझेदारी की है। इस साझेदारी के तहत एक साल से ज्यादा समय से कारोबार कर रहे सभी महिंद्रा ट्रैक्टर डीलर चैनल फाइनेंस सीमा के लिए पात्र हैं। कंपनी ने बताया कि इस समझौते के तहत डीलरों को 105 दिन की क्रेडिट अवधि का लाभ मिलेगा। इसके साथ ही 15 दिन की अतिरिक्त छूट अवधि भी मिलेगी और बिना किसी मार्जिन के महिंद्रा एंड महिंद्रा इनवॉइस की सौ फीसदी फंडिंग का लाभ मिलेगा। इसके तहत पांच करोड़ रुपये तक की 'फाइनेंस' सीमा दी जाती है, जिसमें 105 दिन की बिक्री के आधार पर सीमा का आकलन किया जाएगा।

महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड के अध्यक्ष (कृषि उपकरण क्षेत्र) हेमंत सिक्का ने कहा कि पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) के साथ सहयोग से कार्यशील पूंजी प्रबंधन को बेहतर कर सकेंगे, जिससे हमारे डीलर को कृषक समुदाय को बेहतर सेवा प्रदान करने में मदद मिलेगी।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशियाई बाजारों में तेजी का रुख

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के कारोबार के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी फिलहाल मामूली गिरावट के साथ कारोबार करता नजर आ रहा है। इसी तरह यूरोपीय बाजार भी पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एशियाई बाजारों में आमतौर पर मजबूती नजर आ रही है। अमेरिका में कंज्यूमर कॉन्फिडेंस इंडेक्स में आई गिरावट और ड्यूरेबल गुड्स के ऑर्डर में आई कमी की वजह से डाउ जॉन्स पिछले सत्र के दौरान कमजोरी के साथ बंद हुआ। दूसरी ओर, एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.73 प्रतिशत की तेजी के साथ 5,974.07 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 188.38 अंक यानी 0.96 प्रतिशत की तेजी के साथ 19,760.97 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.02 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 42,899.60 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार की तरह यूरोपीय बाजार भी पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.22 प्रतिशत की तेजी के साथ 8,102.72 अंक के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर, सीएसी इंडेक्स ने 0.03 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 7,272.32 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 0.18 प्रतिशत टूट कर 19,848.77 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजारों में आमतौर पर खरीदारी का रुख बना हुआ है। एशिया के 9 बाजारों में से 7 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 2 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। निक्केई इंडेक्स 107.82 अंक यानी 0.28 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 39,053.52 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 0.12 प्रतिशत की गिरावट के साथ 2,438.97 अंक के स्तर पर पहुंच गया है। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.17 प्रतिशत की तेजी के साथ 23,780 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.41 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3,767.72 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। हैंग सेंग इंडेक्स में जोरदार तेजी आई है। फिलहाल ये सूचकांक 238 अंक यानी 1.20 प्रतिशत की मजबूती के साथ 20,121.13 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 152.54 अंक यानी 0.66 प्रतिशत उछल कर 23,257.08 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.68 प्रतिशत की तेजी के साथ 3,374.18 अंक के स्तर पर, सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.52 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,394.08 अंक के स्तर पर और जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स से 0.07 प्रतिशत की मजबूती के साथ 7,101.60 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

विक्की कौशल और कैटरीना कैफ ने अपनी शादीशुदा जिंदगी पर की खुलकर बात

मुंबई (ईएमएस)। बॉलीवुड के पावर कपल विक्की कौशल और कैटरीना कैफ ने अपने रिश्ते को लेकर हाल ही में खुलासा किया। 2021 में राजस्थान में एक ग्रैंड और प्राइवेट वेडिंग के बाद, दोनों के बीच आज भी गहरी समझ और तालमेल देखने को मिलता है। कैटरीना ने अपने एक साक्षात्कार के दौरान अपने पति विक्की कौशल के साथ अपने रिश्ते की खूबसूरती और उनकी अंडरस्टैंडिंग पर बात की। कैटरीना ने बताया कि दोनों के बीच काम और क्वालिटी टाइम को लेकर संतुलन कैसे बनाया जाता है। उन्होंने कहा, विक्की मुझे अक्सर फोन रखने और काम खत्म करने की याद दिलाते हैं। वह बहुत धैर्यवान हैं और मेरे काम को प्रोत्साहित भी करते हैं। कैटरीना ने यह भी बताया कि वे कभी काम को घर नहीं लाते, चाहे वह कितना भी महत्वपूर्ण क्यों न हो। उन्होंने कहा, हम दोनों जब घर पर होते हैं तो पूरी तरह से एक-दूसरे को समय देते हैं। बाथरूम काउंटर शेयर करने को लेकर मजेदार सवाल पर कैटरीना ने हंसते हुए कहा, विक्की बहुत समझदार हैं और एडजस्ट करना जानते हैं। वहीं, एनिवर्सरी के बारे में उन्होंने कहा, हम अपनी शादी की सालगिरह पर हमेशा कहीं दूर घूमने जाते हैं, जहां सिर्फ हम दोनों होते हैं। ऐसी जगहें हमें बहुत पसंद हैं। कैटरीना और विक्की की प्रेम कहानी लॉकडाउन के समय सबसे ज्यादा सुर्खियों में रही। दोनों ने शादी से पहले काफी समय तक एक-दूसरे को डेट किया। विक्की अक्सर अवॉर्ड फंक्शन्स में कैटरीना के प्रति अपना प्यार जाहिर करते थे, और कैटरीना भी विक्की की परफॉर्मेंस की जमकर तारीफ करती थीं। 9 दिसंबर 2021 को हुई उनकी शादी को बेहद प्राइवेट रखा गया था, जिसमें केवल करीबी परिवार और दोस्तों को ही शामिल किया गया। शादी के तीन साल बाद भी दोनों के बीच का प्यार और बॉन्डिंग एक मिसाल के तौर पर देखी जाती है।

बड़े बदलावों के दौर से गुजर रहा टीवी शो अनुपमा

मुंबई (ईएमएस)। छोटे परदे का पॉपुलर शो अनुपमा बड़े बदलावों के दौर से गुजर रहा है। हाल ही में अनुज कपाड़िया का किरदार निभाने वाले गौरव खन्ना ने अनुपमा से विदा ली थी। इनके बाद एक और एक्ट्रेस अलीशा परवीन ने भी शो को अलविदा कह दिया है। अलीशा परवीन ने महज दो महीने पहले ही शो में एंट्री की थी, जब कहानी में एक बड़ा जेनरेशन लीप आया था। दर्शकों ने उन्हें रूपाली गांगुली द्वारा निभाए गए मुख्य किरदार अनुपमा की गोद ली हुई बेटी राही के रूप में खूब पसंद किया। खासतौर पर उनकी प्रेम (शिवम खजुरिया) के साथ केमिस्ट्री को काफी सराहा गया। लेकिन अब अचानक उनके शो छोड़ने की खबर ने फैंस को हैरान कर दिया है।

अलीशा ने खुद इस बात की पुष्टि की है और इसे उनके लिए चौंकाने वाला और निराशाजनक अनुभव बताया। उन्होंने कहा, मुझे बिल्कुल अंदाजा नहीं था कि ऐसा कुछ होगा। अनुपमा के सेट पर आज मेरा आखिरी दिन था। यह एक शानदार मौका था और हर कोई मुझे और शिवम की जोड़ी को पसंद कर रहा था। लेकिन मुझे अचानक हटाने का फैसला क्यों लिया गया, यह मेरे लिए भी रहस्य है। उन्होंने आगे कहा, मेरी कल एक मीटिंग हुई थी, जिसमें मुझे इस फैसले के बारे में बताया गया। यह काफी अप्रत्याशित था। हालांकि इंडस्ट्री में ऐसा कभी-कभी होता है। मैं अब अपने भविष्य के प्रोजेक्ट्स पर ध्यान केंद्रित करूंगी। फिलहाल, शो की कहानी राही और प्रेम के इर्द-गिर्द घूम रही है। कहानी में दिखाया गया है कि प्रेम, राही के प्रति अपने प्यार का इजहार करता है, लेकिन राही अपने फीलिंग्स से इनकार कर देती है। इससे निराश होकर प्रेम, अनुपमा के किचन में शेफ की नौकरी छोड़ देता है और पूरे परिवार को अलविदा कह देता है। बाद में, राही को एहसास होता है कि वह भी प्रेम से प्यार करती है। अलीशा के शो छोड़ने से यह सवाल उठ रहा है कि क्या उनके किरदार को किसी और के जरिए जारी रखा जाएगा या कहानी को किसी और दिशा में मोड़ा जाएगा। बता दें कि अनुपमा शो के अहम किरदार लगातार इसे छोड़ रहे हैं, जिससे दर्शकों के बीच हैरानी और निराशा बढ़ रही है।

शाहरुख खान मुझ पर कभी हाथ नहीं उठाएगा : हनी सिंह

मुंबई (ईएमएस)। अपनी डॉक्यूमेंट्री योयो हनीसिंह:फेमस को लेकर रैपर और सिंगर यो यो हनी सिंह आजकल चर्चा में हैं। हनी सिंह की डॉक्यूमेंट्री ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई है, जिसमें उन्होंने अपनी निजी जिंदगी, करियर, बाइपोलर डिसऑर्डर और शाहरुख खान के साथ विवाद के बारे में विस्तार से बात की है। पहले यह खबरें आई थीं कि यूएस टूर के दौरान शाहरुख खान ने हनी सिंह का सिर फोड़ दिया था, जिसके कारण उन्हें टांके आए थे। लेकिन अब हनी सिंह ने अपनी डॉक्यूमेंट्री में इन अफवाहों को पूरी तरह से नकारा है। हनी सिंह ने बताया कि शाहरुख ने उन्हें कभी नुकसान नहीं पहुंचाया और वह हमेशा उनके साथ प्यार से पेश आए हैं। हनी सिंह ने इस बारे में कहा, किसी ने अफवाह फैला दी कि शाहरुख ने मुझे थप्पड़ मारा। वो इंसान मुझसे प्यार करता है। वह मुझ पर कभी हाथ नहीं उठाएगा। हनी सिंह ने आगे बताया कि शाहरुख के साथ उनका संबंध हमेशा सौहार्दपूर्ण रहा है, और उन्होंने चेन्नई एक्सप्रेस के लिए लुंगी डांस गाना गाया था, जिसके बाद शाहरुख ने उन्हें यूएस टूर पर ले जाने का प्रस्ताव दिया था। हनी सिंह ने अपनी बेचैनी को व्यक्त करते हुए कहा, मैंने सोचा कि इस शो के दौरान मैं मर जाऊंगा, लेकिन सभी ने मुझे तैयार होने को कहा। जब मैंने मना कर दिया, तो मैंने अपनी बालों को काट दिया और कहा कि अब मैं कैसे परफॉर्म करूंगा?हनी सिंह ने उस दौर को याद करते हुए बताया कि एक शो के लिए शिकागो जाने के दौरान उन्होंने परफॉर्म करने से मना कर दिया था, क्योंकि वह मानसिक और शारीरिक रूप से उस समय संघर्ष कर रहे थे।

गोविन्दा की कलाई पर फिरोजा रंग का ब्रेसलेट

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता गोविंदा ने हाल ही में अपना 60वां जन्मदिन बड़ी सादगी और खुशी के साथ सेलिब्रेट किया। इस मौके पर उन्होंने पैपराजी से मुलाकात की और मिठाइयां बांटकर सभी को खुश कर दिया। सफेद कपड़ों और काले चश्मे में नजर आ रहे गोविंदा अपने खास अंदाज से फैंस का दिल जीतते नजर आए। हालांकि, उनके जन्मदिन के जश्न में सबसे ज्यादा चर्चा का विषय बना उनकी कलाई पर पहना हुआ फिरोजा रंग का ब्रेसलेट। यह ब्रेसलेट देखने में काफी हद तक सलमान खान के सिग्नेचर ब्रेसलेट जैसा था, जिसने फैंस के बीच हलचल मचा दी। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो और तस्वीरों में फैंस ने इस पर कई दिलचस्प टिप्पणियां कीं। एक फैन ने लिखा, शायद यह भाईजान ने गिफ्ट किया होगा। गौरतलब है कि अक्टूबर 2024 में गोविंदा एक दुर्भाग्यपूर्ण हादसे का शिकार हुए थे, जब गलती से उनके पैर पर गोली चल गई थी।

इसके चलते उन्हें तीन दिन अस्पताल में रहना पड़ा था। लेकिन इस घटना के बाद भी उनकी जिंदादिली और आत्मविश्वास ने उन्हें फिर से फैंस के सामने ला खड़ा किया। गोविंदा का यह अंदाज उनके प्रशंसकों को हमेशा प्रेरित करता है।

कंगना ने दिलजीत के गानों का समर्थन कर चौकाया

मुंबई (ईएमएस)। पंजाबी सिंगर दिलजीत दोसांझ इन दिनों अपने दिल-लुमिनाटी इंडिया टूर को लेकर चर्चा में हैं। लेकिन उनके गानों को लेकर तेलंगाना, पंजाब, राजस्थान और महाराष्ट्र में विवाद खड़ा हो गया है।

कई राज्यों में उनके कॉन्सर्ट के दौरान शराब या ड्रग्स को प्रमोट करने वाले गानों पर बैन लगाया गया, जिसके चलते दिलजीत को आलोचनाओं का सामना करना पड़ा। वहीं बालीवुड एक्ट्रेस एवं भाजपा सांसद कंगना रनौत ने पंजाबी सिंगर का समर्थन कर सबको चौंका दिया है। दिलजीत का समर्थन करते हुए कहा कि यह सिर्फ कलाकारों की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि समाज की भी है। उन्होंने कहा, गानों और फिल्मों से आप हर चीज निकाल देंगे, लेकिन क्या यह लोगों की जिम्मेदारी नहीं है? शराब तो हर जगह बैन है, लेकिन क्या वो बिकना बंद हो गई? कितने हादसे हो रहे हैं, लेकिन कौन इन नियमों को फॉलो करता है? दिलजीत दोसांझ को इससे पहले बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने चंडीगढ़ में होने वाले उनके कॉन्सर्ट के लिए नोटिस जारी किया था। आयोग ने सिंगर को निर्देश दिया था कि वह शराब या ड्रग्स को प्रमोट करने वाले गाने न गाएं और बच्चों को स्टेज पर न बुलाएं। तेलंगाना सरकार ने भी उनके हैदराबाद कॉन्सर्ट में शराब और हिंसा को बढ़ावा देने वाले गानों पर रोक लगाई थी। इसके अलावा, इंदौर में बजरंग दल ने दिलजीत के कॉन्सर्ट का विरोध किया था। इन घटनाओं ने दिलजीत के टूर को विवादों के केंद्र में ला दिया है। कंगना का यह बयान न केवल दिलजीत के प्रति उनके बदले हुए रवैये को दिखाता है, बल्कि यह भी इंगित करता है कि कलाकारों पर बैन लगाने की बजाय समाज को अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए। कंगना और दिलजीत, जो पहले किसान आंदोलन के मुद्दे पर एक-दूसरे के खिलाफ बयानबाजी कर चुके हैं, उनके इस बदले हुए रुख ने फैंस को हैरान कर दिया है। बता दें कि कंगना रनौत, जो अक्सर अपने विवादित बयानों और दिलजीत दोसांझ से तकरार के लिए सुर्खियों में रहती हैं, इस बार उन्होंने पंजाबी सिंगर का समर्थन कर सबको चौंका दिया है।

शाहरुख और हम एक-दूसरे के लिए बने हैं: अभिजीत भट्टाचार्य

मुंबई (ईएमएस)। हाल ही में सलमान खान और शाहरुख खान के साथ अपने रिश्तों को लेकर सिंगर अभिजीत भट्टाचार्य ने चौंकाने वाला बयान दिया है। एक पॉडकास्ट में अभिजीत ने दोनों खानों के साथ अपने प्रोफेशनल अनुभव और मतभेदों पर खुलकर चर्चा की। सलमान खान के बारे में बात करते हुए अभिजीत ने कहा, सलमान अभी भी उस दायरे में नहीं आते कि मैं उनके बारे में चर्चा करूं। उन्होंने होस्ट से अनुरोध किया कि उनसे सलमान खान या उनकी आगामी फिल्म टाइगर 3 से जुड़े सवाल न पूछें। शाहरुख खान पर बात करते हुए अभिजीत ने उन्हें एक अलग क्लास का इंसान बताया। हालांकि, उन्होंने स्वीकार किया कि उनके और शाहरुख के बीच रिश्ते में खटास किसी व्यक्तिगत वजह से नहीं, बल्कि प्रोफेशनल कारणों से आई है। उन्होंने कहा, शाहरुख और मैं एक-दूसरे के लिए बने हैं, जैसे पति-पत्नी होते हैं। झगड़े तो होते ही हैं, लेकिन पैचअप भी जरूरी है। एक को कदम बढ़ाना पड़ेगा। अगर वो मुझसे मिले तो मैं जरूर कहूंगा कि हम दोनों के लिए गाना क्यों नहीं बन रहा। अभिजीत ने इससे पहले शाहरुख के लिए गाने से इनकार कर दिया था, जिससे उनके बीच दरार की खबरें आई थीं। हालांकि, इस बार उन्होंने पैचअप की उम्मीद जताते हुए इसे प्रोफेशनल रिश्ते की खामियां बताया। अभिजीत का यह बयान उनके फैंस के बीच चर्चा का विषय बन गया है। जहां कुछ लोग इसे उनके साहसिक विचार मान रहे हैं, वहीं कुछ इसे खानों के प्रति उनकी आलोचना के रूप में देख रहे हैं।

स्कूल के दिनों को याद किया अमिताभ बच्चन ने

महानायक अमिताभ बच्चन इन दिनों कौन बनेगा करोड़पति सीजन 16 होस्ट कर रहे हैं और शो में अपने मजेदार किस्सों से दर्शकों का दिल जीत रहे हैं। हाल ही में बिग बी ने बताया कि वे न सिर्फ क्लास, बल्कि स्कूल भी बंक किया करते थे। उनका यह खुलासा सोशल मीडिया पर खूब चर्चा में है। वहीं, दूसरी तरफ बॉलीवुड के मशहूर फिल्ममेकर करण जौहर अपने फैशन सेंस को लेकर एक बार फिर सुर्खियों में हैं। करण ने हाल ही में सोशल मीडिया पर अपनी कुछ तस्वीरें शेयर कीं, जिनमें वह ब्लैक ब्लेजर और पैंट के साथ गले में मोटी चेन और काले चश्मे में नजर आए। लेकिन जिस चीज ने सबसे ज्यादा ध्यान खींचा, वह था उनके कंधे पर कैरी किया गया ग्रीन कलर का लेडीज बैग। करण ने इन तस्वीरों के साथ कैप्शन में लिखा, एक आदमी ग्रेस के साथ केली भी ले जा सकता है। फैशन का कोई जेंडर नहीं होता। उनके इस बयान ने उनके लुक को एक महत्वपूर्ण संदेश दे दिया। जहां कई यूजर्स ने उनके इस स्टाइल को सराहा, वहीं कुछ ने मजाक भी उड़ाया। करण का यह अंदाज उनके फैशन स्टेटमेंट और व्यक्तित्व को और भी दिलचस्प बनाता है।

केआरके ने वामिका गब्बी पर की विवादित टिप्पणी

बॉलीवुड एक्टर कमाल आर खान (केआरके) अक्सर अपने विवादित बयानों और सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर चर्चा में रहते हैं। इस बार उन्होंने एक्ट्रेस वामिका गब्बी पर विवादित टिप्पणी करके नया बवाल खड़ा कर दिया। केआरके ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर वामिका की तस्वीर शेयर करते हुए उनकी बॉडी शेमिंग की और उनके लुक्स पर टिप्पणी करते हुए लिखा, ये बेचारी वामिका गब्बी एक्ट्रेस कैसे बनी? दांत बाहर हैं। हंसती है तो चुड़ैल लगती है। क्या हो गया बॉलीवुड वालों की पसंद को? केआरके की इस टिप्पणी के बाद वामिका गब्बी के फैंस ने सोशल मीडिया पर जमकर विरोध किया। एक यूजर ने कमेंट किया, अगर आप देशद्रोही जैसी फिल्म में हीरो बन सकते हैं, तो कोई भी एक्टर बन सकता है। दूसरे ने लिखा, आपके इस बयान से पता चलता है कि आप महिलाओं का कितना सम्मान करते हैं। वहीं, कई अन्य यूजर्स ने उनकी सोच को घटिया बताते हुए बॉलीवुड में प्रतिभा की जगह लुक्स पर सवाल उठाने को शर्मनाक कहा। वर्कफ्रंट की बात करें तो वामिका गब्बी जल्द ही वरुण धवन के साथ फिल्म बेबी जॉन में नजर आएंगी। हाल ही में फिल्म की टीम बिग बॉस 18 के वीकेंड का वार एपिसोड में प्रमोशन के लिए पहुंची थी।

जाह्नवी कपूर का ग्लैमरस अवतार

बॉलीवुड की उभरती हुई अदाकारा जाह्नवी कपूर अपने फैशन सेंस और ग्लैमरस लुक्स से अक्सर चर्चा में रहती हैं। बीती रात उन्हें एनएसएसीसी आर्ट्स कैफे की प्रीव्यू नाइट में देखा गया, जहां वह अपने स्टनिंग अवतार में सभी का ध्यान आकर्षित करती नजर आईं। जाह्नवी ने इस खास मौके पर पीच कलर की शॉर्ट बॉडीकॉन ड्रेस पहनी, जिसमें वह बेहद खूबसूरत लग रही थीं। ग्लोसी लिप्स, मैचिंग आईशेडो, खूबसूरत इयररिंग्स और खुले बालों ने उनके लुक को और भी शानदार बना दिया।

तस्वीरों में वह अपनी टोन्ड लेग्स फ्लॉन्ट करते हुए क्रिसमस ट्री के पास दिलकश पोज देती नजर आईं। जाह्नवी ने अपने इस लुक की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर भी शेयर की हैं, जिन्हें उनके फैंस खूब पसंद कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर कोई उनकी खूबसूरती की तारीफ कर रहा है तो कोई उनके स्टाइल स्टेटमेंट को सराह रहा है। वर्कफ्रंट की बात करें तो जाह्नवी कपूर के पास कई बड़ी फिल्में हैं, जिनमें मिस्टर एंड मिसेज माही, देवरा और बवाल शामिल हैं। उनके फैंस को इन प्रोजेक्ट्स का बेसब्री से इंतजार है।

सूडोकु नवताल- 7013

★★★★★ कठिनतम

				5	1	4		
			7				2	
		8						3
	1							8
5				4				9
7							6	
4						7		
	2				6			
		3	9	8				

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7012 का हल

4	7	6	3	5	2	9	1	8
5	9	8	6	7	1	4	3	2
2	3	1	8	9	4	7	6	5
6	8	5	7	3	9	2	4	1
3	2	4	5	1	6	8	7	9
7	1	9	4	2	8	3	5	6
8	4	3	2	6	5	1	9	7
1	5	2	9	4	7	6	8	3
9	6	7	1	8	3	5	2	4

शब्दजाल - 7760

र	क	ल	ड्री	च	र	स	धी	सी	ल	अ
च	शो	ल	दे	क्रां	ति	ड्र	इं	ता	ट	नु
ला	स	ले	ल	र्म	छ	रा	रा	औ	अ	रो
मु	ज	ज	सु	चु	र	रा	प	र	ना	ध
रा	फ	दो	ग	ल्ला	प	ज	तू	गी	मि	र्नि
री	क	की	प	ह	न	के	ना	ता	का	ग
ही	अ	स	रा	या	प	अ	चु	ज	ला	ट्रे
रो	ता	दा	ई	ह	ब	भि	फ	प	श	न
ब	बा	छ	लि	या	मा	मा	ल	व	के	न
न	ला	म	लि	प	न	न	शा	स्त्री	ता	ने
ने	जी	व	अ	चा	न	क	शा	त	र	इ

शब्दजाल में 'असरानी'की10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे व तिरछे हैं.

अभिमान,अचानक,छलिया,चुपके-चुपके, चरस,फकीरा,शोले,अनुरोध,चला मुरारी हीरो बनने,अनामिका

शब्दजाल - 7759 का हल

आ	ल	र	ही	दा	उ	प	का	र	झ	आ
ज	द	ल	र	आ	क	ह	ब्ब	तें	शा	रा
अं	इ	मी	रां	ल	दा	ल	न	र	ला	म
जं	कु	अ	झा	बे	ला	क	सी	रि	श	औ
जी	ति	श	ने	व	द	स	ब	ग	वी	र
र	रं	गं	गा	की	सौ	गं	ध	ती	प	श्या
जो	गा	ध	र्मा	गा	प	म	र	कौ	या	म
श	बा	जीं	स	त	क	छ	श	ग	श	थ
म	स	मि	न	व	न	ज	म	रा	जू	द
द	र	ल	म	ह	र	औ	के	स	बी	ना
थो	कु	र्बा	नी	र	हो	ग	या	दु	र	क

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग-6713

7			3	6		2
	35		30	1	32	
4	1	5			7	3
	26	2	34	4	31	
2		7			6	
	29	4	40	5	34	6
5		3			2	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों ओर के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6712 का हल

5	6	7	1	2	3	4
2	39	1	29	6	26	5
7	6	5	4	3	2	1
4	30	2	27	1	31	6
1	2	3	4	5	6	7
6	30	6	39	4	35	3
3	5	4	6	7	1	2

Jagrutidaur.com, Bangalore

बॉक्सिंग डे टेस्ट से पहले रोहित ने कहा- हम मेलबर्न में एक मजबूत प्रदर्शन करने के लिए उत्सुक

मेलबर्न

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी (बीजीटी) के बॉक्सिंग डे टेस्ट से पहले, भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने मंगलवार को कहा कि वे वर्तमान में केवल आगामी टेस्ट मैच पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं और मेलबर्न में एक मजबूत प्रदर्शन करने के लिए उत्सुक हैं।

प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में रोहित ने कहा कि हमने चल रही बीजीटी सीरीज के पर्थ टेस्ट में वास्तव में बहुत अच्छी क्रिकेट खेली।

रोहित ने कहा, हमने वास्तव में अच्छा क्रिकेट खेला, हम भाग्यशाली भी रहे, जब हमने पर्थ में पहला टेस्ट मैच जीता, जब आप 150 रन पर आउट हो जाते हैं, तो आपको लगता है कि आप थोड़ा दबाव में हैं, और फिर लड़कों का रवैया, जिस तरह से उन्होंने वापसी की और ऑस्ट्रेलिया को 100 रन पर आउट कर दिया, उससे पता चलता है कि एक ऐसा रवैया है जहां कोई भी टेस्ट मैच के आखिरी दिन या टेस्ट मैच का आखिरी ओवर फेंके जाने तक हार नहीं मानना चाहता है, और यही रवैया हम लंबे समय से अपनाते आ रहे हैं, जब आप विदेश दौरे पर जाते हैं, तो आपको पता होता है कि आपको अतिरिक्त प्रयास करना होगा, टीम के भीतर वह अतिरिक्त रवैया होना चाहिए, और यही कुछ ऐसा है जो हमने उस टेस्ट मैच में दिखाया। उन्होंने कहा कि एडिलेड टेस्ट में टीम इंडिया खेल में थोड़ी पीछे थी और अच्छा नहीं खेली। भारतीय कप्तान ने आगे कहा, दोनों पक्षों ने मौजूदा बीजीटी सीरीज़ में मजबूत क्रिकेट का प्रदर्शन किया है। और फिर जाहिर है कि एडिलेड में, हम खेल में थोड़े पीछे थे, हमने अच्छा नहीं खेला, जिसे मैंने स्वीकार किया।

न्यूज ब्रीफ

आईसीसी महिला टी20 और वनडे रैंकिंग में स्मृति मंधाना शीर्ष स्थान के करीब पहुंचीं

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम और वेस्टइंडीज महिला क्रिकेट टीम के बीच इस समय तीन मैचों की वनडे सीरीज खेली जा रही है। इससे पहले दोनों टीमों के बीच तीन मैचों की टी20 सीरीज भी खेली गई थी, जिसे भारतीय टीम ने 2-1 से अपने नाम किया था। भारतीय टीम की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने इस सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया है, जिसका फायदा उन्हें आईसीसी रैंकिंग में हुआ है। मंधाना वेस्टइंडीज के खिलाफ मजबूत प्रदर्शन के बाद आईसीसी महिला टी20 और वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष स्थान के करीब पहुंच गई हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ओर से मंगलवार को जारी ताजा रैंकिंग में बाएं हाथ की खिलाड़ी मंधाना दोनों प्रारूपों में दूसरे स्थान पर हैं। उनकी वनडे में रेटिंग 739 है। उनसे आगे दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज लौरा वोल्वार्ड्ट 773 रेटिंग के साथ हैं। मंधाना के टी20 में रेटिंग 753 है, जो ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी बेथ मूनी के 757 रेटिंग से थोड़े से कम है। मंधाना ने इस सप्ताह वेस्टइंडीज महिला टीम के खिलाफ दो टी20 मैचों में 62 और 77 रन बनाए और दूसरे स्थान पर पहुंच गईं। उन्होंने वडोदरा में पहले वनडे में 91 रन की पारी खेली। विरोधी टीम में सलामी बल्लेबाज हेली मैथ्यूज ने भी बल्ले से अपनी श्रेष्ठता दिखाई। सप्ताह भर में दो टी20 में नाबाद 85 रन और 22 रन बनाए, जिससे वह टी20 बल्लेबाजों की रैंकिंग में दो स्थान की छलांग लगाकर तीसरे स्थान पर पहुंच गईं। एनाबेल सदरलैंड को हुआ लाभ- ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम की ऑलराउंडर एनाबेल सदरलैंड के न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे श्रृंखला में मैच जीतने के प्रयासों से उन्हें आईसीसी महिला वनडे खिलाड़ी रैंकिंग में तेजी से लाभ हुआ है। 23 वर्षीय खिलाड़ी ने दूसरे और तीसरे वनडे में प्लेयर ऑफ द मैच चुने जाने के बाद तीनों सूचियों में अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ स्थिति हासिल की है। पहला मैच एक भी गेंद फेंके बिना रद्द कर दिए जाने के बाद ऑस्ट्रेलिया ने यह मैच जीत लिया था।

आईसीसी अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप 2025 के लिए भारतीय टीम घोषित, निकी प्रसाद होंगी कप्तान

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की महिला चयन समिति ने आगामी आईसीसी अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप 2025 के लिए भारतीय टीम की घोषणा कर दी है। निकी प्रसाद को टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है, जबकि सानिका चालके उपकप्तान होंगी। यह टूर्नामेंट 18 जनवरी, 2025 से 02 फरवरी, 2025 तक मलेशिया में खेला जाएगा। निकी की कप्तानी में भारत ने बांग्लादेश हराकर अभी हाल ही समाप्त हुए अंडर-19 महिला एशिया कप का खिताब जीता था। अंडर-19 विश्व कप में 16 टीमें हिस्सा ले रही हैं, जिन्हें 4 समूह में बांटा गया है, प्रत्येक समूह में 4 टीमें शामिल हैं। भारत, जो गत चैंपियन है, को ग्रुप ए में मेजबान मलेशिया, वेस्टइंडीज और श्रीलंका के साथ रखा गया है। कुआलालंपुर का बायुमास ओवल भारतीय टीम के ग्रुप स्टेज मैचों की मेजबानी करेगा। भारतीय टीम अपना अभियान 19 जनवरी, 2025 को वेस्ट इंडीज के खिलाफ शुरू करेगी। ग्रुप स्टेज मुकाबलों के समापन के बाद, प्रत्येक ग्रुप से तीन टीमें सुपर सिक्स के लिए क्वालीफाई करेंगी। सुपर सिक्स के लिए क्वालीफाई करने वाली 12 टीमों को दो समूहों में बांटा गया है। ग्रुप 1 में ग्रुप ए और ग्रुप डी से शीर्ष तीन टीमें शामिल होंगी जबकि ग्रुप 2 में ग्रुप बी और ग्रुप सी से शीर्ष तीन टीमें शामिल होंगी। सुपर सिक्स चरण में प्रत्येक टीम अपनी जीत, अंक और नेट रन-रेट (एनआरआर) को आगे बढ़ाएगी जो कि उनकी साथी सुपर सिक्स क्वालीफाइंग टीमों के खिलाफ सुरक्षित है। प्रत्येक टीम सुपर सिक्स चरण में अलग-अलग स्थानों पर समाप्त होने वाले संबंधित समूहों के विरोधियों के खिलाफ दो गेम खेलेगी। दो सुपर सिक्स चरण समूहों से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी। सेमीफाइनल 31 जनवरी, 2025 को होगा। टूर्नामेंट का फाइनल 02 फरवरी, 2025 को होगा। भारतीय अंडर-19 महिला टीम इस प्रकार है: निकी प्रसाद (कप्तान), सानिका चालके (उप-कप्तान), जी त्रिशा, कमलिनी जी (विकेटकीपर), भाविका अहिरे (विकेटकीपर), ईश्वरी अवसरे, मिथिला विनोद, जोशीता वीजे, सोनम यादव, पारुनिका सिसौदिया, केसरी द्रिथि, आयुषी शुक्ला, आनंदिता किशोर, एमडी शबनम, वैष्णवी एस। स्टैंडबाय खिलाड़ी: नन्दना एस, इरा जे, अनादि टी।

पीकेएल मेलबर्न रेड में वापसी करेंगे प्रो कबड्डी के लेजेंड अनूप कुमार, अजय ठाकुर ; टीमों की हुई घोषणा

मेलबर्न

बहुप्रतीक्षित पीकेएल मेलबर्न रेड के साथ प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) भारत के पारंपरिक खेल कबड्डी के रोमांच को ऑस्ट्रेलिया ले जाकर इतिहास रचने के लिए तैयार है। यह इवेंट पीकेएल-11 के मेगा फाइनल से एक दिन पहले शनिवार, 28 दिसंबर, 2024 को प्रतिष्ठित जॉन कैन एरिना में आयोजित किया जाएगा। इस ऐतिहासिक इवेंट की शाम के माध्यम से फैंस को टॉप लेबल कबड्डी एक्शन देखने को मिलेगा, जिसमें चार दुर्जेय टीमें एक दूसरे का सामना करेंगी। पीकेएल ऑल स्टार मावेरिक्स, पीकेएल ऑल स्टार मास्टर्स और प्रो कबड्डी ऑल स्टार्स ऐसी तीन टीमें होंगी, जिनमें पीकेएल के सर्वश्रेष्ठ भारतीय कबड्डी खिलाड़ी शामिल होंगे। साथ ही स्टार खिलाड़ियों से सजी ऑस्ट्रेलियाई टीम आसीज रेडर्स भी इस अनोखे इवेंट में वर्चस्व के लिए संघर्ष करेगी।

अजय ठाकुर, परदीप नरवाल, अनूप कुमार, राकेश कुमार, मनिंदर सिंह, सचिन तंवर और अन्य दिग्गज खिलाड़ियों के भाग लेने से फैंस खेल के रोमांच को सीमाओं से परे ले जाने वाले एक रोमांचक मुकाबले की उम्मीद कर सकते हैं।

इस अनूठे आयोजन से पहले पीकेएल के लीग कमिश्नर अनुपम गोस्वामी ने कहा, हम मेलबर्न में पीकेएल परफॉर्मेंस के लिए दुनिया के सबसे प्रमुख स्पोर्ट्स डेस्टीनेशन शहरों में से एक-विजिट विक्टोरिया-द्वारा आमंत्रित किए जाने से रोमांचित हैं। पीकेएल मेलबर्न रेड कबड्डी की बढ़ते ग्लोबल अपील को दर्शाता है, जो दिग्गजों के साथ-साथ मौजूदा सितारों को भी एक साथ लाता है। भारत में जारी पीकेएल सीजन 11 के अंतिम चरण में आने से, यह हमारी लीग की क्षमताओं को प्रदर्शित करने के साथ-साथ वास्तव में विश्व स्तरीय खेल के रूप में कबड्डी की ऊर्जा को प्रदर्शित करने का एक शानदार अवसर है।

पीकेएल मेलबर्न रेड में हिस्सा ले रही टीमों की सूची नीचे:

पीकेएल ऑल स्टार मावेरिक्स

अजय ठाकुर (रेडर/कप्तान), दीपक हुड्डा (रेडर), आदेश (रेडर), राकेश (रेडर), परदीप नरवाल (रेडर), नितिन रावल (लेफ्ट कॉर्नर+ रेडर), आदित्य पंवार (लेफ्ट कॉर्नर), नितेश कुमार (राइट कॉर्नर), मयूर कदम (राइट कवर), प्रियांक चंदेल (लेफ्ट कवर), नितिन (लेफ्ट कॉर्नर), सचिन तंवर (रेडर)।

कोच: ई. भास्करन

पीकेएल ऑल स्टार मास्टर्स

राकेश कुमार (रेडर/कप्तान), अनूप कुमार (रेडर), सुकेश हेगड़े (रेडर), जय भगवान (रेडर), मनिंदर सिंह (रेडर), जीवा कुमार (लेफ्ट कवर), संदीप नरवाल (राइट कवर), विशाल भारद्वाज (लेफ्ट) कॉर्नर), सौरभ नांदल (राइट कॉर्नर), मोहित (राइट कवर), रण सिंह (राइट/लेफ्ट कॉर्नर), नितेश (लेफ्ट कॉर्नर)।

कोच: बी.सी. रमेश

प्रो कबड्डी ऑल स्टार्स

अनूप कुमार (रेडर/कप्तान), राकेश कुमार (रेडर), सुकेश हेगड़े (रेडर), जय भगवान (रेडर), मनिंदर सिंह (रेडर), जीवा कुमार (लेफ्ट कॉर्नर), संदीप नरवाल (राइट कॉर्नर), विशाल भारद्वाज (लेफ्ट कवर), सौरभ नांदल (दाएं कोने), मोहित (दाएं कवर), नितेश (बाएं कोने)।, कोच: ई. भास्करन

आसीज रेडर्स

जोश कैनेडी (लेफ्ट इन/रेडर/कप्तान), मार्क मर्फी (कार्नर/ रेडर), डैन हैनबेरी (लेफ्ट कवर कॉर्नर), ब्रेट डेलेडियो (रेडर), बेन नुगेंट (मिडिल कवर/रेडर), बिली गॉवर्स (लेफ्ट कॉर्नर/रेडर), माइकल हिबर्ड (लेफ्ट कॉर्नर), ट्रेंट मैकेंजी (राइट इन), डायसन हेपेल (रेडर/लेफ्ट कॉर्नर), लियाम शिएल्स (राइट कॉर्नर/रेडर)। कोच: कैंपबेल ब्राउन।

चैंपियंस बनाने की एक भावपूर्ण यात्रा है खो-खो विश्व कप 2025 प्रशिक्षण शिविर

नई दिल्ली

खो-खो विश्व कप 2025 प्रशिक्षण शिविर दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में जारी है, जो भारत के हर कोने से आए 120 युवा, जीवंत प्रतिभाओं (60 पुरुष और 60 महिला) को एकजुट कर रहा है। ये सिर्फ खिलाड़ी नहीं हैं; वे भारत के जुनून, धैर्य और आशा की धड़कन के प्रतीक हैं, जो इस पारंपरिक खेल की कहानी में एक नया अध्याय लिखने के लिए एकजुट हो रहे हैं। जम्मू और कश्मीर की शांत घाटियों से लेकर तमिलनाडु की हलचल भरी सड़कों तक, ओडिशा के लयबद्ध खेतों से लेकर गोवा के चमकते तटों तक, यह शिविर भारत की अविश्वसनीय विविधता का एक मिश्रण है। प्रत्येक एथलीट न केवल अपने सपने, बल्कि अपने परिवार, समुदाय और उस राज्य की आकांक्षाएं लेकर आया है जिसका वे गर्व से प्रतिनिधित्व करते हैं। कई लोगों के लिए, इस शिविर तक पहुंचना पहले से ही एक जीत है - चुनौतियों पर जीत, चाहे वह आर्थिक कठिनाइयां हों, संसाधनों की कमी हो, या प्रतिस्पर्धी खेलों में सीमित अनुभव हो। यह शिविर कोई साधारण शिविर नहीं है। यह भव्य खो-खो विश्व कप 2025 के लिए टीम इंडिया के निर्माण में पहला कदम है, जहां इन खिलाड़ियों को खेल को उसकी देहाती जड़ों से वैश्विक मंच तक ले जाने का अवसर मिलेगा। जूनियर और सीनियर नेशनल चैंपियनशिप से सावधानीपूर्वक चुने गए कुल 120 खिलाड़ी अब अनुभवी प्रशिक्षकों और फिजियोथेरेपिस्ट की निगरानी में प्रशिक्षण लेते हैं। शिविर का अंतिम लक्ष्य 30 खिलाड़ियों (15 पुरुष और 15 महिलाएं) को चुनना है, जो तिरंगे रंग की जर्सी पहनेंगे और भारत के खो-खो गौरव को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। शिविर अश्वनी कुमार शर्मा, सुमित भाटिया, शिरीन गोडबोले और विनय कुमार जयसवाल जैसे विशेषज्ञ प्रशिक्षकों की उपस्थिति से समृद्ध है, जो इन खिलाड़ियों के कौशल को निखारने के लिए वर्षों का अनुभव लेकर आए हैं। इस बीच, डॉ. शशांक और डॉ. वंदना जैसे फिजियोथेरेपिस्ट यह सुनिश्चित करते हैं कि खिलाड़ियों की फिटनेस चरम पर हो। खो-खो, भारतीय मिट्टी में गहराई से रचा बसा खेल, हमेशा एक खेल से कहीं अधिक रहा है। यह एक विरासत है जो पीढ़ियों से चली आ रही है, इसे खेतों, आँगनों और स्कूल के मैदानों में खेला जाता है।

मिलान में फुटबॉल सीरीज

मिलान में सीरीज एक फुटबॉल मैच में खेलते हुए इंटर मिलान और कोमो क्लब के खिलाड़ी।

जीएमआर स्पोर्ट्स ने रग्बी प्रीमियर लीग लॉन्च करने के लिए किया रग्बी इंडिया के साथ करार

नई दिल्ली

भारत के खेल पारिस्थितिकी तंत्र में अग्रणी, जीएमआर स्पोर्ट्स ने, रग्बी प्रीमियर लीग (आरपीएल) को लॉन्च करने के लिए रग्बी इंडिया के साथ ऐतिहासिक 10-वर्षीय रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है। 2025 में पदार्पण के लिए तैयार, आरपीएल दुनिया की पहली फ्रेंचाइजी-आधारित रग्बी लीगों में से एक होगी, जिसमें छह शहर-आधारित टीमें शामिल होंगी। यह साझेदारी जीएमआर स्पोर्ट्स के लिए एक साहसिक कदम का प्रतीक है क्योंकि यह दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ते और सबसे गतिशील खेलों में से एक रग्बी 7एस के क्षेत्र में नवाचार और उत्कृष्टता की अपनी विरासत का विस्तार करती है। इस परिवर्तनकारी सहयोग पर जीएमआर स्पोर्ट्स के अध्यक्ष, किरण कुमार ग्रांधी ने कहा, जीएमआर स्पोर्ट्स में, हम ऐसे मंच बनाकर भारत में खेलों के भविष्य को आगे बढ़ाने में विश्वास करते हैं जो एथलीटों और प्रशंसकों को समान रूप से प्रेरित करते हैं। रग्बी प्रीमियर लीग सिर्फ लीग नहीं बल्कि- यह जमीनी स्तर पर विकास को बढ़ावा देते हुए भारत में विश्व स्तरीय रग्बी लाने का एक आंदोलन है।

रग्बी इंडिया के साथ साझेदारी हमारे द्वारा छुए जाने वाले प्रत्येक खेल में अवसर पैदा करने और उत्कृष्टता के लिए मानक स्थापित करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। हम भारतीय खेलों में इस रोमांचक नए अध्याय में सबसे आगे रहने के लिए उत्साहित हैं।

रग्बी प्रीमियर लीग भारत में रग्बी के विकास के लिए एक मजबूत आधार तैयार करते हुए दर्शकों को लुभाने का वादा करता है। युवा भारतीय प्रतिभाओं को अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के सामने उजागर करके और शीर्ष स्तरीय कोचिंग देकर, लीग का लक्ष्य खेल के लिए एक स्थायी पारिस्थितिकी तंत्र बनाना है। रग्बी इंडिया के अध्यक्ष राहुल बोस ने लीग की परिवर्तनकारी क्षमता पर जोर देते हुए कहा: रग्बी प्रीमियर लीग भारत में रग्बी के लिए एक गेम-चेंजर है। वर्ल्ड रग्बी के समर्थन और जीएमआर स्पोर्ट्स की विशेषज्ञता के साथ, हम एक लीग देने के लिए तैयार हैं।

आईएलटी20 सीजन 3 के लिए डेजर्ट वाइपर्स में शामिल हुए कुशल मल्ला

दुबई

नेपाल के हरफनमौला खिलाड़ी कुशल मल्ला को आईएलटी20 के आगामी तीसरे सीजन के लिए डेजर्ट वाइपर्स ने साइन किया है। मल्ला इस महीने के उद्घाटन नेपाल प्रीमियर लीग में बेहतरीन खिलाड़ियों में से एक थे। डेजर्ट वाइपर्स ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि मल्ला नीदरलैंड के ऑलराउंडर बास डी लीडे के प्रतिस्थापन के रूप में वाइपर्स में शामिल होंगे, जो चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। हालांकि मल्ला अभी भी केवल 20 वर्ष के हैं। टूर्नामेंट समाप्त होने के एक महीने बाद वे 21 वर्ष के हो जाएंगे। मल्ला के पास पहले से ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में काफी अनुभव है। बाएं हाथ के बल्लेबाज और बाएं हाथ के स्पिन गेंदबाज ने फरवरी 2020 में यूएसए के खिलाफ 15 साल और 340 दिन की उम्र में अपना वन-डे इंटरनेशनल डेब्यू किया था, जिससे वे उस प्रारूप में खेलने वाले आठवें सबसे कम उम्र के पुरुष खिलाड़ी बन गए। मल्ला ट्वेंटी-20 अंतरराष्ट्रीय (टी-20) में नेपाल के पांचवें सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं, जिन्होंने 47 मैचों में

एक शतक, चार अर्द्धशतक और 147.66 के स्ट्राइक रेट के साथ 917 रन बनाए हैं, जो अंतरराष्ट्रीय प्रारूप में 500 से ज़्यादा रन बनाने वाले किसी भी नेपाली बल्लेबाज़ द्वारा बनाया गया सर्वश्रेष्ठ स्कोर है। 2023 एशियाई खेलों में मंगोलिया के खिलाफ़ मल्ला ने नाबाद 137 रन की शतकीय पारी सिर्फ़ 50 गेंदों में खेली थी, इस दौरान उन्होंने आठ चौके और 12 छक्के लगाए थे और यह पुरुष टी-20 के इतिहास में तीसरे नंबर के बल्लेबाज़ द्वारा बनाया गया सर्वोच्च स्कोर है। मल्ला ने 39 वनडे मैचों में एक शतक और चार अर्द्धशतक के साथ 768 रन भी बनाए हैं, और वह नेपाल के लिए अंतरराष्ट्रीय सफ़ेद गेंद के दोनों प्रारूपों में शतक बनाने वाले केवल चार पुरुष खिलाड़ियों में से एक हैं। इसके अलावा, उन्होंने एकदिवसीय और टी-20 अंतरराष्ट्रीय में 43 विकेट लिए हैं और वह इस वर्ष की शुरुआत में अमेरिका और कैरेबिया में आईसीसी टी-20 विश्व कप में भाग लेने वाली नेपाल टीम के सदस्य थे। कुशल मल्ला के अनुबंध पर डेजर्ट वाइपर्स के क्रिकेट निदेशक टॉम मूडी ने कहा, कुशल का डेजर्ट वाइपर्स में स्वागत करते हुए हमें खुशी हो रही है। वह एक युवा खिलाड़ी है, लेकिन इतने कम उम्र में उसके पास उच्च स्तर पर काफी अनुभव है, इसलिए हम जानते हैं कि वह वाइपर्स के सेट-अप में कदम रखने से विचलित नहीं होगा। यह भी एक बहुत बड़ी सकारात्मक बात है कि कुशल नेपाल प्रीमियर लीग के बाद हमारे पास आ रहा है, प्रतिस्पर्धी माहौल में अच्छे खिलाड़ियों के साथ और उनके खिलाफ खेल रहा है। मूडी ने कहा, बल्लेबाज के तौर पर, कुशल लगभग हर जगह खेल सकता है, ट्वेंटी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में सलामी बल्लेबाज से लेकर सातवें नंबर तक बल्लेबाजी कर चुका है, और इस प्रारूप में उसका स्ट्राइक-रेट दिखाता है कि वह कितना खतरनाक खिलाड़ी है।

सत्यमेव जयते

Government of Assam
Transport Department

ADVISORY ON ROAD SAFETY DURING PICNIC SEASON

With the onset of the picnic season, citizens are encouraged to prioritize road safety to ensure a safe and enjoyable experience for all. Adhering to the following Do's and Don'ts will help minimize accidents and fatalities during this period

Do's

- **Designate a Sober Driver:** Always assign a non-drinking individual as the driver for the trip.
- **Use Fit Vehicles:** Ensure that your vehicle is roadworthy and has un- dergone necessary maintenance before traveling.
- **Choose Legal Transport:** Use passenger vehicles like private cars, buses, or tempo traveler that comply with legal and safety norms.
- **Wear Seat Belts and Helmets:** Ensure all passengers in cars wear seat belts and motorcyclists wear helmets.
- **Drive Responsibly:** Follow all traffic rules, maintain speed limits, and ensure your journey is safe for passengers and others on the road.
- **Plan Parking Safely:** Park vehicles only in designated, safe areas near picnic spots to avoid accidents or inconvenience.
- **Carry Essentials:** Keep emergency items like a first-aid kit, drinking water, and vehicle repair tools for unforeseen situations.
- **Inform Local Police Station:** All picnic parties should inform local police stations regarding the origin and the destination of the travel before proceeding for the same.

Don'ts

- **Don't Over speed:** Avoid over speeding or reckless driving, especially on hilly or narrow roads leading to picnic spots.
- **Don't Drink and Drive:** Driving under the influence of alcohol or drugs is strictly prohibited and punishable by law. Same must be strictly followed by all picnic parties.
- **Don't Overcrowd Vehicles:** Do not exceed the seating capacity of vehicles, as overcrowding significantly increases the risk of accidents.
- **Don't Use Goods Vehicles for Passengers:** It is illegal and unsafe to use trucks or other goods vehicles to transport people.
- **Don't Play Loud Music While Driving:** Avoid distractions like excessively loud music, which can impair your focus on the road.
- **Don't Use Unfit Vehicles:** Avoid using old or poorly maintained vehicles for long-distance travel.
- **Don't Park in Unsafe Areas:** Refrain from parking in unauthorized or unsafe locations, which can obstruct traffic or pose safety risks.
- **Don't Ignore Weather Conditions:** Avoid traveling in adverse weather, such as heavy fog or rain, without proper precautions.
- **Don't start movement after Sunset and before Sunrise:** Picnic parties are advised to start their movements after sunrise and plan their return before sunset to avoid adverse weather and visibility conditions.

By following these guidelines, we can collectively ensure a safe and pleasant picnic season in Assam. Let's make safety our priority and enjoy responsibly.

Emergency Numbers
Save helpline numbers

112 (Police assistance)
108 (Medical emergencies)

District-specific helplines
(to be issued by local authorities)

Published by Directorate of Information & Public Relations, Assam Connect with us @diprassam dipr.assam.gov.in

Subscribe to Asom Barta Whatsapp 'Assam' at 7636834943

-- Janasanyog /D/11019/24/25-Dec-24